आज का मौसम
32.0° अधिकतम तापमान
23.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.14
सूर्यास्त 05.31

अमृत विचार
लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष पंचमी 06:05 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

रविवार, 26 अक्टूबर 2025, वर्ष 35, अंक 266, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

- तेजस्वी का घेराव करते हुए राजग नेताओं ने कहा बिहार लालटेन युग में लौटने को तैयार नहीं - 9

- अमेरिकी मुद्रास्फीति में नरमी से बाजार में तेजी, भारत पर भी दिखेगा असर - 12

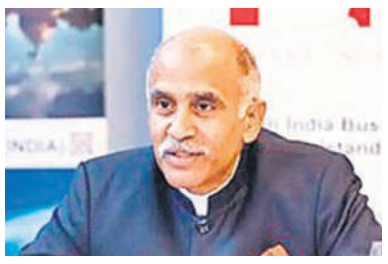

- पाकिस्तान की लोकतंत्र की अवधारणा बाहरी कब्जे वाले क्षेत्र में बंद करे दमन - 13

- रोहित और कोहली ने दिखाया जलवा, भारत की ऑस्ट्रेलिया पर बड़ी जीत - 14

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनेगा यूपी के विकास का नया प्रतीक : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट निरीक्षण के बाद उद्घाटन तैयारी की समीक्षा की
- सभी निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता व समयबद्धता से पूरा करने के निर्देश

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर के स्थलीय निरीक्षण के बाद उद्घाटन तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने सभी निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता व समयबद्धता के साथ पूरा करने का निर्देश देते हुए कहा कि यह एयरपोर्ट प्रदेश के विकास का प्रतीक बनेगा।

उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि उद्घाटन समारोह की तैयारियों में किसी भी प्रकार की शिथिलता अस्वीकार्य होगी। योगी ने डोमेस्टिक टर्मिनल, उद्घाटन स्थल, सुरक्षा व यातायात व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने बोर्डरूम में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड, जिला व पुलिस प्रशासन और निर्माण एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक में एयरपोर्ट की प्रगति, आगामी कार्ययोजना और उद्घाटन की तैयारियों पर पावर प्रेजेंटेशन पर विस्तृत चर्चा भी की। कहा कि जेवर एयरपोर्ट प्रदेश के औद्योगिक, निवेश और पर्यटन विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने सौंदर्यीकरण, स्वच्छता, सुरक्षा और यात्री सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा। मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट से जुड़े सड़क एवं मेट्रो लिंक कार्यों को तय समय में पूरा करने के निर्देश दिए।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

150 उड़ानें रोजाना

योगी ने कहा कि जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ यूपी देश का पहला राज्य बन जाएगा, जिसके पास पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट होंगे। इससे राज्य की एयर कनेक्टिविटी, पर्यटन और निवेश को अभूतपूर्व बल मिलेगा। जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन चरण 3,300 एकड़ भूमि पर होगा। अब तक 6,700 एकड़ भूमि अधिग्रहित हो चुकी है, जबकि शेष 5,100 एकड़ भूमि तीन माह में अधिग्रहित की जाएगी। शुरुआत में एक रनवे से संचालन होगा, जिसकी वार्षिक क्षमता 1.2 करोड़ यात्रियों की होगी। प्रतिदिन 150 उड़ानें यहां से संचालित होंगी।

राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री से मिले मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री ने शनिवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन व प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकातें मुख्य रूप से 30 अक्टूबर को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन, अयोध्या में 25 नवंबर को राममंदिर पर ध्वज स्थापना, लखनऊ में दुनिया की सबसे बड़ी स्काउट गाइड की जम्बूरी समारोह समेत विकसित यूपी अभियान को लेकर बताई जा रही है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति को जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन समारोह के लिए आमंत्रित किया।

कनेक्टिविटी का स्वर्ण युग

प्रदेश में 16 एयरपोर्ट संचालित और 7 निर्माणाधीन हैं। 2024-25 में 1.5 करोड़ यात्रियों ने हवाई यात्रा की, जिसमें 13 लाख अंतर्राष्ट्रीय यात्री शामिल रहे। जेवर एयरपोर्ट से एक लाख रोजगार अवसर पैदा होंगे, वहीं एनसीआर-यूपी बेल्ट में औद्योगिक और रियल एस्टेट गतिविधियों में 20-30 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई है। अब यूपी देश के कुल हवाई यातायात में 10-15 प्रतिशत हिस्सेदारी की ओर बढ़ रहा है।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, खुद पर हावी न होने दें त्योहारों के बाद उदासी व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞www.amritvichar.com

इस चुनाव तय होगा बिहार में जंगलराज लौटेगा या कायम रहेगा विकास : शाह

नेता प्रतिपक्ष पर बोला हमला, कहा- हमारी सरकार घुसपैठिये को देश से करेगी बाहर

खगड़िया/ नालंदा, एजेंसी

- केंद्रीय गृह मंत्री ने खगड़िया में चुनावी जनसभा की संबोधित, कहा- जनता ने मौका दिया तो अगली बार बिहार में एक ही चरण में संपन्न होंगे चुनाव

केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नालंदा विश्वविद्यालय की वह गौरवगाथा पुनर्स्थापित की है, जिसे आज 100 बख्तियार खिलजी भी मिटा नहीं सकते। बिहार शरीफ में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी दावा किया कि वर्तमान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की बदौलत ही चुनाव दो चरणों में हो पा रहे हैं, और अगर जनता इसे एक और मौका दे तो अगली बार बिहार में चुनाव एक ही चरण में संपन्न होंगे।

शाह ने विपक्षी नेताओं जैसे लालू प्रसाद, राहुल गांधी, ममता बनर्जी व मायावती को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि वे जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के फैसले के खिलाफ थे। उन्होंने कहा कि मोदी-सरकार ने बिहार को नक्सलवाद से मुक्त कराया है। कहा कि अब जंगल राज की वापसी नहीं होने देंगे और विकास-प्रदर्शन के आधार पर सरकार का चुनाव किया जाना चाहिए। इससे पहले खगड़िया जिले में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव यह तय करेगा कि राज्य में 'जंगलराज' वापस आएगा या यह विकास के रास्ते पर आगे बढ़ता रहेगा। शाह ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया का विरोध करने को लेकर 'इंडिया' गठबंधन पर निशाना साधा और कहा कि हर एक घुसपैठिये का पता लगाया जाएगा, मतदाता सूची से उनका नाम हटाया जाएगा और ऐसे लोगों को उनके देशों में वापस भेजा जाएगा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर हमला बोलते हुए शाह ने कहा, राहुल बाबा कहते हैं कि घुसपैठियों को बिहार में रहने दिया जाए।

आप बताइए, क्या हमें घुसपैठियों को रहने देना चाहिए? चाहे वह जितनी भी रैलियां कर लें 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' निकाल लें, वह घुसपैठियों को बचा नहीं सकते। गृह मंत्री ने दावा किया कि बिहार में फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनेगी और कहा, हमारी सरकार एक-एक घुसपैठिये को चुनकर देश से बाहर करेगी, उनका पता लगाया जाएगा और उन्हें वापस भेजा जाएगा। उन्होंने कहा, यह चुनाव किसी को विधायक, मंत्री या मुख्यमंत्री बनाने का चुनाव नहीं है। यह चुनाव तय करेगा कि बिहार में लालू-राबड़ी का 'जंगलराज' लौटेगा या फिर राजग के आने पर विकसित बिहार पूरे देश में अपनी पहचान बनाएगा।

विपक्षी महागठबंधन की पहचान भ्रष्टाचार व परिवारवाद, नीतीश चाहते हैं राज्य का विकास

शाह ने आरोप लगाया कि विपक्षी महागठबंधन की पहचान भ्रष्टाचार और परिवारवाद है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद ने केवल अपने परिवार की समृद्धि पर ध्यान दिया। गृह मंत्री ने दावा किया, नीतीश बाबू राज्य का समग्र विकास चाहते हैं, जबकि लालू जी अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं और सोनिया गांधी अपने बेटे को प्रधानमंत्री। इसलिए बिहार के बेटों-बेटियों की चिंता केवल नरेन्द्र मोदी जी और नीतीश कुमार जी ही कर सकते हैं। उनके खिलाफ एक भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है, जबकि लालू जी ने चारा घोटाला से लेकर बीपीएससी (बिहार लोकसेवा आयोग) घोटाले तक अनगिनत घोटाले किए हैं। शाह ने छठ महापर्व के अवसर पर बिहारवासियों को शुभकामनाएं भी दीं।

बीकेटी थाने से 300 मीटर दूर संविदाकर्मी की गोली मारकर हत्या

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: बीकेटी थाने से करीब 300 मीटर दूर आउटर रिंग रोड पर शनिवार देर रात पुलिस लाइन के बॉयोप्लांट के संविदाकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। युवक के गले पर घाव व शरीर के अन्य हिस्सों में चोटों के निशान हैं। आशंका जतायी जा रही है कि लूटपाट के दौरान युवक की हत्या की गयी। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल पर छानबीन की। डीसीपी उत्तरी गोपाल कृष्ण चौधरी ने बताया कि केस में सर्विलांस सेल, क्राइम टीम व थाना पुलिस समेत चार टीमों का गठन किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

मामपुर बाना निवासी प्रदीप गौतम उर्फ मंगलू (28) पुलिस लाइन में संविदाकर्मी के तौर पर कूड़े से खाद बनाने का काम करता था।। शनिवार देर रात आउटर रिंग रोड पर लोगों ने एक युवक का खून से लथपथ शव पड़ा देखा। डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही बीकेटी पुलिस पहुंची। कुछ देर में डीसीपी उत्तरी गोपाल कृष्ण चौधरी, एडीसीपी अमोल मुरकुट व एसीपी ज्ञानेंद्र सिंह भी पहुंच गए। पुलिस ने प्रदीप को अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। डीसीपी ने बताया कि शुरुआती जांच से यह साफ है कि प्रदीप की हत्या की गई है। पीड़ित परिजन ने बताया कि प्रदीप की बाइक, मोबाइल, पर्स और अन्य सामान गायब है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि लूटपाट के दौरान हत्या की गई है। उन्होंने बताया कि प्रदीप की वर्ष 2020 में कठवारा की रहने वाली चांदनी से शादी हुई थी। उसकी दो बेटियां हैं। वह पुलिस लाइन में कर्मचारी था। प्रदीप तीन-चार दिन में एक बार घर जाता था। शनिवार देर शाम वह पुलिस लाइन से घर के लिए निकला था। देर रात तक घर न लौटने पर फोन किया गया तो मोबाइल स्विच आफ मिला। छानबीन के दौरान पुलिस को घटनास्थल के पास से शराब के तीन चार पाउच, गिलास और नमकीन के पैकेट मिले हैं। डीसीपी ने बताया कि सभी बिंदुओं के आधार पर छानबीन की जा रही है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

- आउटर रिंग रोड की घटना, बाइक, पर्स व मोबाइल गायब, लूटपाट की आशंका

ब्रीफ न्यूज

नेशनल हेराल्ड मामले में सुनवाई स्थगित

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से संबंधित सुनवाई शनिवार को 30 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने सुनवाई स्थगित करते हुए कहा कि ईडी से कुछ स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। संघीय एजेंसी ने कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी, पार्टी के दिवंगत नेताओं के साथ-साथ सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और निजी कंपनी यंग इंडियन पर साजिश और धनशोधन का आरोप लगाया है।

अभिनेता सतीश शाह का निधन

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सतीश शाह का शनिवार को निधन हो गया। वह 74 वर्ष के थे। शाह के प्रबंधक ने यह जानकारी दी। शाह को फिल्म जाने भी दो यारो, मैं हूं ना और मशहूर टीवी शो साराभाई वर्सेज साराभाई में अपने अभिनय के लिए खास तौर पर सराहा जाता है। तीस से ज्यादा वर्षों से सतीश शाह के निजी सहायक रहे रमेश कडातला ने बताया कि अभिनेता का दोपहर के समय बांद्रा पूर्वी स्थित उनके आवास पर निधन हो गया।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मिलेगी रफ्तार, 12 जिले चयनित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (पीएमडीडीकेवाई) अब उत्तर प्रदेश में गति पकड़ने जा रही है। 12 जिले अर्थात महोबा, हमीरपुर, बांदा, चित्रकूट, जालौन, झांसी, ललितपुर, उन्नाव, प्रयागराज, प्रतापगढ़, श्रावस्ती और सोनभद्र इस योजना में चयनित किए गए हैं। किसानों की आय और कृषि उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना का शुभारंभ प्रधानमंत्री मोदी ने 11 अक्टूबर को किया था। योगी सरकार ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में 17 सदस्यीय जिला स्तरीय समितियों का गठन किया है। इन समितियों में कृषि, उद्यान, पशुधन, मत्स्य और जिला पंचायत विभागों के अधिकारी शामिल होंगे। समितियां स्थानीय जलवायु और संसाधनों के अनुसार कृषि योजनाएं तैयार करेंगी तथा उनके क्रियान्वयन की मासिक समीक्षा भी करेंगी। राज्य स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है, जो समय पर धनराशि उपलब्ध कराने और विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करेगी। कृषि निदेशक डॉ. पंकज त्रिपाठी को योजना का नोडल अधिकारी बनाया गया है। यह योजना किसानों की आय दोगुनी करेगी।

पुलिस व ग्रामीणों के बीच मारपीट, 19 घायल

संवाददाता, गोसाईंगंज(लखनऊ)

- थाने से लेकर लूलू मॉल तक बवाल, इंस्पेक्टर समेत नौ पुलिसकर्मी भी चोटिल

अमृत विचार: लूलू मॉल के सफाई कर्मी अरुण रावत (48) की हत्या के चार दिन बाद रिपोर्ट दर्ज होने और नामजद आरोपियों को हिरासत से छोड़ने पर शनिवार को पीड़ित परिवार का पारा चढ़ गया। पीड़ित परिवार संग करीब 40-50 ग्रामीणों ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने पहुंचकर घेराव शुरू कर दिया। इंस्पेक्टर पर आरोपियों को थाने से छोड़ने का आरोप लगाते हुए विरोध-प्रदर्शन करने के साथ पुलिस पर पथराव कर दिया। जवाब में पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। बवाल में इंस्पेक्टर क्राइम समेत नौ पुलिस कर्मी और 10 ग्रामीण घायल हो गए। पुलिस ने पिता-पुत्र समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। कैंट के नीलमथा स्थित कटहेरी बाग विद्यानगर कॉलोनी निवासी अरुण रावत 21 अक्टूबर को रात आठ बजे दोस्त का फोन आने पर बाइक लेकर घर से निकला था। अगले दिन सुबह सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में कार्तिकेय गेस्ट हाउस में उसका शव कमरे में पड़ा मिला। पास में साथी विकास रावत सोया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अरुण की मौत का कारण दम घुटना आया था। आक्रोशित परिजन ने शव रखकर जमकर प्रदर्शन हंगामा किया था। पत्नी शिल्पा ने हत्या की तहरीर दी थी। मौत के चार दिन बाद विकास रावत, अमन और उसकी पत्नी विमला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही थी। शनिवार दोपहर मृतक की पत्नी शिल्पा, बेटा ध्रुव, आर्यन, भाई की पत्नी रंजना रावत व अन्य घरवालों समेत 40-50 लोग सुशांत गोल्फ सिटी थाने पहुंचे। ध्रुव ने थाने में इंस्पेक्टर प्रदीप यादव से नामजद हत्यारोपियों को जेल भेजने के बजाए थाने से छोड़ने का आरोप लगाया। पुलिस ने समझाने का प्रयास किया तो विवाद बढ़ गया। ग्रामीणों और पुलिस में मारपीट हुई। डीसीपी (दक्षिण) निपुण अग्रवाल ने बताया कि पांच नामजद और 20 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी है।

लैंडिंग के दौरान विमान में आई खराबी, दरवाजे दोनों लॉक

कानपुर। मुंबई से कानपुर पहुंचे इंडिगो के विमान 6 ई 824 में कानपुर एयरपोर्ट के रनवे पर लैंडिंग के दौरान तकनीकी खराबी आ गई। इस वजह से पायलट ने विमान को लैंड कराने के बजाय दोबारा उड़ान भर ली और आसमान में 20 मिनट तक चक्कर लगाता रहा। इसके बाद विमान को लैंड कराया लेकिन दरवाजे लॉक हो गए। करीब 30 मिनट बाद जब इंजन बंद हुआ, तब जाकर विमान के दोनों दरवाजे खुले और यात्रियों ने राहत की सांस ली। विमान में 150 यात्री थे।

शर्मनाक...इंदौर में ऑस्ट्रेलियन महिला क्रिकेटरों से छेड़छाड़

इंदौर, एजेंसी

- आरोपी अकील खान गिरफ्तार कैफे की ओर जा रही थीं खिलाड़ी तभी गलत तरह से छुआ

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में हिस्सा ले रहीं ऑस्ट्रेलिया की दो महिला क्रिकेटरों का मध्यप्रदेश के इंदौर में पीछा कर मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति ने छेड़छाड़ की। शर्मशार कर देने वाली इस घटना के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उपनिरीक्षक निधि रघुवंशी ने बताया कि दोनों क्रिकेटर अपने होटल से बाहर निकलीं और एक कैफे की ओर जा रही थीं, तभी मोटरसाइकिल पर सवार एक व्यक्ति ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया। उस व्यक्ति ने उनमें से एक क्रिकेटर को गलत तरीके से छुआ और भाग गया। दोनों क्रिकेटर ने अपने टीम सुरक्षा अधिकारी डैनी सिमंस से संपर्क किया, जिन्होंने स्थानीय सुरक्षा संपर्क अधिकारियों के साथ समन्वय किया और सहायता के लिए एक वाहन भेजा। सहायक पुलिस आयुक्त हिमानी मिश्रा ने दोनों खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनके बयान दर्ज किए। एमआईजी थाने में बीएनएस की धारा 74 व 78 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। खान के खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं और मामले की जांच जारी है।

एमपीसीए बोर्ड ने नाराजगी जताई

मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) ने छेड़छाड़ की घटना पर गहरा दुख एवं नाराजगी व्यक्त की। एमपीसीए ने कहा, इंदौर में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की दो खिलाड़ियों के साथ हुई गलत हरकत और अनुचित व्यवहार की परेशान करने वाली घटना से बहुत दुखी है। किसी भी महिला को ऐसा 'ट्रॉमा' कभी नहीं सहना चाहिए।

चिंतनीय | बढ़ते जलवायु परिवर्तन के दायरे से घटा सर्दी का दौर, नैनीताल के शीतकाल पर जलवायु परिवर्तन का बड़ा असर

40 साल के अंतराल में घट गई चार गुना ठंड

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन का दायरा बढ़ रहा है, वैसे-वैसे सर्दी का दौर घट रहा है। जलवायु परिवर्तन अब शीतकाल को गिरफ्त में लेने को तैयार है। कड़ाके की ठंड के तीन माह के दिन सिकुड़ने शुरू हो चुके हैं। साल 1980 से 2020 के बीच 40 साल के अंतराल में ठंड में चार गुना तक कमी आई है। संभावना यह भी है कि, इस सदी के अंत तक शीतकाल में सर्दी पड़नी ही शायद समाप्त हो जाएगी।

जलवायु परिवर्तन को जन्म देने वाला वैश्विक ताप कम होने के बजाय बढ़ रहा है, जिस कारण जलवायु परिवर्तन में भी तेजी आने लगी है। इसके असर को लेकर तमाम दिशाओं में शोध कार्य में भी तेजी आई है, जिसमे चौंकाने वाली खबर आई है कि सर्दियों के दिनों में पड़ने वाली सर्दी में जितनी ठंड पिछली सदियों में पड़ा करती थी, अब नहीं पड़ती है। साथ ही, सर्दियों के दिनों में भी कमी आई है। भारत जैसे देशों के दिसंबर से फरवरी के बीच सर्दी के दिनों में भी कमी आने लगी है। उत्तर भारत में यह असर देखे जाने लगा है, जिसके परिणाम स्वरूप संभावना यह भी कि भविष्य में सर्दी पड़नी ही बंद हो जाएगी।

बढ़ता जलवायु परिवर्तन का दायरा, घट रहा सर्दी का दौर।

क्या कहती है रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र संघ इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑफ क्लाइमेट चेंज के वैज्ञानिकों की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 1980 से 2020 के बीच ठंडी रातें और दिन लगभग चार गुना कम हो गए हैं। इसका सीधा असर सर्दियों के दिनों में पड़ेगा। वर्ष 2050 तक गर्म दिनों की संख्या में वृद्धि होने लगेगी। लू का प्रकोप बढ़ जाएगा और सर्दियों के दिन कम होने लगेंगे। बाढ़ की घटनाएं बढ़ेंगी। ग्लोबल वार्मिंग के कारण भारत के अधिकांश हिस्सों में सतह का तापमान बढ़ रहा है, जिससे ठंड का असर कम हो रहा है। बढ़ते तापमान के कारण सर्दियों में होने वाले घने कोहरे की घटनाओं में भी कमी आने की संभावना है। वर्ष 2080 से 2100 तक गर्म रातों और दिनों की संख्या में काफी वृद्धि होगी, जबकि ठंडी रातों और दिनों की संख्या में कमी आएगी।

नैनीताल में नहीं पहले जैसी ठंड

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन का बड़ा असर नैनीताल के शीतकाल पर आया है। तेल और पानी को जमा देने वाली ठंड अब नहीं पड़ती और बर्फबारी का दौर भी थम चुका है। यह ऐसा बदलाव है जो निरंतर आगे बढ़ रहा है। पिछले दो दशक के अंतराल की बात करें तो यहां के शीतकाल के तापमान में औसतन तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है जिससे शीतकाल में ठंड में कमी आने से जीवन आसान हो चला है। इस बदलाव से सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि भविष्य में ठंड पड़नी ही बंद हो जाएगी। बहरहाल, उत्तर भारत की सर्दियां अधिक सर्द नहीं रहने लगेंगी और तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन से संभव है कि ऋतुओं में शारदकालीन ऋतु का अस्तित्व ही न रहे।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 26 अक्टूबर 2025

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

दवा निगरानी तंत्र में यूपी बेहद कमजोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राष्ट्रीय मानकों की उपेक्षा से नकली, एक्सपायरी व अवैध दवाओं पर नियंत्रण मुश्किल
- 200 दवा प्रतिष्ठानों पर एक औषधि निरीक्षक की होनी चाहिए तैनाती यूपी में दस गुना से अधिक लोड

अमृत विचार : उप्र. जैसे विशाल राज्य में औषधि नियंत्रण प्रणाली लंबे समय से संसाधनों की कमी, सीमित जनशक्ति और असमान कार्य वितरण के कारण कमजोर पड़ी हुई है। जनसंख्या और बाजार के अनुपात में राज्य औषधि नियंत्रण व्यवस्था राष्ट्रीय मानकों से काफी पीछे है। नकली, एक्सपायरी या अवैध दवाओं की जांच के लिए पर्याप्त सैंपलिंग नहीं हो पा रही। परिणामस्वरूप, दवा सुरक्षा की निगरानी व्यवस्था सिर्फ कागजों में रह गई है।

केंद्र सरकार के मानकों के अनुसार, प्रत्येक 200 दवा प्रतिष्ठानों पर एक औषधि निरीक्षक की तैनाती होनी चाहिए, जबकि उत्तर प्रदेश में

एक निरीक्षक औसतन 2 हजार से अधिक प्रतिष्ठानों की निगरानी कर रहा है। राज्य में वर्तमान में सिर्फ 109 औषधि निरीक्षक कार्यरत हैं, जबकि जरूरत कम से कम 250 से 300 निरीक्षकों की है। कई जिलों में निरीक्षकों की कमी के कारण निरीक्षण कार्य ठप या बहुत सीमित स्तर पर चल रहा है। एफएसडीए के पास प्रयोगशालाएं तो हैं, परंतु उनका आधुनिकीकरण अधूरा है। राज्य प्रयोगशाला में जांच के लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। जिलास्तर पर नियंत्रण अधिकारी न होने से न तो औषधि दुकानों की नियमित जांच हो पा रही है, न ही शिकायतों पर समय पर कार्रवाई। यही वजह है कि ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में नकली या बिना लाइसेंस की दवाइयां खुलेआम बिक रही हैं।

विभाग के पुनर्गठन को लेकर शासन की बढ़ी सक्रियता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अब इस स्थिति को सुधारने के लिए औषधि नियंत्रण तंत्र के पुनर्गठन की दिशा में ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। इसे लेकर विभाग में जिलास्तर पर 'जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी' का नया पद सृजित करने समेत औषधि निरीक्षकों की संख्या दोगुनी करने को लेकर भर्ती प्रस्ताव तैयार करने का कार्य चल रहा है। नई भर्ती प्रक्रिया को भी पारदर्शी बनाने के लिए अब साक्षात्कार के स्थान पर लिखित परीक्षा से चयन होगा। औषधि नियंत्रक के पद के लिए निश्चित योग्यता और कार्यकाल तय करने नीति बन रही है, जिससे शीर्ष स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि औषधि निरीक्षण व्यवस्था को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना जनस्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री योगी ने छठ महापर्व की दी बधाई

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को सूर्योपासना एवं लोक आस्था के महापर्व छठ की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने जारी बधाई सन्देश में भोजपुरी में कहा कि 'रउआ सब पर छठी मईया के कृपा बनल रहे, परिवार खातिर कठिन व्रत रखे वाली माता अ बहन लोगन के हमरी तरफ से विशेष मंगलकामना'।

के. रविन्द्र बने लोक सेवा अधिकरण के उपाध्यक्ष

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के. रविन्द्र नायक को राज्य लोक सेवा अधिकरण, लखनऊ का उपाध्यक्ष (प्रशासकीय) नियुक्त किया है। न्याय अनुभाग-8 (लेखा) द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह नियुक्ति लोक सेवा अधिकरण अधिनियम, 1976 की धारा 3 (7) के अंतर्गत राज्यपाल की स्वीकृति से की गई है। आदेश में कहा गया है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से प्रभावी परामर्श प्राप्त करने के बाद यह निर्णय लिया गया।

राष्ट्रपति आज करेंगी अस्पताल का उद्घाटन

अमृत विचार, लखनऊ : अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक और सुविधाओं से सुसज्जित यशोदा मेडिसिटी, इंदिरापुरम गाजियाबाद का उद्घाटन देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी। यह समारोह रविवार को पूर्वाह्न 11:30 बजे आयोजित होगा। इस मौके पर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल शामिल होंगी।

स्टार प्रचारकों में शिवपाल व रामगोपाल का नाम नहीं

अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 20 स्टार प्रचारकों की सूची में महासचिव शिवपाल सिंह यादव और प्रो. रामगोपाल यादव के नाम नहीं शामिल किए हैं, जिसके बाद आंतरिक गुटबाजी को लेकर एक बार फिर चर्चाएं शुरू हो गयी हैं। पार्टी प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि दोनों नेता उनकी मर्जी से सूची से बाहर रखे गए हैं। हालांकि पार्टी के लोगों का कहना है कि बिहार से जुड़ाव रखने वाले नेताओं को प्रचारक बनाया गया है।

लाखों दीयों से जगमगाएंगे काशी के घाट

अमृत विचार, लखनऊ : अयोध्या के बाद अब देव दीपावली पर महादेव की नगरी काशी के घाट दीपों की अद्भुत आभा में जगमगाने को तैयार हैं। अगले माह 5 नवंबर को गंगा के दोनों तटों पर करीब 25 लाख दीप प्रज्ज्वलित होंगे, साथ ही घाटों पर थ्रीडी प्रोजेक्शन मैपिंग और लेजर शो का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी है।

46 वर्ष बाद संभल में परिक्रमा शुरू

मुख्यमंत्री योगी के प्रयासों से फिर जीवंत हुई 24 कोसी परिक्रमा में शामिल हुए श्रद्धालु

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

संभल के श्रीवंशगोपाल तीर्थ से शुरू हुई 24 कोसी परिक्रमा में शामिल श्रद्धालु।

अमृत विचार : संभल में 46 वर्ष बाद इतिहास दोहराया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से शुक्रवार रात 2 बजे बेनीपुरचक स्थित श्रीवंशगोपाल तीर्थ से पौराणिक 24 कोसी परिक्रमा का शुभारंभ हुआ। शंखनाद, भजन और जयघोषों के बीच लाखों श्रद्धालुओं ने इस परिक्रमा में भाग लिया।

धार्मिक मान्यता है कि यह परिक्रमा 68 तीर्थों और 19 कूपों से होकर गुजरती है। 1978 में सांप्रदायिक दंगों के बाद यह परंपरा बंद हो गई थी, जिसे अब योगी सरकार ने पुनः शुरू कर आस्था को नया जीवन दिया है। दंगों के बाद संभल में भय और पलायन का माहौल था। मंदिरों पर कब्जे और धार्मिक आयोजनों पर रोक ने इसकी पहचान धूमिल कर दी थी। 2017 के बाद मुख्यमंत्री योगी ने व्यक्तिगत रूप से संभल को प्राथमिकता दी। सरकार ने धारा-67 के तहत 495 राजस्व वाद दर्ज कर 68.94 हेक्टेयर भूमि कब्जामुक्त कराई। 37 धार्मिक स्थलों पर हुए अवैध कब्जे हटाए गए, जिनमें 16 मस्जिदें, 12 मजारें, सात कब्रिस्तान और दो मदरसे शामिल थे। साथ ही 68 तीर्थस्थलों और 19 प्राचीन कूपों के संरक्षण व सौंदर्यीकरण की प्रक्रिया शुरू की गई है।

जिले ने बनाई नई पहचान

संभल में अब कानून का इकबाल मजबूत हुआ है। योगी सरकार ने 2 नए थाने और 45 पुलिस चौकियां खोलीं, संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी व ड्रोन निगरानी शुरू की। बिजली चोरी पर लगाम से लाइन लॉस 82% से घटकर 18% पर आ गया, जिससे 84 करोड़ रुपये की बचत हुई। आर्थिक रूप से भी संभल तेजी से उभरा है। 2405 करोड़ के निर्यात के साथ यह प्रदेश में 10वें स्थान पर है। 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' के तहत मैटैलिक, वुडन और हैंडीक्राफ्ट उत्पादों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान बनाई है।

पीएम किसान सम्मान निधि पाने को फार्मर रजिस्ट्री पंजीकरण अनिवार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- फार्मर रजिस्ट्री अभियान में 54 फीसदी किसानों का पंजीकरण
- सीतापुर, बस्ती और रामपुर जिले शीर्ष तीन में शामिल

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने स्पष्ट किया है कि 1 अप्रैल 2026 से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की अगली किस्त केवल उन्हीं किसानों को दी जाएगी, जिनकी फार्मर रजिस्ट्री पूरी होगी। इस बीच फार्मर रजिस्ट्री अभियान में सीतापुर जिला प्रदेश का सिरमौर बन गया है। यहां 74.58 प्रतिशत किसानों का पंजीकरण पूरा हो चुका है। बस्ती 74.24% के साथ दूसरे और रामपुर 70% रजिस्ट्री के साथ तीसरे स्थान पर है। राज्य स्तर पर अब तक 54% किसानों का पंजीकरण पूर्ण हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यह अभियान मिशन मोड

में संचालित किया जा रहा है। 1 अप्रैल 2026 से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की अगली किस्त के लिए इसकी अनिवार्यता को देखते हुए सभी जिलों में पंजीकरण व सत्यापन कार्य तेज कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 30 नवंबर तक हर गांव में किसान पंजीकरण शिविर लगाए जाएं। प्रत्येक जिले में कैंप चार्ट तैयार कर राज्य स्तर पर साझा किया जाए।

प्रतिदिन 4 हजार किसान हो रहे पंजीकृत

वर्तमान में प्रदेशभर में औसतन 4,000 किसानों का प्रतिदिन पंजीकरण किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि नवंबर के अंत तक सभी पात्र किसानों का पंजीकरण और सत्यापन पूर्ण हो जाए, ताकि कोई भी किसान अगली पीएम किसान किस्त से वंचित न रहे।

स्मार्ट मीटर में करोड़ों के घपले का आरोप

राज्य उपभोक्ता परिषद ने मुख्यमंत्री से की सीबीआई जांच की मांग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने की परियोजना को लेकर विरोध तेज

अमृत विचार : प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने की परियोजना को लेकर विरोध अब तेज हो गया है। राज्य उपभोक्ता परिषद ने इसे लेकर बड़े घोटाले की आशंका जताई है और मुख्यमंत्री से सीबीआई जांच कराने की मांग की है।

उप्र. राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष एवं राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने की प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं की गई हैं। केंद्र सरकार ने आरडीएसएस योजना के तहत प्रदेश के लिए 18,885 करोड़ की मंजूरी दी थी, लेकिन पावर कॉरपोरेशन ने टेंडर 27,342 करोड़ रुपये अवार्ड कर दिए। इससे 8,500 करोड़ की अतिरिक्त राशि उपभोक्ताओं पर लाद दी गई। वर्मा ने बताया कि इस अंतर की भरपाई के लिए उपभोक्ताओं से 6,016 रुपये प्रति मीटर की दर से वसूली की जा रही है। 10 सितंबर से अब तक 13.20 करोड़ की वसूली हो चुकी है। उन्होंने कहा कि कॉरपोरेशन गलत कॉस्ट डाटा भेजता रहा, इसी कारण 2019 के बाद से डाटा बुक अनुमोदित नहीं हो सकी। यदि जांच सीबीआई या ईडी से हो, तो कई नाम बेनकाब होंगे। वर्मा ने सवाल उठाया कि जब हरियाणा में स्मार्ट मीटर पर 5% छूट दी जा रही है, तो यूपी में केवल 2% क्यों? महाराष्ट्र में यही मीटर 2610 और राजस्थान में 2500 में लगाए जा रहे हैं, जबकि यूपी में कीमत 6016 तक क्यों बढ़ी?

कॉरपोरेशन का जवाब, सब कुछ नियमों के तहत

अमृत विचार : विवाद बढ़ने पर उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने अपनी ओर से विस्तृत प्रेस विज्ञप्ति जारी की। इसमें कहा गया कि स्मार्ट मीटर योजना पूरी तरह केंद्र की आरडीएसएस के तहत स्वीकृत है और हर चरण में पारदर्शिता बरती गई है। कॉरपोरेशन ने स्पष्ट किया कि स्मार्ट मीटर की स्वीकृत कीमत 6,016 रुपये प्रति मीटर है, जिसे केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण से मंजूरी मिली है। उपभोक्ताओं से किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जा रहा है। भुगतान के लिए ग्रामीण उपभोक्ताओं को 150 रुपये प्रति माह और शहरी उपभोक्ताओं को 125 रुपये प्रति माह की दर से 60 किस्तों में भुगतान का विकल्प दिया गया है। कॉरपोरेशन ने कहा कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर तकनीकी रूप से उन्नत हैं। ये बिजली खपत की रियल टाइम जानकारी देते हैं और मोबाइल ऐप से रिचार्ज की सुविधा भी देते हैं। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और बिजली चोरी में कमी आएगी।

70 वर्ष तक के डॉक्टरों का पुनर्योजन अटका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

शासन द्वारा मांगे गए प्रस्ताव को निदेशालय द्वारा भेज दिया गया है। प्रस्ताव में ग्रेड वाइज सेवानिवृत्त होने वाले डॉक्टरों की स्थिति मांगी गयी थी, किस वर्ष में कितने विशेषज्ञ डॉक्टर सेवानिवृत्त होंगे, समस्त जानकारी प्रस्ताव में है।

–डॉ. रतन पाल सिंह सुमन, स्वास्थ्य महानिदेशक उप्र.

अभी इस प्रस्ताव पर कोई निर्णय नहीं हुआ है। जल्द ही, संभवतः आगामी सोमवार को पत्रावली मंगाकर अधिकारियों के साथ विमर्श किया जाएगा, और जनहित में निर्णय लिया जाएगा।

–ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री, उप्र.

अमृत विचार : प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की लगातार कमी से मरीजों की परेशानी बढ़ती जा रही है। सेवानिवृत्त डॉक्टरों के पुनर्योजन को 65 से बढ़ाकर 70 वर्ष तक किए जाने का प्रस्ताव फाइलों में अटका होने की वजह से कमी थम नहीं रही है। जबकि शासन ने इस पर स्वास्थ्य महानिदेशक से कई माह पूर्व प्रस्ताव मांगा था, लेकिन अब तक निर्णय नहीं हो सका है।

फिलहाल स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टरों की अधिवर्षता आयु 62 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष की जा चुकी है। इसके बाद सेवानिवृत्त होने वालों की संख्या कुछ कम तो हुई है, लेकिन पुनर्योजन अंतर्गत कार्य करने वाले जो विशेषज्ञ 65 वर्ष पूरे कर रहे हैं, वे सेवामुक्त हो रहे हैं। इनकी जगह नए विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति नहीं हो पा रही है, जिससे अस्पतालों में विशेषज्ञों की भारी कमी बनी हुई है और बढ़ भी रही है।

- सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञों की कमी से जूझ रहा विभाग

स्वास्थ्य विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारियों का कहना है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की तर्ज पर डॉक्टरों के पुनर्योजन की अधिकतम आयु 70 वर्ष करने का प्रस्ताव तैयार किया गया था। शासन ने इस पर जल्द रिपोर्ट मांगी थी, ताकि अनुभवी डॉक्टरों की सेवाओं का लाभ मरीजों को मिल सके। लेकिन प्रस्ताव अब तक स्वीकृति की प्रतीक्षा में है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर सेवानिवृत्त डॉक्टरों को पुनर्योजन का अवसर दिया जाए तो अस्पतालों में विशेषज्ञों की कमी पूरी हो सकती है।

1912 सेवा से उपभोक्ता नाराज, वर्टिकल सिस्टम पर उठे सवाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में बिजली वितरण कंपनियों में वर्टिकल व्यवस्था लागू की जा रही है। राजधानी लखनऊ और नोएडा में यह 1 नवंबर से शुरू होगी, जबकि अन्य शहरों में पहले ही लागू है। ऊर्जा विभाग का दावा है कि इससे विद्युत सेवाओं में सुधार होगा, पर उपभोक्ता परिषद का कहना है कि जमीनी हकीकत इसके विपरीत है।

विद्युत शिकायतों के निस्तारण के लिए 1912 हेल्पलाइन को एकमात्र समाधान माना गया है, परंतु वर्ष 2019 से आज तक इस पर ओटीपी सिस्टम लागू नहीं हुआ। इस कारण मुआवजा कानून के तहत किसी उपभोक्ता को आज तक लाभ नहीं मिला। पावर कॉरपोरेशन ने अगस्त में 20,000 उपभोक्ताओं से फीडबैक लिया, जिनमें से 13,090 ने जवाब दिया। इनमें 43% उपभोक्ता असंतुष्ट पाए गए। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष एवं राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि जब 1912 जैसी मूलभूत सेवा ही असफल है तो वर्टिकल सिस्टम से क्या सुधार होगा? कहा कि सुधार के नाम पर केवल ढांचागत बदलाव किए जा रहे हैं, जबकि समस्याएं जस की तस हैं।

भाजपा सरकार में हर दिन सामने आ रहा नया घोटाला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार भ्रष्टाचार, लूट और घोटाले का रिकार्ड बना रही है। लोगों ने भ्रष्टाचार और लूट करने में पवित्र नगरों अयोध्या और वाराणसी को भी नहीं छोड़ा। इस सरकार में हर दिन भ्रष्टाचार के नए-नए मामले सामने आ रहे हैं।

सपा प्रमुख ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि अयोध्या में जमीनों के खरीद-फरोख्त से लेकर निर्माण और टेंडर हर कार्य में घोटाला ही घोटाला हुआ है। घोटाला करने वाले सब भाजपाई हैं। चित्रकूट कोषागार में पेंशन घोटाले में जमकर लूट हुई है। मृत पेंशनरों के नाम पर करोड़ों की रकम निकाल कर बंदरबांट कर ली गयी। यह घोटाला काफी बड़ा है। निर्माण कार्यों, सड़कों के निर्माण में जमकर कमीशनखोरी और लूट है। एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं में भ्रष्टाचार पहले ही उजागर हो चुका है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर भ्रष्टाचार और इस सरकार के झूठ के कारण लोग दुर्घटनाओं के शिकार हो रहे हैं। नौ साल की सरकार में यह सरकार सड़कों के गड्ढे नहीं भर पायी।

यूपी में रोजगार का नया ठिकाना बना फूड सेक्टर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ग्लोबल ट्रेड रिसर्च की रिपोर्ट में यूपी और गुजरात देश के फूड प्रोसेसिंग हब
- योगी के निवेशोन्मुख दृष्टिकोण से यूपी कृषि आधारित औद्योगिक क्रांति के दौर में

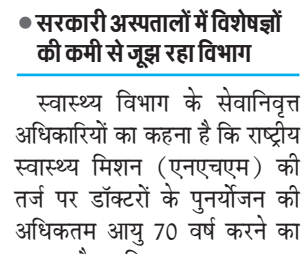

अमृत विचार : रोजगार का नया ठिकाना अब फूड सेक्टर बन रहा है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च की हालिया रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश और गुजरात को देश के दो सबसे सशक्त प्रोसेसिंग केंद्रों के रूप में चिन्हित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निवेशोन्मुख दृष्टिकोण से यूपी कृषि आधारित औद्योगिक क्रांति के दौर में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य अब सिर्फ खाद्यान्न उत्पादन तक सीमित नहीं, बल्कि भारत का उभरता फूड प्रोसेसिंग पावरहाउस बन चुका है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जहां गुजरात में मेहसाणा और बनासकांठा में अत्याधुनिक डिहाइड्रेशन संयंत्र स्थापित हुए हैं, वहीं उत्तर प्रदेश के आगरा और फर्रूखाबाद में भी अत्याधुनिक फूड प्रोसेसिंग हब विकसित हो रहे हैं। इन संयंत्रों से किसानों को अपने उत्पादों का बेहतर मूल्य और बाजार तक सीधी पहुंच मिल रही है। प्रदेश में इस समय 65 हजार से अधिक फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स संचालित हैं, जो करीब 2.55 लाख युवाओं को रोजगार दे रही हैं। सरकार का लक्ष्य है कि हर जिले में कम से कम 1,000 नई यूनिट्स लगाई जाएं।

कानपुर और लखनऊ की अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच

प्रदेश सरकार अब हाई-वैल्यू क्रॉप्स, फल-सब्जी प्रसंस्करण और निर्यात-उन्मुख उद्योगों पर फोकस कर रही है। आगरा में प्रस्तावित इंटरनेशनल पोटैटो सेंटर के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र से कानपुर, लखनऊ, फर्रूखाबाद और आगरा जैसे जिलों के किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच मिलेगी। अमेरिका, बांग्लादेश, यूएई और वियतनाम जैसे देशों में भारतीय प्रोसेस्ड फूड की मांग लगातार बढ़ रही है।

बरेली में बन रहा इंटीग्रेटेड एग्रो प्रोसेसिंग हब

बरेली, बाराबंकी, वाराणसी और गोरखपुर में विकसित एग्रो और फूड प्रोसेसिंग पार्क राज्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रहे हैं। बरेली में बीएल एग्रो समूह 1,660 करोड़ की लागत से एक इंटीग्रेटेड एग्रो प्रोसेसिंग हब विकसित कर रहा है, जिसमें चावल मिलिंग, तेल निष्कर्षण और पैकेजिंग जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी।

चिंताजनक

विशेषज्ञों का कहना है कि मोटापे ने कुपोषण का बदला स्वरूप

प्रदेश में 37.1 फीसदी बच्चे मोटापे के कुपोषण का शिकार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

डॉ. पियाली

डॉ. शिल्पी त्रिपाठी

अमृत विचार : जब भी कुपोषण की बात होती है तो लोगों के दिमाग में सबसे पहले कमजोर और दुबले-पतले लोग बच्चे आते हैं, लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है, आपको ये जानकर हैरानी होगी कि मोटापा अब बच्चों और बड़ों में कुपोषण का सबसे आम कारण बन चुका है। सितंबर में जारी 'चिल्ड्रेन इन इंडिया 2025' रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में 5 से 9 साल की आयु वर्ग के 37.1 फीसदी बच्चों में हाई ट्राईग्लिसराइड यानी शरीर में वसा (फैट) का स्तर बहुत पाया गया, जो चिंता का विषय है। यह जानकारी संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) की वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पियाली ने साझा की।

डॉ. पियाली ने बताया कि मोटापे को लेकर सरकार भी गंभीर है। इस बार के पोषण अभियान की थीम में मोटापा निवारण- चीनी नमक एवं तेल के उपभोग में कमी को शामिल किया गया है। मोटापा भी कुपोषण का एक प्रकार है। वर्तमान समय में बच्चे उच्च वसा, उच्च चीनी, उच्च नमक, उच्च ऊर्जायुक्त और सूक्ष्म पोषक तत्वों रहित खाद्य पदार्थों के संपर्क में अधिक हैं।

एसजीपीजीआई की वरिष्ठ डायटीशियन डॉ. शिल्पी त्रिपाठी ने एक केस का उदाहरण देते हुए बताया कि कुछ दिनों पहले एसजीपीजीआई में इलाज के लिए एक छह वर्ष के बच्चे को लाया गया था। उसका वजन 28 किलो था, जबकि उसका वजन 18.3 किलोग्राम होना चाहिए था। पांच से नौ साल के बच्चों में सामान्य ट्राईग्लिसराइड 30-100 मिग्रा/डेसीलीटर होना चाहिए, लेकिन बच्चे का 200 मिग्रा/डेसीलीटर था। बच्चा बाहर के खाद्य पदार्थों का सेवन ज्यादा करता था। उसका डाइट प्लान बनाया गया। दो माह बाद उसका चार किलो वजन कम हुआ, वहीं ट्राईग्लिसराइड घटकर 150 मिग्रा डेसीलीटर हो गया।

इन खाद्य पदार्थों का सेवन करें कम

- साधारण कार्बोहाईड्रेट जैसे मिठाई, शक्कर से बचें।
- तला हुआ खाना, जंक फूड, फास्ट फूड।
- मैदा, सफेद ब्रेड, नूडल्स, पिज्जा, पराठे, पूड़ी।

इन खाद्य पदार्थों को भोजन में करें शामिल

- उच्च फाइबर कार्बोहाइड्रेट भरपूर बीन्स सब्जियां, साबुत अनाज, फल, ब्राउन राइस, ओट्स, दलिया, क्विनोआ और मल्टीग्रेन आटा। उच्च फाइबर युक्त आहार के सेवन से वसा और चीनी का अवशोषण धीमा होता है और जिससे ट्राईग्लिसराइड का स्तर कम हो जाता है।
- दलहन व दालें : मसूर, चना, राजमा, लो-फैट दालें।
- अच्छी वसा : अलसी के बीज, चिया सीड्स, अखरोट, बादाम (कम मात्रा में)।
- लो-फैट डेयरी : टोंड दूध, दही, छाछ।

जीवनशैली में शामिल करें ये आदतें

- नियमित व्यायाम, रोज 30 मिनट तेज चाल, योग, आउटडोर गेम्स खेलें।
- बच्चे को लंबे समय तक भूखा न रखें।
- स्कूल जाने वाले बच्चों को लंच के साथ एक फल भी जरूर दें।

न्यूज ब्रीफ

हेल्थ कॉन में जुटेंगे देश के जाने माने डाक्टर

प्रयागराज, एजेंसी। संगम नगरी प्रयागराज में रविवार 26 अक्टूबर को देशभर के जाने–माने चिकित्सकों का जमावड़ा लगेगा। इलाहाबाद नर्सिंग होम्स और प्राइवेट डॉक्टर वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से हेल्थ कॉन 2025 का आयोजन किया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर प्रीतम दास ऑडिटोरियम में हेल्थ कॉन 2025 का शुभारंभ सुबह 9 :00 बजे होगा। इसमें चिकित्सा विज्ञान की आधुनिक तकनीकों को लेकर तीन सेशन में नौ लेक्चर आयोजित होंगे। इसमें खास तौर पर रोबोटिक सर्जरी, मेडिको लीगल में आने वाली समस्याओं पर चर्चा होगी। हेल्थ कॉन–2025 का उद्देश्य है कि प्रयागराज के डॉक्टरों को चिकित्सा विज्ञान की आधुनिक तकनीक की जानकारी हो सके।

छात्रा का कौमार्य परीक्षण प्रमाणपत्र मांगने में मुख्य आरोपी को भेजा जेल

शनिवार को प्रशासनिक टीम ने मदरसे के दस्तावेजों की विस्तृत जांच की

मुरादाबाद, एजेंसी। मुरादाबाद में नाबालिग छात्रा से कौमार्य परीक्षण प्रमाणपत्र प्रकरण में शनिवार को मुख्य आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। दूसरी ओर प्रशासनिक टीम ने मदरसे के दस्तावेजों की विस्तृत जांच की।

आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि जिलाधिकारी अनुज कुमार सिंह के निर्देश पर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) सदर राममोहन मीणा के नेतृत्व में जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) देवेंद्र कुमार पांडेय, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार ने मदरसा जामिया एहसानुल -उल -बनात गर्ल्स कॉलेज का निरीक्षण किया। प्रबंध तंत्र से पूछताछ कर कार्यालय में जरूरी कागजात की विस्तृत जांच की। जांच के दौरान मदरसे के सचिव अरबाब शम्सी द्वारा मदरसे से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत किए जाने पर जांच में सामने आया है कि मदरसा परिसर में एक कन्या इंटर कॉलेज, एआईए एजुकेशनल सोसायटी और एआईए दावा अकादमी नाम से तीन संस्थाएं संचालित हैं। दस्तावेजों के सत्यापन और संस्था की मान्यता की स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही अग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि मुरादाबाद स्थित पाकबड़ा थानाक्षेत्र के लोधीपुर राजपूत स्थित मदरसा जामिया एहसान -उल - बनात में 13 वर्षीय छात्रा से वर्जिनिटी सर्टिफिकेट (कौमार्य प्रमाणपत्र) की मांग की गई थी। इस मामले में आरोपी प्रधानाचार्य रहनुमा समेत अन्य आरोपियों की सरगर्मी से तलाश में पुलिस जुटी हुई है। चंडीगढ़ के मनी माजरा क्षेत्र निवासी पीड़ित छात्रा के पिता ने शुक्रवार को पाकबड़ा थाने में मदरसा जामिया एहसान - उल - बनात की प्रधानाचार्य रहनुमा, एडमिशन सेल के प्रभारी बिहार के थाना रानीपत्रा, जनपद पूर्णिया निवासी मोहम्मद शाहजहां और अन्य स्टाफ के खिलाफ केस दर्ज कराया था। पाकबड़ा थाना पुलिस द्वारा पिता की तहरीर पर पॉक्सो अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया था। आरोपी शाहजहां के ख़िलाफ़ पोक्सो एक्ट सहित अन्य सुसंगत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज़ कर शुक्रवार को पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

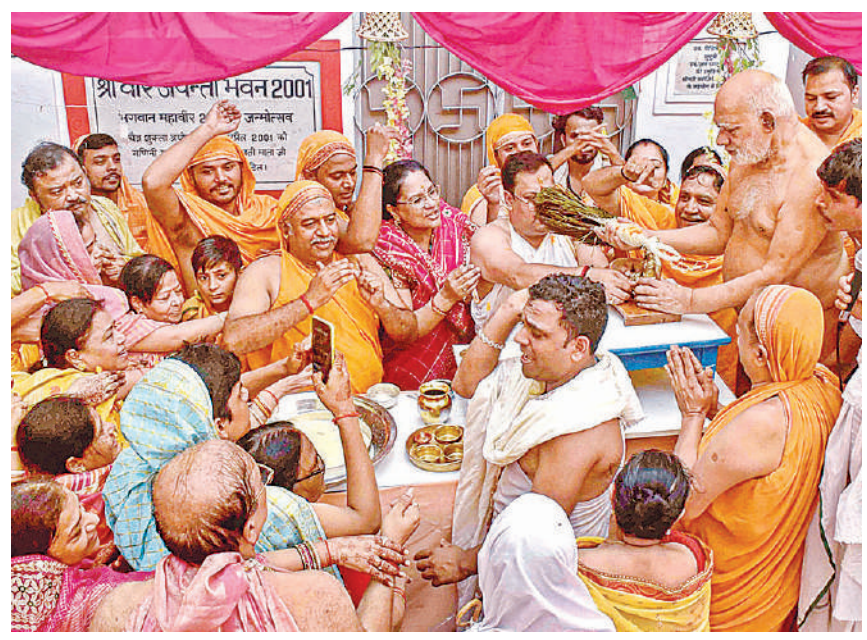

प्रयागराज में जिनबिंब प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में भाग लेते जैन धर्म के लोग। ● अमृत विचार

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पहुंचे काशी, भव्य स्वागत

वाराणसी, एजेंसी। ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती शनिवार को काशी पहुंचे। उनके आगमन पर उत्साहित भक्तों ने पुष्पवर्षा, नगाड़ों की थाप और जयघोष के साथ उनका भव्य स्वागत, अभिनंदन और वंदन किया। हरिश्चंद्र मार्ग पर भक्तों द्वारा शंकराचार्य जी की पालकी यात्रा भी निकाली गई।

दो माह तक मुंबई में चातुर्मास व्रत पूर्ण करने के पश्चात, 33 दिनों तक बिहार विधानसभा चुनाव के 243 विधानसभा क्षेत्रों में सनातन धर्मियों को गौमाता के प्राणों की रक्षा हेतु मतदान का संकल्प दिलाने के बाद, छत्तीसगढ़ में दीपावली मनाकर स्वामी जी आज काशी पहुंचे। श्रीविद्या मठ पहुंचने पर शंकराचार्य जी ने सर्वप्रथम गौमाता का दर्शन किया और उन्हें फल व चारा ग्रहण कराया। तत्पश्चात श्रीविद्या मठ में ब्रह्मचारी परमात्मानंद जी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शंकराचार्य जी के चरण-पादुका का पूजन किया। भक्तों ने शंकराचार्य जी की आरती उतारी, जिसके बाद स्वामी जी ने सभी भक्तों को आशीर्वाद और प्रसाद प्रदान किया। शंकराचार्य जी के मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय ने बताया कि स्वामी जी प्रतिवर्ष काशी में उत्साहपूर्वक देव दीपावली मनाते हैं। कार्तिक पूर्णिमा तक काशी प्रवास के दौरान विभिन्न धार्मिक व मांगलिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। इस दौरान भक्तगण शंकराचार्य जी से अपनी धार्मिक जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त करेंगे।

परिजनों की डांट से नाराज युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

बाराबंकी, अमृत विचार : सतरिख थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम परिजनों की डांट से नाराज युवती ने फंदा लगाकर जान दे दी। शनिवार सुबह उसका शव पेड़ से लटकता मिला। करौरा मजरे सेठमऊ में रहने वाले धर्मेंद्र सिंह की पुत्री शुभी सिंह (21) शुक्रवार की शाम करीब सात बजे घर से निकली थी। काफी देर तक वह घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इस बीच घर के पास ही बाग में पेड़ पर रस्सी के फंदे से शुभी को लटकता देखा। परिजन उसे सीएचसी ले गए। यहां डाक्टर ने शुभी को मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया।

गोरखपुर में गोर्रा नदी में नौका पलटने से किशोर डूबा, तलाश जारी

गोरखपुर,एजेंसी। गोरखपुर जिले के झंगहा थाना क्षेत्र में करही घाट के पास गोर्रा नदी में शनिवार सुबह आठ लोगों को ले जा रही एक नौका के पलटने से 15 वर्षीय किशोर डूब गया, जिसकी खबर लिखे जाने तक तलाश जारी थी। पुलिस के अनुसार, नाविक कथित रूप से शराब के नशे में था और यात्रियों के उतरते समय उसने अचानक नौका का इंजन चालू कर दिया। उसने बताया कि पुरानी और जर्जर नौका एक ठोकर से टकराई। जिससे उसमें दरार पड़ गई और पानी भरने के बाद नौका अनियंत्रित होकर पलट गई। स्थानीय लोगों ने सात यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पुलिस ने बताया कि पिता ने किशोर को बचाने की कोशिश की लेकिन उसका हाथ छूट गया और वह तेज बहाव में बह गया। किशोर की पहचान जोगिया निवासी कृष्ण चतुर्वेदी (15) के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम लापता किशोर की तलाश जारी रखे हुए हैं। किशोर के पिता मदनेश चतुर्वेदी ने बताया कि वह अपने बेटे का हाथ पकड़े हुए थे, लेकिन तेज बहाव और अचानक झटके के कारण उनकी पकड़ छूट गई और कृष्ण पानी में बह गया। परिजनों ने बताया कि कृष्ण वडोदरा में पढ़ाई और क्रिकेट प्रशिक्षण ले रहा था तथा दिवाली की छुट्टियों में घर आया था। उन्होंने बताया कि उसका सपना पेशेवर क्रिकेटर बनने का था।

अलीगढ़ में मंदिरों की दीवारों पर लिखा आई लव मोहम्मद

- घटना से हिन्दू समाज में फैला आक्रोश
- पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर शुरू की जांच-पड़ताल

अलीगढ़,एजेंसी। अलीगढ़ जिले के लोधा थाना क्षेत्र में शनिवार को दो निकटवर्ती गांवों के पांच मंदिरों की दीवारों पर 'आई लव मोहम्मद' लिखा मिलने के बाद तनाव फैल गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस घटना के बाद पुलिस ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। मामले में आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, भगवानपुर और बुलाकीगढ़ गांव में मंदिरों की दीवारों पर यह नारा मिलने के बाद भारी पुलिस बल तैनात किया गया और जांच शुरू कर दी गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नीरज कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी फॉरेंसिक विशेषज्ञों और खोजी कुत्तों के साथ घटनास्थलों पर पहुंचे। अपराधियों की पहचान के लिए आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने मुस्तकीम, गुल मोहम्मद, सुलेमान, सोनू, अल्लाहबख्श, हमीद और यूसुफ समेत आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने संवाददाताओं से कहा कि हम इस घटना को गंभीरता से ले रहे हैं और सभी पहलुओं की गहन जांच कर रहे हैं। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस इस मामले से जुड़े संभावित भूमि विवाद के पहलू की भी जांच कर रही है। इस बीच, घटना की शिकायत दर्ज कराने वाले करणी सेना के नेता ज्ञानेंद्र सिंह चौहान ने स्थानीय पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। करणी सेना के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष चौहान ने कहा कि अधिकारियों ने आरोपियों पर कार्रवाई करने के बजाय सूचना देने वाले ग्रामीण को ही हिरासत में ले लिया। उनका यह भी आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने "मामले को शांत करने" के लिए मंदिर की दीवारों से लिखे नारे मिटाने की कोशिश की।

अन्य पिछड़ा वर्ग के दो समूहों के बीच हिंसक झड़प में आठ लोग हुए घायल

बलिया,एजेंसी। जिले में बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के राजवारवीर गांव में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के दो समूहों के बीच हिंसक झड़प में आठ लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार शाम राजवारवीर गांव के कोइरी और तुरहा जाति के लोग कोतवाली क्षेत्र के रामपुर गांव में एक कार्यक्रम में शामिल होने गये थे। कार्यक्रम के दौरान दोनों जातियों के लोगों के बीच कहासुनी और विवाद हो गया। तब तो मौजूद ग्रामीणों ने बीच–बचाव कर मामले को शांत करा दिया लेकिन बाद में जब दोनों पक्ष के लोग रात लगभग नौ बजे जब घर पहुंचे तो एक बार फिर उनके बीच विवाद शुरू हो गया। पुलिस के अनुसार विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों में हिंसक झड़प हो गई। दोनों पक्षों ने ईंट–पत्थर और लाठी–डंडे से एक–दूसरे पर हमला किया। इस घटना में एक पक्ष के तीन तथा दूसरे पक्ष के पांच लोग घायल हो गए। पुलिस का कहना है कि सभी घायलों को परिजनों एवं पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी–बांसडीह) में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर रूप से घायल सात लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बांसडीह कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) राकेश उपाध्याय ने शनिवार को बताया कि दोनों पक्ष पड़ोसी हैं और इनमें पुरानी रंजिश चलती आ रही है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद गांव में पुलिस बल को एहतियात के तौर पर तैनात किया गया है। उन्होंने स्थिति नियंत्रण में होने का दावा किया है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, हरदोई

पत्रांक संख्या : 818/न0प0प0ह0 (नि0वि0) / निविदा / 2025–26 दिनांक : 24–10–2025

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद, हरदोई द्वारा राज्य वित्त आयोग निधि / पालिका निधि अन्तर्गत निम्न कार्यो हेतु निर्धारित शर्तो / नियमो के आधीन निविदायें दिनांक 10/11/2025 को अपरान्ह 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है । जो उसी दिन सायं 03: 30 बजे से खोली जायेगी । निम्नवत कार्यो के समक्ष अंकित विवरणानुसार (निम्न शर्त संख्या 03 के अनुसार) दिनांक– 03/11/ 2025 को निविदा प्रपत्र नगर पालिका परिषद, हरदोई व कार्यालय अपर जिलाधिकारी (वि0 एवं राज0) महोदय हरदोई एवं कार्यालय उप जिलाधिकारी महोदय –सदर हरदोई से क्रय किये जा सकेगें । यह विवरण नगर पालिका परिषद हरदोई की वेबसाइड www.npphardoi.co.in पर देखी जा सकती है, अधिक जानकारी कार्यालय समयावधि में सम्बन्धित पटल पर देखी जा सकती है। **कार्यवार विवरण निम्नवत है–**

क्र. सं.	कार्य का नाम	आगणन की लागत (रु0)	निविदा प्रपत्र मूल्य		धरोहर धनराशि (रु0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
			मूल्य (रु0)	जी0एस0 टी0 (रु0)		
1	2	3	4	5	6	7
1	श्रवण देवी मन्दिर के प्रहलाद कुण्ड की रंगाई पुताई का कार्य ।	184928.00	200	36	3700	30 दिन
2	वार्ड संख्या 11 में अजीत पाण्डेय के मकान से अवधेश कटियार के मकान तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य।	247872.00	250	46	5000	30 दिन
3	स्टेट बैंक के सामने कूड़ा घर में आर.सी.सी. फर्श व गेट लगाने का कार्य ।	727071.00	750	136	14600	30 दिन
4	श्री दिनेश के मकान से श्री राज बहादुर के मकान तक सी.सी. रोड का निर्माण कार्य।	952085.00	1000	180	20000	30 दिन
5	वार्ड संध्या 01 में धर्मेन्द्र कुमार अवस्थी के मकान से संतोष शुक्ला के मकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	185963.00	200	36	3800	30 दिन
6	गोल्डी मुखर्जी पार्क गेट का नवीनीकरण कार्य।	197709.00	200	36	4000	30 दिन
7	वार्ड संख्या 14 नयी बस्ती में थी गौरव गुप्ता के मकान के सामने गुरुद्वारा बाली गली में नाला कवर का निर्माण कार्य ।	137237.00	140	26	2800	30 दिन

निविदा हेतु नियम व शर्ते :-

1. निविदादाता को कार्यस्थल का निरीक्षण टेण्डर से पूर्व करना होगा, बाद में किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नही होगी । 2. निविदादाता नगर पालिका परिषद, हरदोई में अथवा किसी विभाग में निर्माण (सिविल) कार्यो हेतु पंजीकृत ठेकेदार/फर्म सम्मिलित हो सकते है। सर्वन्यून निविदादाता यदि अन्य विभाग का है तो उसे नियमानुसार इस निकाय में पंजीकरण करना अनिवार्य होगा।

3.कार्य के सामने अंकित जी0एस0टी0 न0पा0परि0हरदोई के GSTIN 09LKNN05486F1D9 में जमाकर मूलरूप से बाउचर व निविदा मूल्य नकद जमा कर निविदा प्रपत्र क्रय करना होगा । 4.प्रत्येक निविदा के साथ निर्धारित धरोहर धनराशि डाकघर बचत पत्र/जमा अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत – एफ0डी0आर0/टी0डी0आर0 आदि जो अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद हरदोई के नाम बन्धक हो निविदा के साथ मूलरूप से संलग्न करेंगे। प्रत्येक कार्य की जमानत अलग–अलग निविदा के साथ संलग्न की जायेगी। 5. निविदा के साथ चरित्र प्रमाण पत्र (टी – 4), हैसियत प्रमाण पत्र (टी–5), जी. एस. टी. प्रमाण पत्र, पैन कार्ड, अनुभव प्रमाण पत्र व श्रम विभाग में पंजीकरण की स्वः प्रमाणित छायाप्रतियाँ संलग्न करना होगा। 6. निविदा के साथ निविदादाता को स्वघोषणा प्रमाण पत्र / शपथ पत्र (टी – 6) रू0 100.00 मात्र के स्टाम्प पेपर पर मूलरूप से संलग्न करना होगा। 7. लिफाफे के ऊपर कार्य क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करना होगा। 8. पाँच लाख से अधिक धनराशि की निविदायें अपर जिलाधिकारी (वि0/राज0) महोदय हरदोई के कार्यालय में तथा पाँच लाख से कम धनराशि की निविदायें कार्यालय न0पा0परि0 हरदोई में नियत समय पर डाली व व समयक प्रारम्भ कर क्रमशः कार्यालयों में खोली जायेगी। 9. निविदा खोले जाते समय निविदादाता या उसका अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित रहेगा । 10. सशर्त, एकल, अपूर्ण अथवा बिना धरोहर धनराशि के कोई निविदा मान्य न होगी। 11. बिना कारण बताये किसी अथवा समस्त निविदाओं को स्थगित या अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी एवं मा0 अध्यक्ष जी/प्राधिकृत अधिकारी को सुरक्षित है व रहेंगे। ऐसी दशा में निविदादाता (ठेकेदार/प्रो0 फर्म) को निविदा मूल्य वापस माँगने का कोई अधिकार न होगा। 12.सर्वन्यून निविदादाता को प्राप्त कार्यादेश के अनुसार समयक अनुबन्ध निष्पादन कराकर कार्य प्रारम्भ करना अनिवार्य होगा। 13. ठेकेदार/प्रो0 फर्म को कार्य प्रारम्भ करने के समय तथा कार्य के मध्य / कार्य के पूर्ण होने पर कार्य स्थल के फोटोग्राफ प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। 14. भुगतान धन की उपलब्धता/उपयोगिता अवधि होने पर ही किया जायेगा। 15. नियमानुसार जमानत, आयकर, सेस व रायल्टी धनराशि आदि की कटौती बिल से की जायेगी। 16. ठेकेदार/प्रो0 फर्म को भुगतान बिल के कुल धनांक पर 12 प्रतिशत जी.एस. टी. धनराशि स्वयं जमा कर मूलरूप से बाउचर प्रस्तुत किये जाने पर ही उसका भुगतान पालिका द्वारा सम्बन्धित ठेकेदार को किया जायेगा। 17. निविदादाता को कार्य के क्रियान्वयन के साथ–साथ शासनादेश के अनुसार निविदादाता उसके अगले 05 वर्षो तक रख रखाव करना अनिवार्य होगा । 18. किसी विवाद की दशा में जिलाधिकारी महोदय का निर्णय अन्तिम होगा, जो उभय पक्ष को मान्य होगा । 19. इस सम्बन्ध में शासन/प्रशासन द्वारा भविष्य में यदि कोई आदेश पारित होते है तो वह निविदादाता (ठेकेदार / प्रो0 फर्म) को मान्य होगे व इनका अनुपालन करना अनिवार्य होगा।

(रामेन्द्र सिंह)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, हरदोई

(सुख सागर मिश्र 'मधुर')
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, हरदोई

कार्यालय नगर पालिका परिषद जलालपुर अम्बेडकर नगर

पत्रांक: 694 न0पा0परि0ज0 / गृहकर जलकर /अन्तिम प्रकाशन / 2024 दिनांक– 24–10–2025

सार्वजनिक सूचना/अन्तिम प्रकाशन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उ0प्र0 शासन की अधिसूचना संख्या 912/नौ/9–24–85–ज/05, टी0सी0– 1 लखनऊ दिनांक 28.06 2024 द्वारा, (उ0प्र0 नगर पालिका भवन या भूमि या दोनो के वार्षिक मूल्य पर कर नियमावली 2024) बनायी गई है, जिसकी धारा 5(1) के अनुसार अधिशासी अधिकारी को नगर पालिका क्षेत्र के भवन भूमि या दोनों पर वार्षिक कर अधिरोपण करने हेतु मासिक किराया दर का निर्धारण करने के लिए अधिकृत किया गया है। संदर्भित नियमावली 2024 की धारा 5 (2) के अन्तर्गत सम्पत्ति का विवरण स्पष्ट रूप में उल्लिखित किया गया है।

नियमावली की धारा 7(1) के अन्तर्गत गणना की प्रक्रिया अनावासीय, आवासीय भवन या भूमि या दोनो पर कर निर्धारण की प्रक्रिया का उल्लेख किया गया है, जिसमें यह भी स्पष्ट किया गया है कि भवनो या भूमि या दोनो के वार्षिक मूल्य पर किसी भी दशा में गृहकर (ARV) 10 प्रतिशत से कम नहीं होगा तथा भवन व भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर जलकर (ARV) 7.50 प्रतिशत से कम नहीं होगा, जैसा कि नियमावली की धारा 7(2) के, परन्तुक में उल्लेखित है. तत्क्रम में मासिक किराया दर की सूची का प्रकाशन 12.12.2024 को कराया जा चुका है जिस पर दिनांक 05.04.2025 से प्रकाशित सूची पर आपत्तियाँ आमन्त्रित की गयी थी. प्राप्त आपत्तियों का कार्यालय नगर पालिका परिषद जलालपुर द्वारा निस्तारित करने के उपरान्त दिनांक 25.10.2025 से दिनांक 31.10.2025 तक अवलोकन हेतु कार्यालय नगर पालिका परिषद जलालपुर में प्रदर्शित किया गया है जो कि प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगा।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
जलालपुर अम्बेडकरनगर।

स्कूल से लौटते समय दो बहनें लापता, अपहरण का केस दर्ज

देवरिया,एजेंसी। देवरिया जिले में दो नाबालिग सगी बहनों के स्कूल से घर नहीं लौटने के मामले में पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालकर दोनों बच्चियों की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार तरकुलवा थाना क्षेत्र की रहने वाली ये दोनों बहनें एक निजी स्कूल में पढ़ती हैं और शुक्रवार सुबह दोनों वैन से स्कूल गई थीं। लेकिन शाम तक जब वे घर नहीं लौटीं तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। पुलिस ने बताया कि परिवार ने जब स्कूल प्रबंधन से संपर्क किया तो बताया गया कि बच्चियों को वैन से वापस घर भेज दिया गया था। परिजनों ने आसपास तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। तरकुलवा थाना प्रभारी मृत्युंजय राय ने बताया कि नाबालिगों की मां की तहरीर पर अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच जारी है और जल्द ही दोनों बहनों को बरामद कर लिया जाएगा।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैं **रामचंद्र पुत्र महादेव आफताब नगर पर. व तह. डलमऊ, जिला रायबरेली** का रहने वाला हूं। मैं अपने बेटे आशीष कुमार के गलत आचरण से परेशान होकर अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में मेरे बेटे आशीष कुमार द्वारा किए गए किसी भी कृत्य से मै और मेरे परिवार का कोई सरोकार नहीं होगा। उसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना
मैने अपना नाम MOHAMMAD FAROOKH SIDDIQI से बदलकर MOHAMMAD FAROOKH SIDDIQUI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SHER ALI ADD-188/4, HATA DURGA PRASAD, MASHAKGANJ,VTC POST- AMINABAD PARK DIST-LUCKNOW-226018 (U.P)

सूचना
मैने अपना नाम SANJAY KUMAR GUPTA से बदलकर SANJAY GUPTA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-DURGA PRASAD GUPTA ADD-MOHALLA RAIDOPUR COLONY POST-SADAR NEAR RADHA SWEETS DIST-AZAMGARH-276001(U.P)

सूचना
मैने अपना नाम JUTHAN PRASAD GUPTA से बदलकर DURGA PRASAD GUPTA रख लिया है। भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SURYBALI GUPTA ADD-MOHALLA RAIDOPUR COLONY POST-SADAR NEAR RADHA SWEETS DIST-AZAMGARH-276001 (U.P)

सूचना
मैने अपना नाम ZAINAB AHMAD से बदलकर ZAINAB AHMED रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MOHAMMED AHMED ADD-PLOT NO-32 BARAURA HUSSAIN BARI, MARI MATA MANDIR, HASRAT TOWN DIST-LUCKNOW-226003 (U.P)

सूचना
मैने अपना नाम MOHD VAISH से बदलकर MOHD WAISH QURAISHI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MOHD HAFIZ ADD-55, FATEH MUHAMMAD, NAINI, DIST-ALLAHABAD PRAYAGRAJ-211008 (U.P)

सूचना
सूच्य हो कि माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की हाई स्कूल परीक्षा 2013 का मेरा अंकपत्र /प्रमाण पत्र अनुक्रमांक 1333820 और इंटर मीडिएट परीक्षा 2015 अनुक्रमांक 1070093 का अंक पत्र/ प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। **शुभम शुक्ला पुत्र श्री भगवान शुक्ला निवासी ग्राम – नजनपुर पोस्ट – दौलतपुर ऊंचाहार – रायबरेली**

सूचना
यह कि मैरे पुत्र आशीष बाजपेई व पुत्रवधू साक्षी बाजपेई का चाल चलन सही न होने कारण मैने दोनो से संबध बिच्छेद कर चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया। अब उनसे हमारा कोई बास्ता नही रहा। वह अपने कार्यो के स्वंय जिम्मेदार होंगे, मेरी कोई जिम्मेदारी नही होगी। **गिरीशचंद्र पुत्र श्याम स्वरूप निवासी अन्नपूर्णा नगर तिर्वा ,थाना तिर्वा जनपद–कन्नौज**

सूचना
मैं **नईम बेग पुत्र स्व0 नसीम बेग, निवासी –251 मो0 कोट सिटी स्टेशन रोड पुराना सीतापुर तह0 व जिला सीतापुर** का हूँ। मेरी पुत्री का जन्म दिनांक 16.05.2025 को मेरी पत्नी श्रीमती हुमा खान के द्वारा जिला महिला चिकित्सालय, सीतापुर में हुआ था जिसका जन्म प्रमाण पत्र पंजीकरण सं0 बी20250991064000 4190 दिनांकित 12.09. 2025 को जारी हुआ उपरोक्त जन्म प्रमाण पत्र पर मेरी पुत्री का नाम दुआ फातिमा दर्ज है जबकि पुत्री का नाम बदलकर युमना फातिमा हो गया है। मेरी पुत्री का नाम अब युमना फातिमा (YUMNA FATIMA) लिखा पढ़ा व माना जाये।

सूचना
सर्वसाधारणों को सूचित किया जाता है कि मैने अपने पुत्र मोहम्मद कामिल को उसकी चाल चलन ठीक ना होने के कारण अपनी समस्त चल – अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी गलत कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे मेरा और मेरे परिवार का कोई वास्ता नहीं रहेगा। **फरीदा खातून पत्नी मोहम्मद फुरकान 631/138 मोहल्ला इस्माईलगंज इंदिरानगर लखनऊ**

सूचना
मेरा आधार कार्ड में नाम मधुरिमा पत्नी ननकऊ हो गया है जो कि गलत है।मेरा सही नाम रामराजी पत्नी ननकऊ है। मुझे सही नाम रामराजी पत्नी ननकऊ से ही जाना व पहचाना जाए। **रामराजी पत्नी ननकऊ निवासी ग्राम लक्ष्मनपुर मशमूले जोरावरपुर परगना, तहसील एवं जनपद बलरामपुर**

सूचना
सूचित हो कि पहले मेरा नाम SAYYED GHUFRAN RAZA RIZVI था से बदलकर SYED GHUFRAN RAZA रख लिया है अब मुझे SYED GHUFRAN RAZA के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SYED MOHAMMAD YAHIYA ADD-209 SYED WARA, MUHAMMADABAD GOHNA DIST-MAU-276403(U.P)

सूचना
मैंने अपना नाम मोहम्मद मज़हर हुसैन से बदल कर मो0 मज़हर हुसैन पुत्र श्री हैदर हुसैन रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **मो0 मजहर हुसैन पुत्र श्री हैदर हुसैन 370 /18, नूर बेग का हाता, सआदतगंज, थाना–सआदतगंज, लखनऊ**

सूचना
सूचित हो कि मैं **अदीम अहमद पुत्र नियाज़ अहमद निवासी डी–2287, इंदिरा नगर, लखनऊ, उ0प्र0–226016,** यह कि मेरा पूर्व नाम मो0 अदीम था। मैने अपना नाम मो0 अदीम से परिवर्तित करके अदीम अहमद रख लिया है। मो0 अदीम एवं अदीम अहमद ये दोनों नाम एक ही व्यक्ति मेरे स्वयं के हैं। इनको एक ही माना व समझा जाए। मुझे अदीम अहमद के नाम से जाना व पहचाना जाए।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 26 अक्टूबर 2025

लखनऊ

काकोरी दुर्व्यवहार मामले में बुजुर्ग की पत्नी को सौंपी गई आर्थिक मदद

अमृत विचार, काकोरी : थाना क्षेत्र के शीतला माता मंदिर में दलित बुजुर्ग रामपाल रावत से हुए दुर्व्यवहार के मामले में शनिवार को पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर और समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने मुलाकात की। रामपाल द्वारा एससीएसटी एक्ट में दर्ज कराए गए केस में उनकी पत्नी को एक लाख रुपये की आर्थिक मदद का स्वीकृति पत्र दिया। साथ ही हर संभव मदद का आश्वासन दिया। वहीं, शनिवार को पीड़ित रामलाल की बहू ने मामले में नया मोड़ ला दिया। उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसमें वह कह रही है कि ससुर द्वारा स्वामीकांत पर पानी को पेशाब बताकर चटवाने का लगाया गया आरोप गलत है। स्वामीकांत को साजिश के तहत फंसाया गया है।

पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर ने पीड़ित परिवार को बताया कि एक लाख की आर्थिक मदद मिलती है। 25 हजार पीड़ित के खाते में शुक्रवार को आ चुके है जिसका स्वीकृति पत्र जिला समाज कल्याण अधिकारी अंजनी कुमार के साथ पीड़ित की पत्नी को दिया गया। दर्ज एफआईआर में चार्जशीट लगने लगने के बाद 50 हजार रुपये मिलेंगे।

शेष 25 हजार मामले में कोर्ट से निर्णय होने के बाद मिलेंगे। इस दौरान विधायक जय देवी कौशल, भाजपा जिला अध्यक्ष विजय मौर्य, नगर पंचायत अध्यक्ष रोहित साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष रवि राज लोधी मौजूद रहे। पूर्व राज्य मंत्री कौशल किशोर ने कहा कि राजनीतिक दलों का काम पीड़ित से मिलने का होता है।

लूलू मॉल के सफाई कर्मी अरुण रावत की हत्या के नामजद आरोपियों को हिरासत से छोड़ने पर सुशांत गोल्फ सिटी थाने के बाहर हुए बवाल के दौरान महिलाओं के साथ खींचतान करते पुलिसकर्मी और पुलिस से उलझते युवक। अमृत विचार

पुलिस ने लाठियों से पीटा, फोड़ा सिर और तोड़ा पैर

मृत सफाई कर्मी के परिजन ने लगाए सुशांत गोल्फ सिटी थाने की पुलिस पर महिलाओं के साथ अभद्रता करने के आरोप

सुशांत गोल्फ सिटी बवाल

संवाददाता, गोसाईंगंज

अमृत विचार : लूलू मॉल के सफाई कर्मी अरुण रावत की हत्या के नामजद आरोपियों को हिरासत से छोड़ने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने शनिवार को सुशांत गोल्फ सिटी थाने पर हंगामा कर दिया। पुलिस समझाने लगी तो धक्का मुक्की के बाद पथराव कर दिया। इसके बाद पुलिस ने लाठियां भांजी तो बवाल और बढ़ गया। एक घंटे तक थाने से लेकर लूलू मॉल तक सड़क पर बवाल चलता रहा।

अरुण रावत की के भाई की पत्नी रंजना रावत ने आरोप लगाया कि पुलिस ने आरोपियों को छोड़ दिया था। पुलिस की कार्रवाई से नाराज होकर धरना देने के लिए आए थे। आरोप लगाया कि धरना देने पर पुलिस वालों ने लाठी-डंडों से पीटा। पुरुषों को पीट-पीटकर बंद कर दिया। किसी का सिर फोड़ दिया, किसी का पैर तोड़ दिया। ग्रामीणों ने कहा कि थाने में महिला पुलिस कर्मी भी थी। अगर पुलिस को महिलाओं को रोकना था तो महिला पुलिस लगाना चाहिए था। विरोध के दौरान पुरुष पुलिस कर्मियों ने महिलाओं से धक्का-मुक्की कर अभद्रता की। मामले के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। जिसमें से एक वीडियो में पुरुष पुलिसकर्मी एक महिला की साड़ी का पल्लू खींचते हुए अभद्रता कर रहा है।

सुशांत गोल्फ सिटी थाने के बाहर बवाल के दौरान पुलिस से उलझते प्रदर्शनकारी। अमृत विचार

खींचतान करते दिखे पुलिसकर्मी और ग्रामीण

- सोशल मीडिया पर घटना से जुड़े कई वीडियो वायरल हैं। एक वीडियो में कुछ युवकों को पुलिसवाले पकड़ते दिख रहे। उन्हें थाने ले जाने की कोशिश कर रहे, जबकि भीड़ पुलिस से युवकों को छुड़ाने की कोशिश कर रही है। इसी दौरान पुलिस और लोगों के बीच झड़प शुरू हो गई। दूसरे वीडियो में तीन युवकों को पुलिसवाले घसीट रहे। इसी दौरान भीड़ से महिलाएं आगे आईं और पुलिस पर हमला कर दिया। उन्होंने दो युवकों को छुड़ा लिया।

बवाल के पांच आरोपी किए गए गिरफ्तार

- राजाराम निवासी नीलमथा कैंट, उनका बेटा अमन कुमार, अरविंद चेटियार निवासी तोपखाना बाजार कैंट, आनंद कुमार निवासी ग्राम बरौना सुशांत गोल्फ सिटी और पिंटू निवासी कटहरी बाग कैंट को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी राजाराम के खिलाफ जनवरी 2025 में कैंट में किशोरी से छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। इसके अलावा बेटे अमन के खिलाफ भी बलवा, मारपीट व धमकी के दो मामले बंथरा व मोहनलालगंज में दर्ज हैं। आरोपी अरविंद के खिलाफ सुशांत गोल्फ सिटी थाने में करीब दो साल पहले मारपीट और धमकी की रिपोर्ट दर्ज हुई थी।

कथित पत्रकारों पर भड़काने का आरोप

- कथित पत्रकारों पर बवाल भड़काने का आरोपदेर रात मृतक अरुण की भतीजी मनु का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वायरल वीडियो में मनु एक कथित पत्रकार और उसकी दो साथी महिला पत्रकार पर बवाल भड़काने का आरोप लगाया है। मनु ने बताया कि घटना वाले दिन हंगामा के दौरान एक पत्रकार ने नंबर लिया था। शनिवार वही पत्रकार साथियों संग आया और कहा कि थाने पर हंगामा कीजिए। हम लोग साथ हैं, आपकी पुलिस दबाव में सुनेगी। थाने पर विवाद के दौरान महिला पत्रकार ने पुलिसकर्मी की वर्दी पकड़ी थी। जिसके बाद बवाल हुआ था। पुलिस ने वीडियो के आधार पर जांच शुरु कर दी है। साक्ष्य संकलन किए जा रहे हैं। साक्ष्यों के आधार पर ऐसे लोगों को चिह्नित लोगों का नाम केस में बढ़ाया जाएगा।

बवाल में फटी इंस्पेक्टर की वर्दी।

सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाते पुलिसकर्मी। अमृत विचार

फंदे से लटकी मिली किशोरी, प्रदर्शन

संवाददाता, बख्शी का तालाब

- शादी का झांसा देकर किशोरी से दुष्कर्म का मामला, एफआईआर के बाद अंतिम संस्कार

अमृत विचार: इटौंजा इलाके के एक कस्बे में शुक्रवार को किशोरी ने घर के अंदर दुपट्टे का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन लेकर गांव पहुंचे। किशुनपुर रोड पर शव वाहन रोककर ग्रामीणों ने हंगामा किया और अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया।

ग्रामीणों ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने और उनकी गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने काफी देर तक समझाइश दी और एफआईआर दर्ज करने के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया।

कस्बा निवासी किशोरी के पिता के मुताबिक, महोना निवासी कल्लू यादव ने उनकी बेटी को शादी का झांसा देकर अपने प्रेम जाल में फंसाया और शारीरिक शोषण किया। बीते गुरुवार को घर वाले लड़की को जबरन लेने आए, जिसमें कल्लू यादव का भाई काके यादव, सहयोगी अजीत गौतम और कल्लू की मां शामिल थे। विरोध करने पर उन्होंने मारपीट की। दीपावली के दौरान घर में रिश्तेदार होने के कारण वे धमकी देकर चले गए। शुक्रवार को लड़की को बुलाकर भला-बुरा कहा और शादी से इनकार कर दिया, जिससे किशोरी आहत हुई और अंततः उसने खुदकुशी कर ली।

पिता ने कल्लू यादव, काके यादव, अजीत गौतम और कल्लू की मां के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। इंस्पेक्टर इटौंजा मारकंडेय यादव ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

बच्ची को अगवा कर किशोरों ने किया सामूहिक दुष्कर्म

संवाददाता, काकोरी

- शादी समारोह में शामिल होने गई थी 12 वर्षीया बच्ची, एक पकड़ा गया, दूसरा फरार
- मां का आरोप कई दिनों से कर रहे थे परेशान, घर से निकलना किया था दुश्वार

अमृत विचारः काकोरी इलाके में एक शादी समारोह में शामिल होने गई 12 वर्षीया बच्ची को दो किशोरों ने अगवा कर लिया। शोर मचाने पर बच्ची के मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। गांव के बाहर स्थित नहर की पुलिया पर ले गये। जहां दोनों ने दुष्कर्म किया। इसके बाद भाग निकले। बच्ची देर तक घर नहीं पहुंची तो परिजन तलाश करने निकलें। तो गंभीर हालत में नहर किनारे पड़ी मिली। पूरी जानकारी होने पर परिजन काकोरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचे।

काकोरी में रहने वाली महिला ने बताया कि उनके देवर की बेटी की शादी थी। परिवार के साथ शामिल होने के लिए शुक्रवार को गई थी। शादी समारोह चल रहा था। डीजे की अवाज के बीच देर रात उनकी 12 वर्षीया बच्ची गायब हो गई थी। काफी तलाशने के बाद करीब एक घंटे बाद बेटी घायल अवस्था में समारोह स्थल के पास मिली। उसने बताया कि गांव में रहने वाले दो किशोर उसे अपने साथ जबरन ले गए थे। चिल्लाने का प्रयास किया तो मुंह में कपड़ा ठूंस दिया था। जिसके कारण चिल्ला नहीं सकी। रोते हुए बोली की गांव की नहर पुलिया के पास ले जाकर बारी-बारी से दुष्कर्म किया। इसके बाद वहीं छोड़कर फरार हो गए। वह किसी तरह घर तक पहुंची है। यह सुनते ही शादी समारोह में अफरा-तफरी मच गई। मां ने तुरंत पुलिस को सूचना देते हुए तहरीर दी। इंस्पेक्टर ने बताया कि दो किशोरों के खिलाफ पास्को एक्ट और दुष्कर्म की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर एक नाबालिग को पकड़ा गया है, जबकि दूसरे की तलाश में दबिश दी जा रही हैं। साथ ही पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया गया है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना NER-LJN-2025-170

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत है –

ई-निविदा संख्या : NER-LJN-2025-170, कार्य का नाम : पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के गोण्डा–बुढ़वल अनुभाग में किमी 690/11-12 पर ब्रिज नंबर 383 डाउन (7x24.4 मीटर) के खंभों की जैकेटिंग, **अनुमानित लागत** : रु. 76,17,003.54, **अग्रिम धन** : रु. 1,52,400.00, **समापन अवधि** : 9 माह।

1. उपरोक्त ई-निविदा संख्या **NER-LJN-2025-170** के लिए ई-निविदा दिनांक **14.11.2025** को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेंगी। **2.** उपरोक्त ई-निविदा से संबंधित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से संबंधित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धिपत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग, मुजाधि/डब्ल्यू-308 पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेंडरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मण्डल रेल प्रबंधक(विद्युत/सामान्य) पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन (ई–टेंडरिंग) के माध्यम से "एकल" निविदायें आमंत्रित करते है।

क्रम सं 1:–निविदा सूचना संख्याः **ई–निविदा–एल–30–25–26,** कार्य का नामः वाराणसी मंडल के अंतर्गत पावर कारों में लगे कॉटन ग्रीव्स निर्मित डी.ए. जनरेटर सेटों, डीजल इंजन, विभिन्न निर्माताओ के अल्टरनेटर सहित पावर कार के अन्य उपकरणों का A-चेक, B-चेक एवं C-चेक का व्यापक वार्षिक अनुरक्षण एवं पावर कार LSLRD के ऑनबोर्ड एस्कॉर्टिंग कार्य के निष्पादन हेतु 2 वर्षों की अवधि के लिए वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध। अनुमानित लागतः ₹ 62319247.16, अमानत राशिः ₹ 461600.00 कार्य समापन का समयः 24 माह। निविदा समापन की तिथि एवं समयः 14.11.2025, 15:00 बजे, निविदा खोलने की तिथि एवं समयः 14.11.2025, 15:00 बजे।

उपरोक्त ई–निविदा कार्यों के पूर्ण विवरण एवं निविदाओं में प्रतिभाग करने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट **www.ireps.gov.in.** पर जाये।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/सामान्य मुजाधि/विद्युत–167 वाराणसी

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

एसी 25000 वोल्ट कर्षण को चालू करना "सड़क उपयोगकर्ताओं को चेतावनी"

जनसाधारण की सूचना के लिए अधिसूचित किया जाता है कि पूर्वोत्तर रेलवे के थॉमसन गंज साईडिंग लाइन नं. 02 तथा 03 विद्युतीकरण सेक्शन विद्युतीकृत लाईन खण्ड पर 25000 वोल्ट एसी विद्युत कर्षण आरम्भ करने के लिए सभी समपारों पर सड़क सतह से 4.78 मीटर की स्पष्ट ऊँचाई पर ऊँचाई गेजें लगायी गयी हैं ताकि बहुत अधिक ऊँचाई वाले लोडेड सड़क वाहन को विद्युतमय कर्षण तार की खतरनाक सन्निकटता या सम्पर्क में आने से रोका जा सके।

जनसाधारण को एतद् द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि सड़क वाहनों के लदान के प्रयोजन के लिए उक्त विनिर्दिष्ट ऊँचाई का पालन करें और यह देखें कि सड़क वाहन में ढोये जा रहे लोड से किसी भी स्थिति में ऊँचाई गेजों का अतिक्रमण न करें।

अत्यधिक ऊँचाई के लोड के खतरे निम्नानुसार हैं –

(i) ऊँचाई गेज के लिए खतरा और उसके फलस्वरूप सड़क और रेलवे लाईन पर बाधा।

(ii) वाहन पर ले जायी जा रही सामग्रियों या उपस्कर को खतरा।

(iii) चालकों की खतरनाक सन्निकटता या सम्पर्क के कारण आग लगने का खतरा और जीवन की हानि का खतरा।

वमंविइं/टीआरडी/लजं.

मुजाधि/विद्युत-169

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

उस्मानपुर अग्निकांड | **मोहल्लेवालों ने कराई खाने-पीने और सोने की व्यवस्था**

11 परिवारों ने पार्क व रिश्तेदारों के घर काटी रात

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गोदाम मालिक और हॉस्टल संचालक को नोटिस जारी

अमृत विचार : अलीगंज के उस्मानपुर में फोटो फ्रेम गोदाम में शुक्रवार को हुए भीषण अग्निकांड के बाद से घटनास्थल के आसपास रहने वाले करीब एक दर्जन परिवार को रात कॉलोनी के पार्क और रिश्तेदारों के घर में रात काटनी पड़ी। देर रात करीब एक बजे आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। मोहल्लेवालों ने एक दर्जन परिवार के करीब 60 लोगों के खाने और सोने का इंतजाम कराया। शनिवार को भी लोग अपने घर नहीं जा सके। क्षतिग्रस्त गोदाम के आसपास जाने से फिलहाल लोगों को रोका गया है। निगरानी के लिए पुलिस और पीएसी भी तैनात है।

गोदाम के आस पास रहने वाली निकिता, अनिल, धीरज, रुकमणि और रवि के हॉस्टल में रहने वाली लड़कियां दहशत में हैं। लोगों ने बताय कि घटना के बाद से वह अपने घर नहीं जा सके। आग की चपेट में आने से उनके घर की दीवारें दरक गयी हैं। बिजली का केबल जल गया है। मजबूरी में परिवार संग पार्क में रात बितानी पड़ी। वहीं, आग की चपेट में आने से फोटो फ्रेम का गोदाम भी पूरी तरह से जर्जर हो गया। गोदाम की सीढ़ियां, छज्जे किसी भी समय टूटकर गिर सकते हैं। ऐसे में लोगों ने मांग की है कि जर्जर बिल्डिंग को प्रशासन की निगरानी में गिराया जाए।

वहीं, अस्पताल में भर्ती पांचों दमकल कर्मियों की हालत में सुधार होने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। सीएफओ अंकुश मित्तल ने बताया कि गोदाम मालिक अमरजीत सिंह और हॉस्टल संचालक रवि को नोटिस जारी की गई है। एक जांच कमेटी गठित की गई है कि कहां-कहां पर लापरवाही बरती? इसके साथ ही शहर में अन्य गोदामों की जानकारी जुटाने के लिए सभी एफएसओ को कहा गया है, सभी को नोटिस जारी कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कार के अंदर युवक ने गोली मारकर दी जान

अमृत विचार, लखनऊ: हजरतगंज कोतवाली से चंद कदमों की दूरी पर स्थित डीएम कंपाउंड के बाहर शनिवार देर रात 12:30 बजे कार में बैठकर युवक ने रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर जान दे दी। सूचना पर डीसीपी मध्य विक्रांत वीर, एडीसीपी मध्य जितेंद्र कुमार दुबे, एसीपी विकास जायसवाल और इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह मौके पर पहुंचे। फील्ड यूनिट व फॉरेंसिक टीम के आने के बाद कार का लॉक खुलवाया गया तो मृतक की दाहिने हाथ की उंगुली में फंसी रिवॉल्वर मिली। पुलिस ने रिवॉल्वर चेक की तो एक खोखा और पांच कारतूस मिले। पुलिस ने गाड़ी की तलाशी लेने के साथ ही मृतक के कपड़ों को चेक किया, लेकिन शिनाख्त संबंधी कोई पेपर या मोबाइल नहीं मिला। मृतक की उम्र करीब 35 से 40 वर्ष है। शरीर पर सफेद प्रिंटेड शर्ट है। इंस्पेक्टर ने बताया कि कार के नंबर के आधार पर जानकारी की गई तो पता चला कि वह ईशान गर्ग के नाम से परिवहन विभाग की साइट पर रजिस्टर्ड है। ईशान गर्ग का पता तालकटोरा राजाजीपुरम-एफ ब्लाक दर्ज है। पते पर संपर्क किया गया, पहचान नहीं हो पाई।

लखनऊ विकास प्राधिकरण

(ISO 14001:2004, ISO 9001-2008 प्रमाणित संस्था)

प्राधिकरण भवन, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ.प्र.), पी.बी.एक्स. नं. : 1800 1800 5000, वेबसाइट : www.ldalucknow.in

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की आवासीय/व्यावसायिक/रेन्ट/नजूल/इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट योजनाओं के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तानान्तरण/नामान्तरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत किया गया है :–

क्र. सं.	मूल आवंटी का नाम	भवन/भूखण्ड संख्या	योजना का नाम	मृत्यु दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्ति कर्ताओं के नाम	मूल आवंटी से (मृतक) सम्बन्ध
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	डॉ० अशोक कुमार	भूखण्ड संख्या–सी–8, सेक्टर–जे	अलीगंज योजना	23.012025	श्रीमती मीनाक्षी कुमार	पंजीकृत वसीयत के आधार पर	पत्नी
2.	1. स्वर्गीय राजेन्द्र सिंह राणा	फ्लैट संख्या–R–118 रूपायन	नेहरू इन्क्लेव, गोमती नगर योजना	27.10.2015	1. श्री कार्तिकेय राणा	1. श्रीमती मीना सिंह 2. श्रीमती प्रियंवदा	पुत्र
3.	श्रीमती रेशम मिश्रा	भूखण्ड संख्या–एस०एस०–202	सेक्टर–बी आजाद नगर	04.10.2022	श्री नीरज मिश्रा (पुत्र)	पंजीकृत वसीयत श्रीमती रेशम मिश्रा उर्फ रेशमा मिश्रा के आधार पर।	पुत्र
4.	श्री रमेश कुमार यादव	भवन संख्या–LIG–4/59 सेक्टर–एच	जानकीपुरम योजना, लखनऊ	08.08.2022	1. श्री उर्मिलेश कुमार यादव (पुत्र) 2. श्री कमलेश कुमार यादव (पुत्र)	----	पुत्र
5.	श्री सुखदेव प्रसाद व श्रीमती प्रमिला प्रसाद	भवन संख्या–एम/150 सेक्टर–डी–1	कानपुर रोड योजना	14.04.2015 व 23.07.2022	श्री प्रेम प्रकाश	श्रीमती सुधा यादव श्रीमती मधु अग्रवाल श्रीमती सुनीता अग्रवाल	मृतक की पुत्री मृतक की पुत्री मृतक की पुत्री

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से **30 दिनों** के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कॉलम–6 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव

खुद पर हावी न होने दें
त्योहारों के बाद उदासी

शारदीय नवरात्र आरंभ होने के पश्चात करवाचौथ, दीपावली, छठ पूजा और देव दीपावली तक समूचा राष्ट्र त्योहारों की खुमारी में रहता है। एक माह का यह त्योहारी सीजन हम लोगों के जीवन में सक्रियता, आनंद, चेतना और असीम ऊर्जा का संचार करता है। इन त्योहारों के माध्यम से हम अपने आप से, अपने आत्मीय संबंधों से और इसके साथ-साथ अपने परिवेश, प्रकृति और ईश्वर की अलौकिक ऊर्जा से जुड़ते हैं। सनातन धर्म के जितने भी पर्व हैं, वे ऋतुओं के संधि काल से जुड़े हुए हैं। एक ऋतु की विदाई के साथ दूसरी ऋतु के आगमन से पूर्व की वेला में पौराणिक चरित्रों से संबंधित विभिन्न त्योहार मनाए जाने का रिवाज है। नवरात्रों के पश्चात पड़ने वाले पर्व विशेषकर दीपावली का पर्व अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसमें हर व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार दिल खोलकर खर्च कर अपने घर, जीवन, संबंधों और अपने परिवेश को सजाने संवारने का भरपूर यत्न करता है। लगभग एक माह चलने वाले ये त्योहार व्यक्तियों में ऊर्जा का संचार ही नहीं करते, बल्कि बाजार और अर्थव्यवस्था को भी गति प्रदान करते हैं।

बीना नयाल
शिक्षिका, हल्द्वानी

त्योहारों का आगमन और विदाई

हम भारतीयों को सालभर इन त्योहारों का जितना बेसब्री से इंतजार होता है उतना ही अधिक अवसाद इनके विदा होने के बाद होता है। इन त्योहारों के बाद जब बच्चे और व्यस्क लोग विद्यालय और ऑफिस में रोजमर्रा की जिंदगी में लौटते हैं, तो अधिकतर लोगों को इस बात की निराशा होती है कि उमंग भरे यह त्योहार अब पूरे एक साल बाद आएंगे, क्योंकि जो रौनक और उत्साह बाजार व जीवन में इन त्योहारों में होती है वह साल भर किसी अन्य त्योहार में नहीं होती है। इन त्योहारों के माध्यम से व्यक्ति अपने संबंधों को, अपने परिवेश को और खुद को समग्रता से जी लेना चाहता है। त्योहार और व्यक्ति दोनों ही एक दूसरे को सजाते, संवारते और समृद्ध करते हैं।

यही वजह है कि त्योहारों की विदाई के बाद व्यक्ति का मन उदासी और अवसाद से भर जाता है। हालांकि यह उदासी और अवसाद सभी को एकरूपता से प्रभावित नहीं करती। शहरों में जहां मनोरंजन के भरपूर साधन हैं और जीवन में रुकने की फुर्सत नहीं है, वहां उदासी का स्तर ग्रामीण और छोटे शहरों की अपेक्षाकृत कम होता है। इसका मुख्य कारण है कि ग्रामीण परिवेश में यह त्योहार फसल कटाई से संबंधित होते हैं। सीमित संसाधनों में यह त्योहार उनके जीवन की निरसता और एकरूपता को तोड़कर उत्साह, उमंग और आशा का संचार करते हैं। ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोग साल भर इन त्योहारों का इंतजार करते हैं, क्योंकि कुछ प्रदेशों में इन अवसरों पर महत्वपूर्ण मेले भी लगते हैं और इन मेलों और उत्सव के बहाने उनके सगे-संबंधी कुछ दिनों के लिए घर लौटते हैं और उनके साथ अच्छा समय व्यतीत करते हैं। त्योहारों के सीजन में शहर से गांव की ओर जो रेलगाड़ी उत्साह और उमंग लेकर लाती है, त्योहारों की विदाई के पश्चात वापस लौटते समय वही रेलगाड़ी अवसाद, उदासी और अकेलापन और एक लंबा इंतजार लेकर जाती है। फेस्टिवल सीजन समाप्त होने का दुख बच्चों में भी सबसे ज्यादा होता है, क्योंकि त्योहारों की उमंग का ज्वार सबसे अधिक बच्चों में ही होता है। दशहरा देखने की धूम से लेकर बाजार की रौनक से अपने लिए नए कपड़े, मिठाइयां, पटाखे खरीदने की ललक के साथ बच्चे अपने परिवार के साथ गुणवत्तापूर्ण समय व्यतीत करते हैं और अपने रीति-रिवाज, संस्कृति और अपनी जड़ों से जुड़ते हैं। इन त्योहारों के पश्चात स्कूल जाना बच्चों के लिए बेहद बोझिल होता है, लेकिन आगमन के बाद विदाई भी प्रकृति और ऋतु का नियम है, जिसे स्वीकारना ही पड़ता है और हमें लौटना पड़ता है अपनी घर परिवार और कार्यालय की नियमित दिनचर्या की ओर।

पहले यह त्योहार अपने सीमित परिवेश में मनाए जाते थे, लेकिन सोशल मीडिया के इस दौर में ऑनलाइन माध्यमों से एक दूसरे को शुभकामनाएं प्रेषित करना, त्योहारों के सेलिब्रेशन की फोटो और वीडियो के माध्यम से प्रेषित करने की होड़ इन त्योहारों के बाद मन को एक खालीपन से भर देती है कि अब क्या अलग किया जाए, जिसे हम बाकी लोगों के साथ दूर-दराज तक सांझा कर सके। इन त्योहारों के बाद हवा में प्रदूषण का स्तर भी काफी अधिक बढ़ जाता है, जो एक तरह की बेचैनी, अस्वस्थता और अवसाद को बढ़ा देता है। प्रदूषण के साथ खानपान की अनियमितताएं भी व्यक्ति के मूड को प्रभावित करती हैं। दूसरी ओर जब हम फेस्टिवल के मूड में होते हैं, तब हमारे शरीर में डोपामाइन और ऑक्सीटोसिन का स्तर बहुत अधिक बढ़ जाता है, जिससे हम उत्साहित और बहुत अच्छा महसूस करते हैं, लेकिन जैसे ही हम अपनी सामान्य दिनचर्या में लौटते हैं, तो इनका स्तर सामान्य स्तर पर आ जाता है, जिससे उदासी, भावनात्मक अस्थिरता और एकाकीपन महसूस होता है। त्योहारों का आगमन और विदाई हमारे मन-मस्तिष्क के आवेगों को प्रभावित करते हैं। जहां यह त्योहार एक बड़े वर्ग में इंतजार, उत्साह और उमंग लेकर आते हैं, वही आधी आबादी के रूप में महिलाओं का एक बड़ा हिस्सा वह भी है, जो इन त्योहारों को मानसिक और शारीरिक बोझ की तरह लेने को अभिशप्त है। कारण कि महिलाओं के ऊपर इन त्योहारों में काम का बोझ अत्यधिक बढ़ जाता है। घर और संबंधों को सजाने-संवारने से लेकर रसोई में अन्नपूर्णा की उपाधियां की कसौटी मे खरा उतरने के चक्कर में त्योहारों से जुड़ी उसकी भावनाएं, स्मृतियां और अटखेलिया करता हुआ बचपन जिम्मेदारियों की दहलीज से टकराकर वापस लौटने को विवश हो जाता है। सामाजिक बंधनों और जिम्मेदारियां की खूंटे से बंधी अनेक महिलाओं को जब त्योहारों को जीने का अवसर नहीं मिलता तो उनका मन यही कहता है कि अच्छा हुआ यह त्योहार विदा हो गए। सोशल मीडिया के दौर मे महिलाएं त्योहारों से जुड़ी अपनी पीड़ाएं खुलकर व्यक्त करने लगी हैं, जिस पर गंभीर रूप से समाज द्वारा चिंतन और मनन आवश्यक है। इसके अतिरिक्त इन त्योहारों पर कमरतोड़ महंगाई, दिखावे की प्रतिस्पर्धा और बाजारवाद इस कदर हावी हो गया है कि जोड़-तोड़ और कठिनाइयों में जीवन बसर करने वाले अनेक वर्ग तो इन त्योहारों में ही संपन्न लोगों को देखकर निराशा और अवसाद में डूब जाते हैं। उन्हें रोजमर्रा की सामान्य और उबाऊ दिनचर्या इन त्योहारों से अधिक सुविधाजनक लगती है, जो लोग त्योहारों को अपनी मन इच्छा के अनुसार नहीं जी पाते, उन्हें इसका अवसाद और मलाल लंबे समय तक रहता है। इसलिए इन त्योहारों में हर व्यक्ति को चाहिए स्वयं से जुड़े हर व्यक्ति के जीवन के अंधकार को दूर करने की ईमानदार कोशिश की जाए, ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार हम एक दीप से अनेक दीप जलाते हैं। तभी दीपोत्सव के पर्व का मर्म सार्थक होगा।

नियमित चक्र है जीवन

प्रकृति के चक्र की भांति जीवन का भी एक नियमित चक्र है। व्यक्तियों के समान प्रकृति में भी शीत ऋ तु के आगमन के साथ पतझड़ के रूप में धीरे-धीरे उदासी और अवसाद पसरेगा, लेकिन प्रकृति इस उदासी और अवसाद से परे धीरे-धीरे भीतर से अपना नवनिर्माण करेगी और स्वयं को वसंत के आगमन के लिए तैयार कर रही होगी। नवनिर्माण के इस दौर में प्रकृति की उदासी सूखे पत्तों के माध्यम से चारों ओर बिखरी भी दिखाई देगी और इन उदासियों और सुसुप्ति से ही रंग-बिरंगे लहलहाते और चहचहाहट से भरपूर एक नवीन संसार का उदय होगा। त्योहारों की विदाई के पश्चात मन में थोड़े समय की उदासी और अवसाद आम बात है, लेकिन यह समय है अपनी शक्ति, संसाधन और ऊर्जा जो इन त्योहारों में खर्च हो चुकी है, उसे दोबारा समेटने का और अर्जित करने का और स्वयं को रचनात्मक कार्यों में संलग्न कर अपने निर्माण का। इन त्योहारों के बाद अपने कार्यालय संबंधी कार्यों में पूर्ण ऊर्जा के साथ लौटना आवश्यक भी हो जाता है, क्योंकि इसके बाद साल के अंत से पहले सभी महत्वपूर्ण काम निपटाने आवश्यक होते हैं। त्योहारों के माध्यम से जो ऊर्जा और भावनाएं हम अपने परिवार के साथ साझा करके आए हैं, उसी ऊर्जा और सकारात्मकता के साथ यदि हम कार्यालय में अपने सहकर्मियों के साथ जुड़ते हैं, तो त्योहार की विदाई से जुड़ा अवसाद धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है। त्योहारों के पश्चात निराशा को भरने के लिए आवश्यक है कि स्वयं को सुविचारों से समृद्ध करें। अच्छा साहित्य पढ़े, बच्चों के साथ अच्छा समय व्यतीत करें और अपने आपको संगीत, पेंटिंग या किसी अन्य रचनात्मक गतिविधि में लगाएं। त्योहार बीत जाते हैं, लेकिन उनकी खुशबू हमारे भीतर बनी रहती है। बस जरूरत है, उसे फिर से महसूस करने की। इस बार जब त्योहार के बाद मन थोड़ी खामोशी महसूस करे, तो इन सरल उपायों को अपनाएं। देखिएगा, मुस्कान फिर लौट आएगी और जीवन एक बार फिर अपनी चमक में खिल उठेगा।

सकारात्मक पलों को करें याद

त्योहारों के दौरान जो खूबसूरत पल आपने जिए- उन्हें याद करें, दोहराएं। तस्वीरें देखें, परिवार या दोस्तों के साथ बिताए छोटे-छोटे लम्हों को मन में फिर से जिएं। इन यादों को दोहराने से न केवल आपके चेहरे पर मुस्कान लौटेगी, बल्कि मन में कृतज्ञता की भावना भी जागेगी। जब हम यह महसूस करते हैं कि हमें कितनी खुशियां मिलीं, तो त्याग या खत्म होने का एहसास खुद-ब-खुद कम हो जाता है।

दोस्तों और अपनों से जुड़े रहें

त्योहार के दौरान जिन लोगों से आपकी मुलाकात हुई, उनसे संपर्क बनाए रखें। एक फोन कॉल या छोटी-सी चैट भी मन को हल्का बना देती है। आप चाहें तो अपने त्योहार की कुछ बेहतरीन तस्वीरें या वीडियो भी शेयर कर सकते हैं। यह न सिर्फ यादों को जीवित रखेगा, बल्कि रिश्तों में और गहराई भी लाएगा। साथ ही सकारात्मक लोगों की संगति हमेशा मन को ऊर्जावान बनाती है।

अपनी दिनचर्या में धीरे-धीरे लौटें

त्योहारों के बाद अचानक से काम या रूटीन में लौटना मुश्किल लग सकता है, इसलिए खुद को थोड़ा समय दें। शुरुआत हल्के कामों से करें, जैसे सुबह की सैर, संगीत सुनना या कॉफी के साथ अपनी डायरी में दिन की योजना लिखना। धीरे-धीरे जब आप अपनी पुरानी लय में वापस आने लगेंगे, तो मन का बोझ हल्का महसूस होगा। याद रखें, नियमितता हमेशा स्थिरता लाती है।

भविष्य की करें प्लानिंग

जब मन उदास हो, तो भविष्य की ओर देखें। आने वाले महीनों के लिए कुछ योजनाएं बनाएं- जैसे कोई नया कोर्स करना, ट्रिप पर जाना या घर की नई साज-सज्जा करना। छोटे-छोटे लक्ष्य भी जीवन में नई दिशा देते हैं। अगर चाहें तो दोस्तों या परिवार के साथ अगली मुलाकात की योजना बना लें। आने वाले सुखद पलों की कल्पना करना अपने आप में एक शानदार मानसिक व्यायाम है।

खुद से जुड़ें त्योहारों के बाद का शांत समय आत्ममंथन के लिए भी बेहतरीन अवसर है। कुछ समय अपने लिए निकालें- किताब पढ़ें, मेडिटेशन करें या बस कुछ देर तक खुद के साथ रहें। जब हम खुद से जुड़ते हैं, तो भीतर की शांति और संतुलन लौट आता है।

जीवन का स्पंदन

त्योहारों की जितनी ज्यादा उमंग, उत्साह और इंतजार होता है विदाई के पश्चात उतना ही दुख और निराशा का भाव भीतर होता है। ठीक उसी प्रकार, जिस प्रकार बेटी के विवाह में उसकी विदाई का सुखद अवसाद होता है। इस अवसाद का मुख्य कारण है कि हमने जीवन के केवल बाहरी पक्ष को ही जीना सीखा है, हम स्वयं से और प्रकृति से जुड़ना भूल गए हैं। हमारे आस-पास अनेक ऐसे कलाकार होते हैं, जिन्होंने अपनी ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों में संलग्न कर दिया है, उन्हें त्योहारों के आगमन का उल्लास तो होता है, परंतु विदाई के पश्चात खाली समय को जीने का हुनर भी होता है। इसी प्रकार त्योहारों के पश्चात यदि हम अपनी ऊर्जा को अपने शौक, सामाजिक और रचनात्मक कार्य में लगाएंगे तो धीरे-धीरे नई ऊर्जा के साथ आगामी त्योहार का स्वागत कर सकेंगे और जीवन में ताजगी और नवीनता बनाए रख सकेंगे। जीवन का स्पंदन तो पतझड़ में भी नहीं रुकता तो इन त्योहारों को खुशी-खुशी विदा करके आम दिनचर्या में निर्माण, निरंतरता और नवसृजन के कार्य में तो लगना ही चाहिए। जीवन को बाहर से जीने के हुनर के साथ-साथ भीतर से जीने का हुनर भी सीखना आवश्यक है, जिसे संतुलन कहते हैं, जो प्रकृति ने हमसे बेहतर भली-भांति सीख लिया है। इसलिए जीवन में विदाई नवनिर्माण का एक सुनहरा मौका लेकर आती है, जिसे समय रहते पहचान कर लेने पर निराशा और अवसाद आसपास भी नहीं फटकता। हमें यह समझना आवश्यक है हम केवल त्योहारों में ही जीने के लिए नहीं वरन हर पल को जीने के लिए बने हैं।

पिंक अक्टूबर से ग्रीन आशाएं

अक्टूबर गुलाबी माह कहलाता है। गुलाबी रिबन जैसे प्रतीक जागरूक और समाज की चिंता करने वाले लोगों के हाथों में दिखाई दे रहे हैं, लेकिन यह महीना गुलाबी रिबन से कहीं ज्यादा बढ़कर है। 'एवरी स्टोरी इज यूनिक, एवरी जर्नी मैटर्स' ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता इस माह की खूबसूरत थीम है। यकीनन हर जिंदगी महत्वपूर्ण है। अमेरिकन कैंसर सोसायटी द्वारा 1985 में सबसे पहले एक हफ्ते का यह जागरूकता अभियान चलाया गया था, जो धीरे-धीरे दूसरे देशों में भी फैला और एक वैश्विक अभियान बन गया। गुलाबी रिबन की अवधारणा 1992 में आई, जिसका उद्देश्य तेजी से फैल रही इस बीमारी के बारे में लोगों को जागरूक करना, इलाज की सुविधा प्रदान करना और इस बीमारी के अनुसंधान के लिए धन उपलब्ध कराना है।

दुनिया में हर साल लगभग 20 लाख महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर जैसी बीमारी का होना पाया जाता है। जो आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, वो अलग हैं। यह एक वैश्विक जागरूकता अभियान है। महीने के अलग-अलग दिन कैंसर के अलग-अलग रूपों पर बात होती है। उदाहरण के तौर पर 13 अक्टूबर को यूएस में मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस डे के रूप में मनाया जाता है। कैंसर का यह रूप बहुत ही भयावह है जब कैंसर की कोशिकाएं ब्रेस्ट के आसपास के हिस्सों में भी फैल जाती है। वहां पर डेढ़ लाख से अधिक महिलाएं इस कैंसर से प्रभावित हैं और अनुसंधानकर्ताओं का अनुमान है कि 2030 तक यह आंकड़ा ढाई लाख से ऊपर पहुंच जा सकता है जो बहुत चिंताजनक है।

अमृता पांडे
लेखिका, हल्द्वानी

कैंसर को एक भयावह वह बीमारी के रूप में जाना जाता है। अध्ययन बताते हैं कि कैंसर अब एक सामान्य सा रोग हो गया है। शरीर के किसी भी स्थान पर बार-बार घाव होना और उसका न भरना धीरे-धीरे कैंसर का रूप ले लेता है यानि एक असाध्य माना जाने वाला रोग। रोग का पता समय से चलने पर अगर प्रारंभिक अवस्था में उपचार कर लिया जाए तो रोगी को बचाना संभव है। दुनिया में कुल 2 करोड लोग कैंसर से ग्रस्त हैं और इसमें हर साल 90 लाख नए लोग जुड़ जाते हैं।

भारत में हर साल एक लाख से अधिक लोग कैंसर से पीड़ित होते हैं। कैंसर से जान गवाने वाले आंकड़े में 35 प्रतिशत धूम्रपान या तंबाकू के सेवन करने वाले होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार विकासशील देशों में 2021 तक कैंसर के कारण होने वाली मौतों की संख्या 25 लाख से बढ़कर 65 लाख तक वृद्धि हुई। महिलाओं की अगर बात करें तो गर्भाशय के कैंसर के बाद ब्रेस्ट कैंसर सबसे बड़ी समस्या बनता जा रहा है। हर साल 10 लाख से अधिक मामले आ रहे हैं। हर 4 मिनट में एक भारतीय महिला को ब्रेस्ट कैंसर की पुष्टि होती है। यूं तो केरल भारत का सर्वाधिक शिक्षित राज्य है लेकिन ब्रेस्ट कैंसर के मामले में यहां सबसे ज्यादा हैं। इसके अतिरिक्त दिल्ली, कर्नाटक, हरियाणा और मिजोरम में भी ब्रेस्ट कैंसर के मामले बहुत अधिक पाए जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन समय-समय पर इस बारे में आंकड़े एकत्र करता है। इसके अतिरिक्त अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान और दूसरे कैंसर संस्थानों में भी इस संबंध में साक्ष्य जुटाए जाते हैं। आईसीएमआर अलग-अलग संस्थाओं से अध्ययन के लिए प्रस्ताव मांगता है। यह अध्ययन स्पोक और हब मॉडल पर आधारित होता है। स्पोक मॉडल में वे सारे अस्पताल आएंगे, जहां पर साल भर में 3000 से अधिक ब्रेस्ट कैंसर के मरीज पंजीकृत और हब मॉडल वे संस्थान कहलाएंगे, जहां साल भर में कम से कम 1 हजार ब्रेस्ट कैंसर के मरीज पंजीकृत हुए हों। भारत में लगभग 40 प्रतिशत युवा महिलाएं स्तन कैंसर की चपेट में हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि जांच और इलाज के बाद भी जीवित रहने का आंकड़ा अन्य विकसित देशों की तुलना में बहुत कम है। ऐसे देशों की तुलना में भारत में लगभग 10 में से सात मरीज ही इलाज के बाद लंबा जीवन जी पाते हैं। विकसित देशों में इलाज के बाद जीवन जीवित रहने की दर 99 प्रतिशत है, तो भारत में यह दर 65 से लेकर 70 प्रतिशत तक है। नियमित व्यायाम करने, भोजन में फाइबर और प्रोटीन को बढ़ाकर और एंटी कैंसर तत्वों को भोजन में शामिल कर, जीवनचर्या को स्वस्थ बनाकर, साफ-सुथरे प्रदूषण रहित वातावरण में रहकर और नियमित रूप से जांच करते रहने से कैंसर जैसी असाध्य बीमारी को टाला जा सकता है।

ब्रेस्ट कैंसर एक गंभीर बीमारी, जिसमें ब्रेस्ट की कोशिकाएं एक चेन रिएक्शन के तहत अनियंत्रित रूप से बढ़कर ट्यूमर बना देती हैं। नियमित जांच और स्क्रीनिंग से इस बीमारी के बारे में पता लगाया जा सकता है और लाखों जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, ब्रेस्ट में पाए जाने वाली किसी भी अनियमिता की पहचान कोई भी स्त्री स्वयं कर सकती है। महिलाओं में कैंसर से होने वाली मौत का एक प्रमुख फैक्टर ब्रेस्ट कैंसर भी है। स्वस्थ जीवनशैली, नियमित व्यायाम और पौष्टिक आहार अपनाकर इस बीमारी को दूर रखा जा सकता है। इसके बावजूद भी अगर बीमारी का आक्रमण हो गया हो, तो इसका इलाज भी संभव है। मन मजबूत रखना और को होता है उपचार पर भरोसा।

ब्रेस्ट कैंसर की सबसे बड़ी पहचान है ब्रेस्ट से रक्तस्राव होना या ब्रेस्ट की स्किन की परत का चमड़े की तरह दरदरा हो जाना। ब्रेस्ट में गांठ होना भी इसका एक बड़ा लक्षण है। यह गांठ लगातार बड़ी होती जाती है। इसमें दर्द नहीं होता, तो कई बार महिलाओं के द्वारा इसे सामान्य तौर पर ले लिया जाता है या महसूस होने पर भी परिवार के लोगों से छुपाया जाता है, जो आगे चलकर बहुत घातक सिद्ध होता है। यहां पर यह बात महत्वपूर्ण है कि 80 प्रतिशत गांठ कैंसर नहीं होती। इसलिए डरने की कोई जरूरत नहीं। डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है। आज जांच बहुत आसन हो गई है। पहले जांच के लिए सर्जिकल बायस्पी की जाती थी, पर आधुनिक टेक्नोलॉजी के बल पर आज टू कट गन के द्वारा बायप्सी की जाती है, जिसमें घाव 24 घंटे में ही भर जाता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े बताते हैं कि 2050 तक गरीब देशों में कैंसर से होने वाली मौतें दुगनी हो जाएंगी। दुनियाभर में कैंसर के नए रोगियों की संख्या 3 .30 करोड़ से भी अधिक हो जाएगी, जो आज के मुकाबले में 77 प्रतिशत अधिक है। वर्तमान में हर पांच में से एक आदमी कैंसर से प्रभावित है और 9 में से एक पुरुष और 12 में से एक महिला की कैंसर से मृत्यु हो जाती है। शराब, तंबाकू और मोटापा आराम तलब जीवन शैली भी कैंसर के लिए जिम्मेदार है। एचडीआई यानी उच्च विकास सूचकांक वाले देशों में 12 में से एक महिला को ब्रेस्ट कैंसर होता है और 70 में से एक की मौत हो जाती है। इसके विपरीत कम एचडीआई वाले देशों में 27 में से केवल एक महिला को स्तन कैंसर का दंश झेलना पड़ता है। यह बात थोड़ी आश्चर्यजनक है, लेकिन जीवनशैली का प्रभाव इसके पीछे है। कम आय, सीमित संसाधनों और शिक्षा के अभाव में रोगी की बेहतर देखभाल भी नहीं हो पाती। वर्तमान समय में दुनिया में सबसे अधिक फेफड़े और ब्रेस्ट कैंसर के मामले ही देखने में आ रहे हैं।

भारत में इसकी स्थिति

भारत की बात करें तो 28 में से एक भारतीय स्त्री अपने जीवन काल में ब्रेस्ट कैंसर का शिकार हो सकती है। तीसरी या चौथी स्टेज पर बीमारी का पता लगने पर इलाज काफी मुश्किल हो जाता है। शहरी क्षेत्र में रोगियों की संख्या ग्रामीण क्षेत्र की तुलना में अधिक है, जिसका प्रमुख कारण आराम तलब जीवनशैली, व्यायाम और संतुलित आहार की कमी, सिगरेट या अल्कोहल का सेवन है। ब्रेस्ट कैंसर से बचने का सबसे बढ़िया तरीका ब्रेस्टफीडिंग है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के द्वारा बच्चों को लंबे समय तक ब्रेस्टफीडिंग कराया जाता है इसीलिए वहां पर ब्रेस्ट कैंसर का खतरा शहरों की अपेक्षा कम है। जीवन की आपाधापी और मानसिक तनाव के कारण हार्मोनल इंबैलेंस भी इस रोग को बढ़ावा देता है। अनुवांशिकता भी एक बहुत बड़ा फैक्टर है। आंकड़ा बहुत परेशान करने वाला है कि हर 4 मिनट में एक भारतीय स्त्री में ब्रेस्ट कैंसर का पता चलता है। कैंसर से होने वाली मौतों का 27 से 32 प्रतिशत कारण ब्रेस्ट कैंसर है। कैंसर से उबरकर जीने वाली महिलाओं का प्रतिशत यूएस में 80 है, तो भारत में 60। महिलाओं में 30 से 50 साल की उम्र के बीच कैंसर की कोशिकाओं के विकसित होने की संभावनाएं सबसे अधिक पाई जाती हैं।

रोकथाम और सावधानी

बीमारी की पहचान के लिए मैमोग्राफी और बायप्सी जैसी जांचें की जाती हैं। रोगी को सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडियो थेरेपी और हार्मोनल थेरेपी जैसी जटिल प्रक्रियाओं से होकर गुजरना पड़ता है। कहा जाता है कि प्रिवेंशन इस बेटर दैन क्योर। इसी बात को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर जांच करना जरूरी है। हमारे देश में कुछ अस्पताल ऐसे हैं, जहां पर बेहतरीन एंकोलॉजी टीम के साथ ब्रेस्ट कैंसर के निदान के लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी उपलब्ध है, लेकिन यह सुविधाएं छोटे शहरों में नहीं है और समाज का एक बड़ा तबका इतना सामर्थ्यवान नहीं है कि वह बड़े शहरों के बड़े अस्पतालों में इलाज करा सके। हां, यह बात भी उल्लेखनीय है कि ब्रेस्ट कैंसर पुरुषों में भी पाया जाता है, जिसका इलाज भी बिल्कुल उसी तरह होता है जैसे महिलाओं का।

कम उम्र में बच्चों को जिम भेजना कितना ठीक

इंदु सिंह
लेखिका

आजकल फैशन और दिखावे के इस दौर में ऐसा भी देखने में आ रहा है कि कुछ लोग अपने बच्चों को 14 या 15 साल की उम्र से ही जिम भेजना शुरू कर देते हैं। वह यह नहीं समझ रहे हैं कि जिम की ट्रेनिंग से उनके बच्चे या बच्ची का शरीर अभी से इस तरह से बिगड़ सकता है कि बाद में फिर उसे संभालना शायद मुश्किल हो इसलिए अभी से समझ जाए तो बहुत अच्छा है। ऐसे लोगों को कम से कम इतना तो सोचना ही चाहिए कि जब तक किसी भी बच्चे का शरीर पूर्ण रूप से विकसित न हो जाए और वह व्यस्क न हो तब तक उसे इस तरह की किसी भी गतिविधि से दूर रखना चाहिए ,जो उसके अंग-प्रत्यंग पर गलत प्रभाव डाल सकती है।

बच्चों को तो खेलना-कूदना, दौड़ना-भागना और स्पोर्ट्स से जुड़ी सभी गतिविधियों को अधिक से अधिक करना चाहिए, जो उनके सर्वांगीण विकास के लिए बहुत ही अच्छी होती हैं। इसके अलावा वे चाहें तो योग कर सकते हैं, क्योंकि योग में से बहुत सारे आसन और क्रियाएं ऐसी होती हैं, जिन्हें की बच्चे बड़े आसानी से कर सकते हैं और यह उनके शरीर को किसी भी तरीके से कोई नुकसान नहीं पहुंचाती है। वहीं यदि जिम में जाकर बच्चे वजन उठाते हैं या वहां की अन्य मशीनों पर तरह-तरह के प्रयोग करते हैं, तो यह उनके शरीर पर गलत प्रभाव डाल सकता है, जिसका असर फिर उनके आने वाले जीवन व कोमल शरीर पर भी रहता है, क्योंकि यह सब चीज उनके प्राकृतिक विकास को बाधित कर देती है।

शरीर और मानसिक विकास पर दें ध्यान

कोई भी बच्चा जब तक वह 25 साल की उम्र का न हो जाए उसे जिम की ट्रेनिंग देना किसी भी तरीके से सही नहीं है। भले ही आप यह सोचकर उसे भेज रहे हैं कि ऐसा करने से वह हमेशा स्वस्थ रहेगा तो इसके अन्य विकल्पों पर भी विचार करना बेहद जरूरी है। आप एक बार केवल इतना सोचकर देखिए कि आपका बच्चा अभी एकदम उम्र के नाजुक दौर से गुजर रहा है, जहां उसके शरीर के साथ-साथ मस्तिष्क का भी विकास हो रहा है। ऐसे में यदि आप उसे जिम की कठोर ट्रेनिंग में लगा देते हैं, जहां पर ट्रेनर भले ही कितना भी प्रशिक्षित हो और वह उसे कितनी भी सावधानी से सारी एक्सरसाइज करवाए उसके बावजूद भी नि :संदेह यह आपके बच्चे के लिए बेहद नुकसानदायक साबित हो सकता है।

क्या जरूरी है दिखावा और फैशन

समाज में हम ऐसे कई बच्चों को देखते हैं, जिनके माता-पिता उसके दसवीं कक्षा में पढ़ने के बाद ही उसे जिम भेजने की अनुमति दे रहे हैं। जिसे देखकर बेहद दुख और अफसोस भी होता है कि उनके माता-पिता इतनी सामान्य-सी बात भी क्यों नहीं समझ पा रहे हैं? क्या दिखावा और फैशन इतना जरूरी है कि उसके लिए हम सही बात को भी न समझे और गलत का ही अनुकरण करें, जबकि इससे नुकसान भी दिखाई दे ही रहे हैं। कोई भी बच्चा यदि ऐसी जिद भी करता है तब माता-पिता को समझाना चाहिए कि बेटा अभी आपकी उम्र इस तरह के व्यायाम या मशीनों का उपयोग करने के लिए सही नहीं है। पहले आप पूरी तरीके से तन और मन से विकसित हो जाओ, उसके बाद आप इस तरीके का कोई भी कार्य कर सकते हों, उसके पूर्व आप अपने आपको स्वस्थ रखने के लिए अपनी दिनचर्या,अपना खान-पान और अपनी आदतों को ही सुधारने का प्रयास करें, जो आगे चलकर भी आपको स्वस्थ रख सकती हैं।

तन-मन की ग्रोथ और समझ जरूरी

आजकल जिम में 15-16 साल की उम्र के किशोर लड़के-लड़कियों को देखकर उनके माता-पिता की सोच पर आश्चर्य होता है। जिन्हें अपने अवयस्क बच्चे के तन-मन की ग्रोथ समझ में नहीं आ रही, जिसे यूं जिम में लगाकर उसे रोकना सही नहीं है। जिम वाले भले ही कहें कि वह बच्चे को उसकी उम्र के अनुसार ही एक्सरसाइज करवाएंगे और उसका ध्यान रखेंगे, उसके बावजूद भी उसे जिम में भेजना सही नहीं है, क्योंकि कितनी भी सावधानी रखी जाए आखिर बच्चा वहां अन्य मशीनों पर भी काम करना शुरू कर ही देता है। धीरे-धीरे उसके शरीर में ऐसे बदलाव आते हैं, जो उसे उसकी उम्र से बड़ा दिखाने लगते हैं और इसके अलावा बच्चे के शरीर का शेप भी बिगड़ने लगता है। एक बार यदि बच्चे के शरीर का कार्य प्रकार बिगड़ जाता है, तो फिर उसे संभालना कठिन होता और इसके अलावा उसके शरीर का लचीलापन भी समाप्त होने लगता है। अत : हर एक अभिभावक को यदि वह अपने किशोर लड़के या लड़की को जिम भेज रहे हैं, तो उन्हें सावधान होकर सोचने की आवश्यकता है।

शारीरिक विकास और जोखिम

- कम उम्र के बच्चों का शरीर निरंतर विकास की अवस्था में होता है। इस उम्र में उनकी हड्डियां, मांसपेशियां और जोड़ों के आसपास की ग्रोथ प्लेट्स पूरी तरह मजबूत नहीं होतीं। अगर इस अवस्था में बच्चा मशीनों पर हैवी वजन उठाने लगे, तो यह प्लेट्स पर दबाव डाल सकता है और भविष्य में ऊंचाई या हड्डियों की वृद्धि पर विपरीत प्रभाव डाल सकता है।
- अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (एएपी) और इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) दोनों का सुझाव है कि 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को वजन आधारित प्रशिक्षण सीमित या प्रशिक्षक की निगरानी में ही करना चाहिए। इसके बजाय, उन्हें बॉडीवेट एक्सरसाइज जैसे पुशअप, स्क्वाट, प्लैंक, योग और साइक्लिंग जैसे प्राकृतिक व्यायाम करने चाहिए।

कब से भेजना ठीक है

- अधिकांश विशेषज्ञों का मानना है कि 14-16 वर्ष की उम्र के बाद, जब शरीर में पर्याप्त परिपक्वता और संतुलन विकसित हो जाए, तब बच्चों को जिम में भेजा जा सकता है-वह भी प्रशिक्षित कोच की देखरेख में।
- इस उम्र में हल्की स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, कार्डियो और फ्लेक्सिबिलिटी एक्सरसाइज शरीर को मजबूत और अनुशासित बनाती है।
- 10-12 वर्ष से पहले जिम भेजना न केवल अनावश्यक, बल्कि जोखिमपूर्ण भी हो सकता है।

माता-पिता के लिए सुझाव

- बच्चों को फिटनेस की शुरुआत खेल, योग और आउटडोर गतिविधियों से कराएं।
- टीवी, मोबाइल और वीडियो गेम की जगह रोजाना 45 मिनट की शारीरिक सक्रियता को बढ़ावा दें।
- अगर बच्चा फिटनेस में रुचि दिखा रहा है, तो पहले बॉडीवेट या योग से शुरुआत कराएं, जिम से नहीं।
- किसी भी प्रशिक्षण से पहले डॉक्टर या फिटनेस एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

साप्ताहिक राशिफल

-पं .मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष — यह सप्ताह थोड़ा उठापटक भरा रहने वाला है। आपको किसी के साथ वाद-विवाद करने और बात-बात में क्रोध करने की प्रवृत्ति से बचना होगा। सप्ताह की शुरुआत में आपको किसी कार्य विशेष के लिए लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

वृष — यह सप्ताह औसत फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह आपको न ज्यादा लाभ होगा और न हानि होगी। सप्ताह की शुरुआत में आपको किसी धार्मिक-मांगलिक कार्य में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। इस दौरान आप अपने इष्ट-मित्र एवं घर-परिवार के सदस्यों के संग अधिक से अधिक समय बिताना पसंद करेंगे।

मिथुन — यह सप्ताह मिश्रित फल लिए हुए है। सप्ताह की शुरुआत में नौकरीपेशा जातकों के सिर पर अचानक से कामकाज का अधिक बोझ आ सकता है। इस सप्ताह आपको अपने करियर और कारोबार सफलता और लाभ की प्राप्ति के लिए अपना एक कदम पीछे भी करना पड़ सकता है।

कर्क — इस सप्ताह अपने काम को करते समय आलस्य से बचना होगा। करियर अथवा कारोबार के सिलसिले में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा काम को टालने की प्रवृत्ति आपके लिए अत्यधिक नुकसान का कारण बन सकती है।

सिंह — यह सप्ताह करियर-कारोबार और निजी जीवन से जुड़ी कुछ चुनौतियों को लिए रहने वाला है। हालांकि आप अपनी सूझबूझ से सभी चुनौतियों से पार पाने में अंतत : कामयाब हो जाएंगे। सप्ताह की शुरुआत में आपको कार्यक्षेत्र से जुड़े टारगेट को पूरा करने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता बनी रहेगी।

कन्या — इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों को पूरा करने के लिए आपको अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है। आपको अपने निजी और पेशेवर जीवन में संतुलन बनाकर चलने की आवश्यकता रहेगी। ऐसे में धैर्य के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहें। करियर-कारोबार की दृष्टि से सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध ज्यादा शुभता लिए रहने वाला है।

तुला — इस सप्ताह कुछ पाने के लिए कुछ खोने के लिए तैयार रहना होगा। कहने का तात्पर्य है कि आपको किसी विशेष चीज की प्राप्ति के लिए उसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। यदि आपका भूमि-भवन अथवा पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा है, तो इस सप्ताह किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से उसका समाधान निकलने की संभावना बनेगी।

वृश्चिक — यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। इस सप्ताह आपको परिश्रम के मुकाबले कुछ कम फल की प्राप्ति होगी। कठिन परिश्रम और प्रयास के बावजूद आधिकारीगण आपके कार्य से संतुष्ट नजर नहीं आएंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अपने अधीनस्थों से भी सहयोग और समर्थन अपेक्षाकृत कम मिल पाएगा।

धनु — यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। इस सप्ताह आपको धन से संबंधित मामलों में कुछ मुश्किलें आ सकती हैं। सप्ताह की शुरुआत में आपको लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा करना पड़ सकता है। यात्रा थकान भरी और उम्मीद से कम फलदायी साबित होगी, जिसके चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रह सकता है।

मकर — यह सप्ताह बीते हफ्ते के मुकाबले थोड़ा बेहतर रह सकता है। यदि आप सूझबूझ के साथ अपने समय, धन और ऊर्जा का प्रबंधन करके चलते हैं, तो आपके लिए यह सप्ताह आपकी उम्मीद से कहीं ज्यादा फलदायी और लाभदायी साबित हो सकता है। इस दौरान आपका मन धार्मिक-आध्यात्मिक कार्यों में खूब रमेगा। किसी तीर्थ स्थान की यात्रा भी संभव है।

कुंभ — यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। कारोबार की दृष्टि से सप्ताह का पूर्वार्ध शुभता और लाभ लिए है। इस सप्ताह आप अपने जीवन में किसी प्रकार का शार्टकट लेने से बचें और नियमों का उल्लंघन भूलकर भी न करें अन्यथा आपको आर्थिक एवं मानसिक परेशानी झेलनी पड़ सकती है।

मीन — यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। आपको आवश्यक कार्यों को करने में किसी भी प्रकार आलस्य करने से बचें, अन्यथा बने-बनाए काम भी बिगड़ सकते हैं। व्यवसाय से जुड़े लोगों को आय के मुकाबले व्यय की अधिकता रहेगी। इस सप्ताह आपके काम कभी बनते तो कभी अटकते हुए नजर आएंगे।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 31

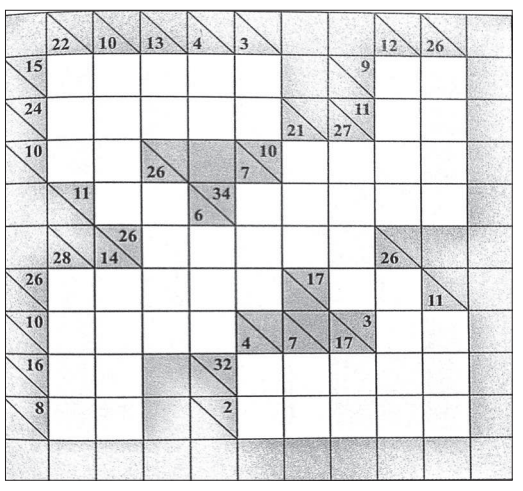

काकुरो 30 का हल

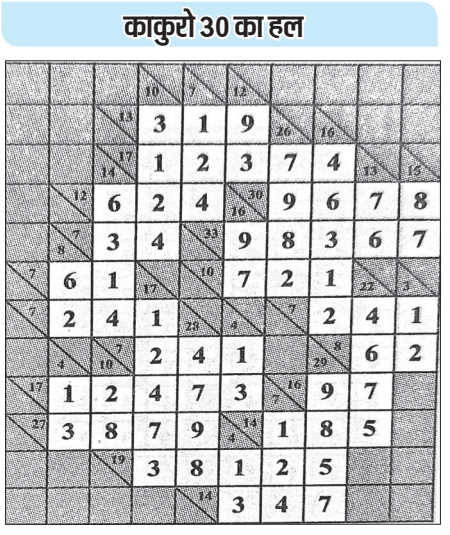

कहानी

खोए हुए लम्हों की तलाश

शहर की ऊंची-ऊंची इमारतों के बीच एक आलीशान मकान था- "कपूर विला"। बाहर से झिलमिल करता हुआ, जैसे किसी सपने की चमक, लेकिन भीतर-भीतर ही कुछ ऐसा था, जो टूट चुका था जैसे कोई पुराना संगीत, जिसने अपने सुर खो दिए हों। आदित्य कपूर-नाम, शोहरत और सफलता का दूसरा नाम। उसकी कंपनी "कपूर ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज" देश की प्रमुख औद्योगिक इकाइयों में गिनी जाती थी। सुबह की किरणों के साथ ही उसका दिन मीटिंग्स, कॉल्स और प्रोजेक्ट्स से शुरू होता और रात की निस्तब्धता तक वही उसका साथी बना रहता। दफ्तर की चमकदार रोशनी में उसने कभी यह नहीं देखा कि उसके अपने घर के कोनों में अंधेरा फैलता जा रहा है। उसकी पत्नी निशा कपूर, एक शांत, सुलझी हुई, स्नेहमयी स्त्री। वह उस घर की आत्मा थी, जिसने उस घर को सिर्फ ईंटों से नहीं, भावनाओं से बनाया था, लेकिन अब वह मुस्कान जो कभी आदित्य को थकान भूलने पर मजबूर कर देती थी, धीरे-धीरे धुंधली होने लगी थी। हर शाम जब वह दरवाजे की ओर देखती, उसकी उम्मीद बस एक आवाज पर टिकी रहती। "निशा! मैं आ गया।" लेकिन यह आवाज अब महीनों से नहीं सुनी थी। तीनों बच्चे अर्जुन, आयुषी और करण अपने-अपने संसार में पिता की अनुपस्थिति के साथ बड़े हो रहे थे। अर्जुन, सबसे बड़ा बेटा, कॉलेज में पढ़ता था। पढ़ाई में तेज, महत्वाकांक्षी और अपने पिता जैसा बनने की चाह रखने वाला। पर जब भी वह सफलता की बात सोचता, पिता का चेहरा नहीं, बस एक खाली डाइनिंग टेबल याद आती थी। एक रात उसने मां से पूछा- "मां! क्या पापा को हमसे मिलना अच्छा नहीं लगता?" निशा ने हल्की मुस्कान से कहा-"ऐसा मत सोचो बेटा! वो हमसे बहुत प्यार करते हैं। बस काम ज्यादा है।" अर्जुन बोला- "हर बार यही कहते हैं- 'बस इस प्रोजेक्ट के बाद'। मां! क्या प्रोजेक्ट कभी खत्म नहीं होता?" निशा की आंखें भीग गईं। उसने धीरे से कहा "शायद नहीं बेटा! शायद प्रोजेक्ट का नाम ही जिंदगी है उनके लिए।"

विजय कुमार पाठक
गोरखपुर

मझली संतान आयुषी बेहद संवेदनशील थी। वह अपने पिता से कुछ नहीं कहती थी, पर हर रात अपनी डायरी में लिखती- "पापा आज मैंने स्कूल में कविता सुनाई। सबके पापा आए थे, बस आप नहीं" और हर पन्ने के नीचे एक ही पंक्ति- "शायद मैं आपके लिए वक्त के लायक नहीं।" सबसे छोटा बेटा करण अब भी बचपन की मासूमियत में जी रहा था। वो टीवी पर जब अपने पापा को अवॉर्ड लेते देखता, तो खुशी से चिल्लाता- "मां! पापा टीवी में रहते हैं क्या? वो कभी घर क्यों नहीं आते?" निशा बस उसे सीने से लगाकर आंसू छिपा लेती। एक शाम आदित्य घर लौटा तो घर में सन्नाटा था। निशा लिविंग रूम में बैठी थी। टेबल पर बच्चों की पुरानी तस्वीरें फैली थीं। एक तस्वीर में तीनों बच्चे उसकी गोद में थे, चेहरों पर हंसी थी, आंखों में अपनापन। तस्वीर के नीचे आयुषी की हैंडराइटिंग में लिखा था- "कभी-कभी वक्त भी इंसानों से नाराज हो जाता है, पापा!" यह एक वाक्य नहीं था, एक चोट थी, जो आदित्य के भीतर उतर गई। उसे लगा जैसे किसी ने उसकी आत्मा का आईना दिखा दिया हो। उस रात वो नींद में करवटें बदलता रहा। वो सोचता रहा- "क्या सच में मैंने वक्त को ही सब कुछ मान लिया? और जिनके लिए वक्त जुटा रहा था, उन्हें ही खो दिया?" अगली दोपहर वह ऑफिस मीटिंग में था। फोन बजा-"सर, आयुषी हॉस्पिटल में है।" बस इतना सुनते ही उसकी सांसें रुक गईं। फाइलें, कॉन्ट्रैक्ट्स, बिजनेस प्लान सब धुंधले हो गए। वो गाड़ी से सीधे हॉस्पिटल पहुंचा। डॉक्टर ने कहा- "ज्यादा तनाव और नींद की कमी। लगता है बच्ची भावनात्मक रूप से बहुत दबाव में है।" आदित्य की आंखें नम थीं। वो आयुषी के सिरहाने बैठ गया। पहली बार उसने बेटी के माथे पर हाथ फेरा। थोड़ी देर बाद आयुषी की आंखें खुलीं। धीरे से बोली-"आप आए सच में?" उसकी आवाज में अचरज था, जैसे किसी ने उसे सपने में बुलाया हो। आदित्य की आवाज भर्रा गई- "हाँ बेटा! अब मैं कहीं नहीं जाऊंगा।" "सच?" उसने पूछा। "हां, अब कोई मीटिंग तुझसे ज्यादा जरूरी नहीं।" उस रात वह हॉस्पिटल की बेंच पर ही सो गया। पहली बार बिना किसी फोन, ईमेल या मीटिंग के। अगले दिन से सब कुछ बदल गया। आदित्य ने हर मीटिंग कैंसिल कर दी। ऑफिस के लोग हैरान थे, मीडिया ने इसे "कपूर का मानसिक अवकाश" कहा, पर आदित्य ने परवाह नहीं की। अब वह सुबह अर्जुन के साथ नाश्ता करता, करण को स्कूल छोड़ने जाता और शाम को निशा के साथ टहलने निकलता। पर रिश्ते जो सालों की दूरी में बिखरे हों, वे एक दिन की उपस्थिति से नहीं जुड़ते। अर्जुन अब नौकरी में था, आयुषी कॉलेज के प्रोजेक्ट्स में व्यस्त, करण दोस्तों में मगन। एक शाम आदित्य ने निशा से कहा- "अब जब मेरे पास वक्त है, तो किसी के पास मेरे लिए वक्त नहीं।" निशा ने उसका हाथ थामते हुए कहा- "तुम्हारे पास वक्त नहीं था तब सब तुम्हें चाहते थे, अब जब तुम आए हो, उन्हें आदत बदलने दो, आदित्य।" उसके शब्द जैसे मरहम थे। धीरे-धीरे आदित्य ने बच्चों के करीब आने की कोशिश की। एक दिन अर्जुन आया तो आदित्य ने मुस्कुराकर पूछा- "कॉफी पियोगे मेरे साथ?" "आपको कब से कॉफी पीने की फुरसत मिलने लगी, डैड?" अर्जुन ने हंसते हुए कहा। आदित्य ने गंभीरता से कहा-"जबसे जाना कि सफलता के पीछे जो छूट जाए, वो कभी लौटकर नहीं आता।" दोनों देर तक चुप बैठे रहे, लेकिन वो चुप्पी इस बार बोझ नहीं, एक शुरुआत थी। दूसरी शाम आयुषी ने कहा- "पापा! मैं सोच रही हूं 'फैमिली टाइम' नाम का प्रोजेक्ट बनाऊं। हर रविवार कोई काम नहीं, सिर्फ हम।" आदित्य ने मुस्कुराकर हामी भरी-"सबसे बड़ा प्रोजेक्ट यही होगा।" पहले रविवार सब अजीब-से थे। अर्जुन मोबाइल पर, आयुषी किताब में, करण टीवी में और आदित्य सबको देखता रहा।

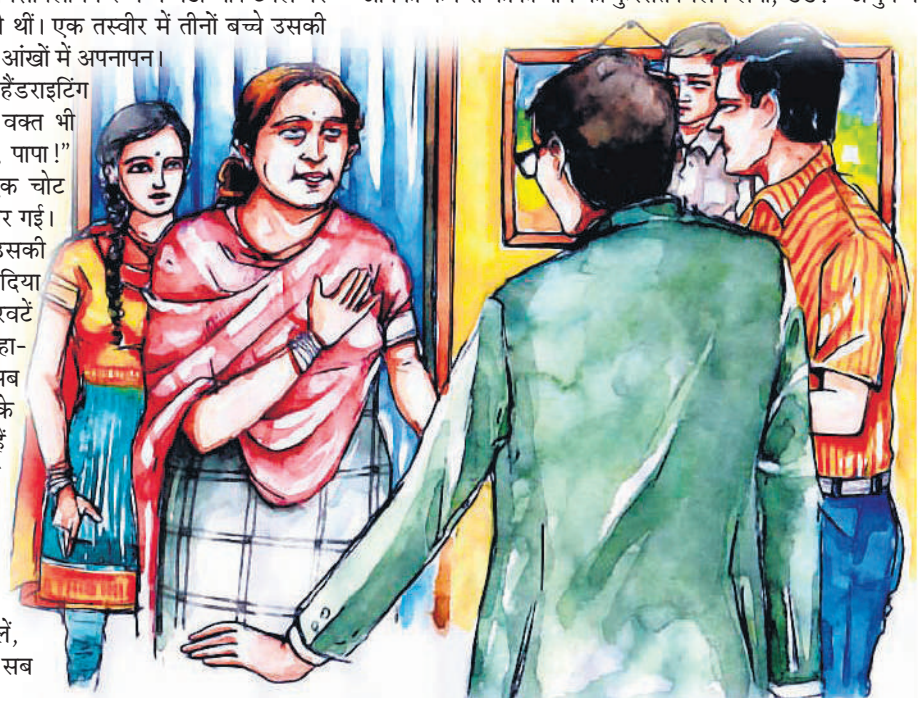

अचानक करण ने पूछा-"पापा! आप क्रिकेट खेल सकते हैं?" आदित्य ने मुस्कुराकर बल्ला उठाया और बोला- "पापा को मत आजमाओ बेटा। तुम्हें हराना मुश्किल है।" गेंद उड़ी, हंसी बिखरी और निशा की आंखों में फिर वही पुराना उजाला लौट आया। कुछ हफ्तों बाद अर्जुन देर रात आया। पापा लिविंग रूम में बैठे थे, किताब पढ़ते हुए। अर्जुन बोला- "डैड! आप अब भी काम करते हैं?" आदित्य-"अब नहीं बेटा! अब पढ़ता हूं खुद को।" अर्जुन- "कभी लगा कि आप गलत थे?" आदित्य- "हर रोज लगता है, लेकिन ये भी समझा कि गलती करना आसान है, उसे स्वीकार करना मुश्किल।" अर्जुन ने कहा- "आपने गलत नहीं किया डैड, बस वक्त गलत था।" आदित्य ने मुस्कुराते हुए कहा- "नहीं बेटा! गलती वक्त की नहीं थी, मेरी थी। मैंने वक्त को ही जीवन समझ लिया।" कुछ देर तक दोनों चुप रहे, फिर अर्जुन ने आगे बढ़कर अपने पिता को गले लगाया। वो गले मिलना जैसे वर्षों की दूरी मिटा गया। अब घर में हंसी गूंजने लगी थी। निशा ने कहा- "तुम्हें याद है आदित्य, जब अर्जुन तीन साल का था, तुमने उसे झूले पर झुलाया था?" आदित्य मुस्कुराया- "अब करण को झुलाऊंगा ब्याज समेत।" दोनों हंस पड़े। आयुषी ने अपनी डायरी में लिखा- "आज पापा ने मेरे लिए चाय बनाई" आदित्य मन में ही सोंचा- "काम बहुत जरूरी है, पर परिवार सबसे ज्यादा।' अब समझ आया, वक्त अगर हाथ से निकल भी जाए, तो प्यार उसे वापस ला सकता है।"

सालों बाद "कपूर विला" फिर से मुस्कानों से भर गया था। अब आदित्य कम कमाता था, पर जीता ज्यादा था। करण उसके साथ पार्क में खेलता, आयुषी कॉलेज में प्रोजेक्ट प्रस्तुत करती, तो पापा सबसे आगे बैठते और अर्जुन जब ऑफिस से थककर लौटता, तो डैड कहते- "थक गए हो? चलो, आज खाना मैं बनाऊंगा।" निशा ने देखा कि अब वो आदमी जो कभी घर में मेहमान जैसा था, अब उस घर की सांस बन गया था।

एक शाम सब छत पर बैठे थे। आदित्य ने आसमान की ओर देखा और कहा- "शायद वक्त अब मुझसे नाराज नहीं है।" निशा ने मुस्कुराकर कहा- "वक्त नाराज नहीं था आदित्य, नाराज तो तुम्हारा दिल था' अब वो भी लौट आया है।" घर की बत्ती टिमटिमा रही थी, पर इस बार वो टिमटिमाहट अंधेरे की नहीं, जीवन की लौ की थी। कभी-कभी जिंदगी हमें बहुत ऊंचाइयों पर पहुंचा देती है, जहां पहुंचकर हम भूल जाते हैं कि नीचे कौन हमारा इंतजार कर रहा है। आदित्य ने देर से सही, पर यह सीख लिया- "रिश्ते मेहनत से नहीं, उपस्थिति से बनते हैं।"

कविताएं/गीत

शिक्षा

शिक्षा है दूध शेरनी का,
तुम पीकर दहाड़ लगाना।
जो आंख दिखाए, तुम भी
उसको आंख दिखाना।
ज्ञान शील विज्ञान बढ़ाओ
तर्कशील हो चिंतन।।
न स्वार्थ हो मन में कोई,
हो सच्चाई का मंथन।
मानवता है सबसे ऊपर,
तुम कर्म को धर्म बनाना।
सत्य आचरण परोपकार को
जीवन में अपनाना।
मत फंसना गोरख धंधों में,
पाखंड को दूर भगाना।
ज्ञान का दीप जलाकर पथ में
आगे बढ़ते जाना।
शिक्षा है दूध शेरनी का,
तुम पीकर दहाड़ लगाना।
जो आंख दिखाए तुम
भी,उसको आंख दिखाना।।

देश बनेगा श्रेष्ठ हमारा,
जब हम सब पहरेदार बनें।
भ्रष्ट आचरण कहीं दिखे,
तब हम सब थानेदार बनें।
जिम्मेदारी हो सबकी,
आचरण हमेशा स्वच्छ बनें।
जाति-धर्म का भेद मिटे,
सब हंसते-खिलते फूल बनें।
शिक्षा धर्मों से हो ऊपर,
सब तर्कशील विद्वान बनें।
खुद के भाग्य विधाता हो,
मानवता का कल्याण बनें।
शिक्षा है दूध शेरनी का,
तुम पीकर दहाड़ लगाना।
जो आंख दिखाए तुम
भी,उसको आंख दिखाना।।

डॉ.रजनीश गंगवार
बहेड़ी, बरेली

धरातल

ऊसर हृदय भूमि
पर कविताओं की
फसल नहीं उग सकती
संवेदनहीनों तक मेरी
कविता नहीं पहुंच सकती
यह वह सच है
जिसकी गवाही मैं देता हूं
हर कवि देता है
उनके लिए डांस क्लब है
मदिरालय है, शोरगुल का
मैच है
चलचित्र की अनेकों
बीमारियां हैं
पर उनके नसीब में
किसी कविता का आत्मिक
सुख नहीं-सुकून नहीं
यह सुख मेहनतकश मजदूर
स्त्री हृदय पुरुष
संवेदनाएं ढोता आदमी ही
महसूस करता है।

सुरेश सौरभ
साहित्यकार, लखीमपुर खीरी

सभ्यता का सफर

रिश्तों की चिमनियां बुझाकर
खुशियां बांटने का हुनर
न जाने कहां से सीख आए
मूल्यविहीन लक्ष्य के पथ पर
मानव क्यों
प्रलय की ओर अग्रसर है?

पाशविकता यहां चरम पर है
और आस्था के प्रश्न
भौतिक हो गए हैं
सुलगते प्रश्नों की कई
पोटलियां
बरगद की तरह
फैलती ही जा रही हैं

उम्र अब विश्वास की
चुकने लगी है
हारता है कौन, जीतता है
कौन?
भीड़कर रही निर्णय सारे
मानवता पर हावी
पशुता के नश्तर
आखिर कब तक चुभते रहेंगे?

हमारी सभ्यता-संस्कृति
के रहस्य
जब तक मुखर हो,
सत्य नहीं बोलेंगे
प्रश्नों के दरवाजे पर लगे ताले
जब तक नहीं टूटेंगे
धर्मग्रंथों का कोई शब्द
नपुंसक आजादी की
लंगड़ी टांगे तोड़ेगा
तब सभ्यता का सफर होगा
पूरा।

राजकुमार जैन राजन
कवि, राजस्थान

लघुकथा

सत्संग

"गुरुजी जिसे बुलाते हैं, वहीं उनके दर्शन पाता है, ये ढोर-डंगर तुम सम्हालो, मैं जे मौको छोड़न वाली नाय।" कहकर राजवती आश्रम की बस में बैठ गई।

गुरुजी के सत्संग में जाने से उसके पति सरवन को आपत्ति नहीं थी, लेकिन पत्नी की अनुपस्थिति में अपाहिज बेटे और दूध देती गायों की देखभाल कैसे होगी इस बात से वह परेशान था, फिर इस बार तो तीन दिन तक सत्संग चलना था। राजवती के साथ मुन्नी, चंपा, रानी और कल्लू की अम्मा सहित बहुत सी औरतें बस में सवार हो गईं। सत्संग स्थल पर हजारों स्त्री-पुरुषों की भीड़ एकत्र हो गई सत्संगियों में बच्चे भी शामिल थे।

अतुल मिश्र
डिप्टी मैनेजर (इफको)

प्रारंभ से ही उद्घोषक मधुर भाषा में संबोधित करने लगे-"आप सभी पर साक्षात हरि ने कृपा की है, जो आप यहां आ सके। गुरुजी की कृपा से कोई खाली हाथ नहीं जाएगा, जिसके मन में पाप नहीं है, उसे सब कुछ मिलेगा।" वर्दीधारी स्वयंसेवक व्यवस्था बनाने में जुटे हुए थे। सभी को खाने के पैकेट दिए गए। घर के पूजा स्थल में रखने के लिए गुरुजी का एक चित्र दिया गया, इसी बीच भक्तों को दर्शन देने के लिए झिल-मिल रोशनी के बीच गुरुजी एक ऊंचे मंच पर विराज गए। अब नारी उद्घोषक का सुर गूंजा "लंबी सांस लेकर साक्षात हरि का दर्शन करो। मन से संदेह निकाल दो। गुरुजी ईश्वर का स्वरूप है। उनके दाहिने हाथ की उठी हुई उंगली को देखो। उस पर एक चक्र घूमता हुआ दिखाई देगा, जिसके मन में कपट है उसे यह नहीं दिखेगा, जो मांगोगे वह मिलेगा। सभी लोग बोलो गुरुजी की जय।" "गुरुजी की जय" "गुरुजी की जय" हजारों की भीड़ ने जयकारा लगाया। गुरुजी मंच से उतरकर अपने विशेष वाहन 'रथ' की तरफ बढ़े।

"जो भक्त गुरुजी के रथ के चक्र की रज तुरंत स्पर्श कर लेगा, उसके सभी दुःख दूर हो जाएंगे। इस दरबार से आज तक कोई खाली हाथ नहीं लौटा है, जो चाहोगे वह पाओगे।" ओजपूर्ण वाणी में माइक फिर गूंजा। राजवती अपने पोलियो ग्रसित अपंग बेटे के लिए रज लेने हेतु दौड़ पड़ी। उसकी देखा-देखी अनेक स्त्रियां और पुरुष भी दौड़ पड़े। गुरुजी की चरण रज से वे सभी अपना दुःख दूर कर लेना चाहते थे। सेवकों ने रथ को आगे बढ़ाया, पीछे छूटी चरण रज पर भीड़ टूट पड़ी। सब एक दूसरे पर गिरने लगे, जो एक बार जमीन पर गिरा, भीड़ के कदमों से कुचल दिया गया। स्त्री हो या पुरुष जो गिरा वह उठ न सका। हायतौबा मच गई। संगी साथी बिछुड़ गए। मुन्नी और चंपा सहित दर्जनों लोग भगदड़ में मारे गए।

तीसरे दिन सरकारी अस्पताल के बेड पर राजवती को होश आया। पूरा शरीर गुम चोटों से भरा हुआ था। सरवन ने राहत की सांस ली। राजवती धीरे से बोली " सब गुरुजी की लीला है, जिनको मोक्ष मिलना था, उन्हें इस तरह से मिल गया। हमसे कछु भूल भई होएगी, जो हमें छोड़ दओ गओ।" सरवन ने अपना माथा पकड़ लिया।

निर्णय

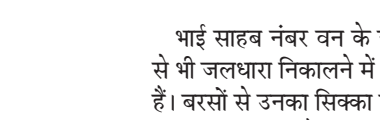

गर्भवती अपरिमिता को उसका पति जय आज नॉर्मल चेकअप के लिए अस्पताल ले गया था। गायनेकोलॉजिस्ट ने चेकअप करने के बाद बताया कि भ्रूण में कुछ एबनॉर्मेलिटी दिख रही है। इसकी प्रबल संभावना है कि बच्चा पूरी तरह से सामान्य नहीं होगा। एबनॉर्मेलिटी कितने प्रतिशत होगी, यह बता पाना अभी संभव नहीं है। बाकी आप दोनों विचार-विमर्श कर लीजिए कि आप रिस्क लेना पसंद करेंगे या एबॉर्शन कराएंगे।

आस्था आरती
लेखिका, कानपुर

यह सुनकर जय बोला, 'मैडम सोचने और निर्णय लेने का काम पुरुषों का होता है, महिलाओं का नहीं। मैंने निर्णय कर लिया है कि एबॉर्शन कराना है। एबनॉर्मल बच्चे की परवरिश में पूरा जीवन पूरा खप जाता है। मैं बच्चे के लिए पूरा जीवन दांव पर नहीं लगा सकता।' यह सुनकर अपरिमिता और गायनेकोलॉजिस्ट उसका चेहरा देखते रह गए।

समीक्षा

गीत का दस्तावेज

101 प्रतिनिधि गीतकार बहुमुखी प्रतिभा के धनी वरिष्ठ कवि अशोक अंजुम के संपादन में प्रकाशित हुई है "101 प्रतिनिधि गीतकार" पुस्तक। यह अशोक अंजुम की 72 वीं किताब है। अब तक कुल मिलाकर अंजुम जी की 32 मौलिक और 40 संपादित किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं। काव्य-मंच हो या प्रकाशन, अशोक 'अंजुम' दोनों ही जगह अपनी गहरी पैठ रखते हैं। 101 प्रतिनिधि गीतकार पुस्तक को दो भागों में बांटा गया है- पहले भाग में 3 अगस्त 1886 को जन्मे मैथिली शरण गुप्त से लेकर 21 मार्च 1971 के देवल आशीष तक 38 कीर्ति शेष प्रतिनिधि गीतकार रखे गए हैं। इस खंड में वे गीतकार हैं, जो आज हमारे बीच में नहीं हैं, लेकिन गीत के क्षेत्र में उनकी कीर्ति पताका सदैव फहरती रहेगी। इस किताब में अलीगढ़ से गीत ऋषि पद्मभूषण नीरज अपने प्रसिद्ध गीत "कारवां गुजर गया, गुबार देखते रहे" के साथ उपस्थित हैं, तो वहीं बरेली से गीत के श्रेष्ठ हस्ताक्षर किशन सरोज अपने लोकप्रिय गीत- " नागफनी आंचल में बांध सको तो आना, धागों बिंधे गुलाब हमारे पास नहीं।" से जादू जगा रहे हैं। इस प्रथम खंड में चाहे जयशंकर प्रसाद हों, महादेवी वर्मा, पंत, दिनकर, बच्चन, नेपाली, भारत भूषण, कुंअर बेचैन, किशन सरोज, उर्मिलेश आदि सभी अपने लोकप्रिय गीत के साथ प्रकाशित हुए हैं। दूसरे खंड में वर्तमान गीत पुरोधा हैं। इन गीतकारों की श्रृंखला 5 मार्च 1934 को जन्मे वरिष्ठ गीतकार सोम ठाकुर से प्रारंभ होकर, संतोषानंद, बुद्धिनाथ मिश्र, शिव ओम अंबर, विष्णु सक्सेना, सरिता शर्मा, स्वयं अशोक अंजुम, डॉ. कीर्ति काले आदि से होती हुई 01 मार्च 1993 में जन्मे युवा कवि राहुल शिवाय तक पहुंचती है। इस खंड में 63 गीतकारों को रखा गया है। पुस्तक का कलेवर बहुत ही शानदार है, जिसे श्वेतवर्णा प्रकाशन, नोएडा ने बड़े मन से प्रकाशित किया है। निश्चित रूप से यह किताब गीत की दुनिया का एक ऐतिहासिक दस्तावेज बन गई है। 349 रुपये मूल्य की इस कृति को गीत प्रेमियों और शोधार्थियों के लिए एक अनिवार्य पुस्तक के रूप में रेखांकित किया जाना चाहिए।

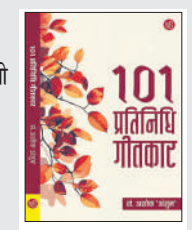

पुस्तक-101 प्रतिनिधि गीतकार
संपादक- अशोक 'अंजुम'
प्रकाशन- श्वेतवर्णा प्रकाशन, नोएडा
मूल्य-349/-
समीक्षक-डॉ. दौलत राम शर्मा

अनुभूति

एक उदास सी लड़की

'तुम सोचते हुए भी कितनी हसीन लगती हो!' उसने कहा तो पलटकर उसे यूं देखा जैसे भांप गई हो कि तारीफ, तारीफ के लिए की ही नहीं गई। दरअसल वो चाहता था कि उसकी प्रेमिका इतना न सोचा करे इसलिए जब भी उसे दूर किसी चीज पर नजर टिकाए हुए अपलक देखते हुए देखता तो चुटकी बजाकर नहीं, पर किसी मजाक, किसी तस्वीर या किसी ऐसे ही तारीफ के बहाने उसका सारा ध्यान अपनी तरफ खींच लेता। आमतौर पर वो उसकी ऐसी बातों पर चिढ़ जाया करती मुस्कुराया करती, आज बस उसके कांधे पर सिर टिकाया और आंखें बंद कर ली। कहती भी तो क्या! इतने सारे विचारों को ठीक-ठीक शब्द देने में चूक हो सकती थी। कभी उसे लगता 'सब तो पा लिया है फिर सोचना कैसा!' कभी लगता 'जो पाया है क्या वही पाना चाहती थी!' कभी सोचती, 'सबके साथ होकर भी अकेला क्यों महसूस करती है, क्या तलाशती है!' और कभी अपने ही एकांत से भी दूर भाग जाना चाहती है। शहर से दूर इस किले की किसी बाहरी दीवार पर पीठ टिकाकर बैठने से जहां सारा शहर एक साथ दिखाई देता है और किला शहर का होकर भी अकेला। वैसे ही उसकी मन की आंखें लोगो को देखतीं, उन सभी को एक साथ और खुद को उनकी पहुंच से बहुत दूर। सिर्फ देखने भर से कोई नजर में ही तो समाता है, मन तक का सफर इससे कहीं आगे की बात है। कुछ ही देर में मोबाइल पर मैसेज दिखा। काउंसलिंग पांच बजे होनी थी। आज अचानक उसने कहा, 'सुनो, तुम मुझे छोड़ सकते हो।' इस बार लड़का समझ गया बात किस बाबत कही गई है। उसने आसमान में उड़ती पतंग को देखकर कहा, 'देखो वो पतंगे डोर कुछ ऐसी जुड़ चुकी है कि अब या तो दोनों साथ आकाश में लहराएंगी या साथ धरा पर आएंगी, पर साथ तो तय है।' लड़की रोना चाहती थी, पर रोई नहीं। लड़का अब भी समझ गया और उसे सीने से लगा लिया। एक उदास सी लड़की, एक खुशमिजाज सा लड़का।

मनप्रीत
लेखिका

व्यंग्य

भाई साहब सन्नाटे में

हमारे शहर में यूं तो बहुत से नामचीन शायर, कवि और साहित्यकार रहते हैं, मगर सागर संतोषी का नाम सबसे पहले लिया जाता है। उन्होंने अपना नाम संतोषी जरूर रखा है मगर हैं बड़े असंतोषी और खुदगर्ज आदमी, खुद को नूर-ए-नजर और किताबों का चश्मों चिराग, अदीबों का रोशन-ए अदब और न जाने कौन-कौन सी उपाधियों से अलंकृत समझते हैं? आलोचक दबी जुबान से उन्हें चुग कभी भी कहते हैं। कुछ लाभार्थी चेले और चेलियां यदा-कदा भाई साहब को बाकलम सलामी देने के लिए जरूर उनके दरवाजे पर आते हैं। उनका मानना है कि साहित्य रूपी वृक्ष का एक भी पत्ता उनकी मर्जी के बिना हिल नहीं सकता।

भाई साहब नंबर वन के जुगाड़ू और मरुस्थल से भी जलधारा निकालने में महारत हासिल रखते हैं। बरसों से उनका सिक्का साहित्य की दुनिया में बदस्तूर चल रहा है। इधर शहर के दो-तीन नए प्रतिभाशाली और खोजी साहित्यकार बागी हो गए हैं। भाई साहब चिट्ठियां लिखते रह गए और यह नवांकुर मेल और नए-नए साधनों को अपनाकर देश में नामचीन हो गए। उनकी तरक्की देखकर भाईसाहब की भृकुटी वैसे ही तन जाती है, जैसे शिव धनुष के टूटने पर परशुराम जी की तन गई थी।

साहित्य के नए बछड़े आए दिन कोई न कोई बखेड़ा करने लगे। भाई साहब उनकी तरक्की को देखकर कुरकुरा कर रह जाते हैं। एक दिन सुबह के अखबार में नंदू नटखट की फोटो उसकी किताब के साथ छपी और नीचे कैप्शन में लिखा था कि- उत्तर प्रदेश की नई धड़कन नंदू नटखट को साहित्य अकादमी सम्मान देने की घोषणा की गई। जब भाई साहब की नजरें इस समाचार पर पड़ी तो वे सन्नाटे में चले गए। उस सन्नाटे को तोड़ने में उन्हें तीन दिन लगे। सीधे एक बाबा जी के दरबार में जाकर हाजिरी दी और बाबा जी ने मनोस्थिति जानकर पूछ लिया-भक्त तुम्हारे मानस में इतनी हलचल और पेट में मरोड़ क्यों रहती है क्या कारण है? भाई साहब मातमी मुद्रा बनाकर बोले महाराज जी बरसों से मां शारदे की तपस्या में लगा हूं, पर मनोवांछित फल अभी तक नहीं मिला है। महाराज जी ने अपने उन्मिलित नैनों को खोलते हुए कहा- सब मोह माया है। हरिजु का नाम स्मरण करने से सब दुख और मनस्ताप खत्म हो जाएंगे। महाराज एक समस्या और है मुझसे दूसरों का उत्कर्ष नहीं देखा जाता है। बाबा जी क्रोध के स्वर में बेटा! तुमने यह लाइलाज बीमारी कब से पाल रखी है। इसमें धृतराष्ट्र की मनोकामना है, दुर्योधन की जिद्द है, कंस और रावण का अहंकार है। एक सवाल का जवाब दीजिए क्या तुम जन्म से ही इतने ज्ञानी-ध्यानी थे। नहीं बाबा, सब गुरुओं के सानिध्य में गुरु ज्ञान, विद्या के अभ्यास और संतों की संगति से सीखा है। अरे मूढ! फिर दूसरे क्यों नहीं सीख सकते और तुमसे आगे भी जा सकते हैं। खुद को समझाना और स्वीकार करना सबसे कठिन काम है। भाई साहब के फूले हुए नथुने अंदर की ओर सिकुड़ने लगे। तेज भी क्षीण होने लगा। सूर्योदय के बाद तारामंडल की आभा धूमिल हो जाती है। वही हाल भाई साहब का हो रहा था। घर लौटते वक्त बाबा जी के शब्द उनके कानों में हथौड़ी के समान बज रहे थे। खुद को समझाना और स्वीकार करना कठिन होता है, दूसरों की जय से पहले खुद को जय करें। छोड़ दें जिद को अपनी, मैं मैं कभी न करें। भाई साहब घर में आकर सीधे सोफे में धंस गए। जब उनकी आंखें खुली तो सामने काली रात दिखाई दी।

नरेन्द्र सिंह "नीहार"
वरिष्ठ लेखक

आधी दुनिया

लोक पर्व छठ का स्त्री संसार

हमारे जीवन में हर क्षण लोक अपनी सुंदरतम अभिव्यक्ति के साथ विद्यमान है। लोक एवं लोक जीवन को कई आयामों और कई अभिव्यक्तियों के संदर्भ में समझा जाता रहा है, जिसमें हमारी संस्कृति और परंपरा पुष्पित-पल्लवित होती है। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी लोक को परिभाषित करते हुए उसे नगरों एवं गांवों में विस्तारित जनता के मन में बसी हुई एक अभिव्यक्ति के रूप में देखते हैं। वे मानते हैं कि लोक का अर्थ ग्राम में एवं नगर समाज में बसा हुआ वह मन है, जो अकृत्रिम है, जो जीवन के प्रवाह के साथ-साथ आगे बढ़ता है। लोक हमारे मन के अंत : स्थल में बसी एक कोमल भावना है, जो साहित्य, संस्कृति, परंपरा, कथा, गीत, आख्यान इत्यादि के रूप में अभिव्यक्त होता रहा है। ऋग्वेद में अनेक स्थानों पर लोक के लिए 'जन' शब्द का प्रयोग किया गया है, जिसका अर्थ 'साधारण जानता' के रूप में है। 'लोक' शब्द से ही हिंदी का 'लोग' शब्द बना है, जिसके कई अर्थ हैं जैसे- प्राणी, संसार, जन या लोग, प्रदेश आदि। उपनिषद में दो लोक को माना गया है- इहलोक और परलोक। अर्थात कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि लोक का अभिप्राय सर्वसाधारण जनता से है, जिसकी व्यक्तिगत पहचान न होकर सामूहिक पहचान है। परंतु कई बार एक तरफ, जहां इस लोक के सामूहिकता का यह बोध हममें सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है, वहीं यह भावना किसी समुदाय, जाति अथवा लैंगिक समूह के शोषण एवं दमन का माध्यम भी बनती है। विशेषकर स्त्रियों के संदर्भ में।

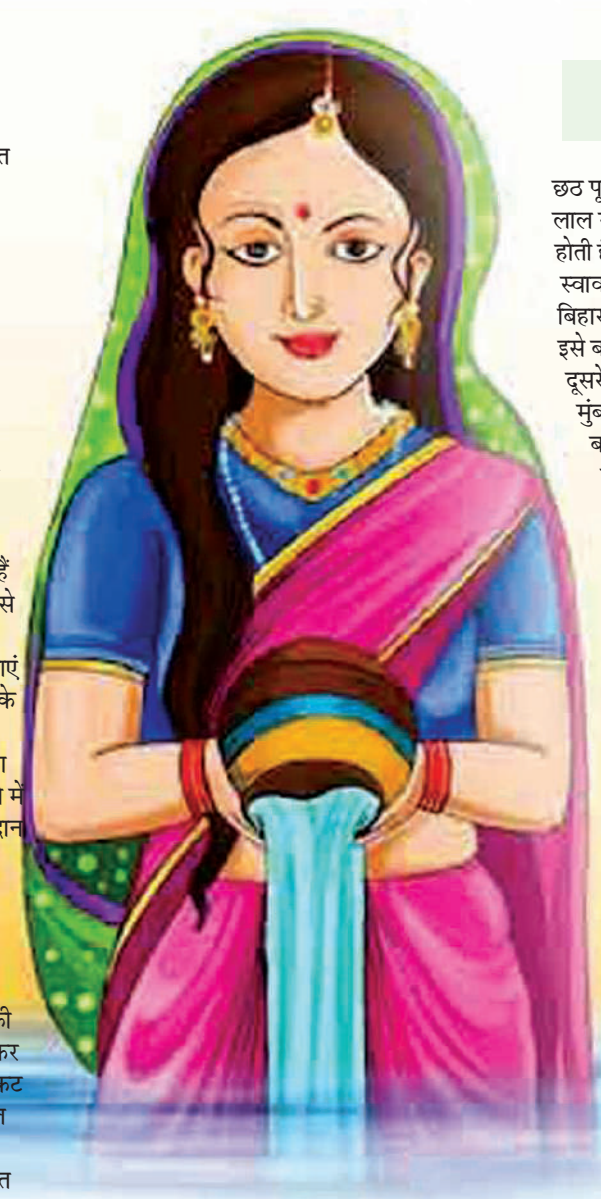

सामाजिक जीवन में स्त्रियों के खट्टे-मीठे अनुभवों, सामाजिक संरचना के ताने-बाने में स्वयं को ढालने की जद्दोजहद तथा आवश्यकतानुसार उसके प्रतिकार एवं परिष्कार की अभिव्यक्ति हमें सबसे अधिक लोककथाओं एवं लोक गीतों में सुनने को मिलती है। छठ पूजा मुख्य रूप से भारत के बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और नेपाल के कुछ हिस्सों में मनाई जाती है। इस त्योहार में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और सभी अनुष्ठानों व तैयारियों में गहराई से शामिल होती हैं। छठ पर्व के गीत अक्सर भोजपुरी, मैथिली और अन्य लोक भाषाओं में होते हैं, जो महिलाओं की भावनाओं और भक्ति को व्यक्त करते हैं। इन गीतों में छठी मैया से मन्नतें मांगने, उनके प्रति आभार व्यक्त करने और पूजा के अनुष्ठानों का वर्णन होता है। 'परवातिन' (मुख्य व्रत रखने वाली) आमतौर पर महिलाएं होती हैं और वे छठ के कठोर अनुष्ठानों, जैसे उपवास और जल में खड़े रहने का पालन करती हैं। छठ पूजा में महिलाएं अपनी इच्छाओं और आराम को छोड़कर परिवार और समाज के कल्याण के लिए व्रत करती हैं। यह उनके बलिदान, धैर्य और सेवा भाव का प्रतीक है। छठ पूजा में महिलाओं का यह समर्पण परिवार की एकता, सुख-समृद्धि और संस्कारों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। छठ पूजा में महिलाओं का योगदान सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। इस पर्व में उनकी भागीदारी न केवल आस्था को प्रदर्शित करती है, बल्कि उनके त्याग, समर्पण और दृढ़ता को भी दर्शाती है। महिलाओं के इस योगदान के कारण ही छठ पूजा को विशेषता प्राप्त है और यह पर्व समाज में विशेष स्थान रखता है। भारतीय लोक धर्म के जटिल ताने-बाने में, स्त्रियों की केंद्रीय और बहुआयामी भूमिका है, जो पवित्र अनुष्ठानों से लेकर मौखिक परंपराओं की विभिन्न अभिव्यक्तियों के माध्यम से प्रकट होता है। लोकप्रिय भारतीय धर्मों में स्त्रियों की भूमिका न केवल आध्यात्मिक परिवेश के लिए मौलिक हैं, बल्कि सांस्कृतिक मान्यताओं और समुदाय की पहचान के स्वरूप को भी निर्धारित करने में सहायक हैं।

डॉ. सुप्रिया पाठक
एसोसिएट प्रोफेसर

महिला स्वावलंबन का माध्यम

छठ पूजा के दौरान हर तरफ दिखनेवाले खूबसूरत लाल रंग के आर्क पात, जिसके बिना छठ पूजा अधूरी होती है, का निर्माण कर बिहार की कई महिलाओं ने स्वावलंबन की तरफ कदम बढ़ाएं हैं। विशेष रूप से बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के हर घर में महिलाएं इसे बड़े पैमाने पर बना रही हैं। यहां से इसकी सप्लाई दूसरे प्रदेशों, जैसे उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बंगाल और मुंबई तक किया जाता है। मूल रूप से आर्क पात बनाने के लिए अकवन की रूई, गुलाबी रंग व मैदा का इस्तेमाल किया जाता है। अकवन की रूई उपलब्ध नहीं होने पर बाजार से खरीदी जाती है। एक किलो रूई से करीब 600 अर्क पात तैयार होता है। वैसे तो यह काम पूरे वर्ष चलता रहता है, लेकिन कार्तिक छठ और चैती छठ से पहले इसमें तेजी आ जाती है। छठ पूजा में तो इसका अनिवार्य रूप से उपयोग किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि त्योहार के समय सिर्फ आर्क पात से ही कुल मिलाकर 20 लाख रुपये महीने का कारोबार होता है और प्रत्येक महिला को महीने में तीन से चार हजार रुपये की आमदनी हो जाती है। छठ पूजा के दौरान महिला समर्पण के साथ महिला स्वावलंबन का यह रूप वाकई अद्भुत है। इसके अलावा, धार्मिक अनुष्ठानों में स्त्रियों की भागीदारी अक्सर मंदिर की गतिविधियों और सामुदायिक उत्सवों तक फैली होती है, जहां वे इन आयोजनों के आयोजन और क्रियान्वयन में आवश्यक भूमिका निभाती हैं। भारतीय संस्कृति में महिलाएं प्रसाद और अनुष्ठान की वस्तुओं की तैयारी में भाग लेती हैं, न केवल अनुष्ठान करने वाली के रूप में, बल्कि इन सामुदायिक गतिविधियों के आध्यात्मिक और भावनात्मक केंद्र के रूप में भी। अनुष्ठान के ढांचे के भीतर उनका कार्य न केवल सभी व्यक्तियों के आध्यात्मिक अनुभव को बेहतर बनाता है, बल्कि सामुदायिक जीवन के ताने-बाने में स्त्रियों के कार्य और उपस्थिति को भी शामिल करता है, जो सामुदायिक धार्मिक पहचान के केंद्रीय तत्व के रूप में उनकी स्थिति को सुदृढ़ करता है। छठ पर्व मूलतः सूर्य की आराधना का पर्व है, जिसे हिन्दू धर्म में विशेष स्थान प्राप्त है। हिन्दू धर्म के देवताओं में सूर्य ऐसे देवता हैं, जिन्हें मूर्त रूप में देखा जा सकता है। सूर्य की शक्तियों का मुख्य श्रोत उनकी पत्नी ऊषा और प्रत्यूषा हैं। छठ में सूर्य के साथ-साथ दोनों शक्तियों की संयुक्त आराधना होती है।

भारतीय लोक धर्म में स्त्रियां आमतौर पर मुख्य सांस्कृतिक प्रतीकों और प्रतिनिधि आकृतियों को शामिल करती हैं, जो प्रजनन क्षमता, मातृत्व और परिवार की पवित्रता का प्रतिनिधित्व करती हैं। अनुष्ठानों में उनकी भागीदारी पोषण और आध्यात्मिक मध्यस्थ जैसी उनकी मौलिक भूमिकाओं पर जोर देती है। स्त्रियां विभिन्न लोककथाओं को धार्मिक प्रथाओं में शामिल करती हैं, जिन्हें अलग-अलग, लेकिन परस्पर जुड़े क्षेत्रों में विभाजित किया जा सकता है। घरेलू स्थानों में स्त्रियां घरेलू देवताओं का सम्मान करने वाले दैनिक अनुष्ठान करने के लिए जिम्मेदार होती हैं। यह निजी क्षेत्र स्त्रियों को धार्मिक परंपरा के मुख्य संवाहक के रूप में प्रतिष्ठित करता है, यह सुनिश्चित करता है कि विशिष्ट अनुष्ठानों का पालन किया जाए और सांस्कृतिक विरासत पीढ़ियों तक प्रसारित हो। संस्कृति मनुष्य को एक उदात्त जीवन की ओर ले जाती है और उसके जीवन को सुनिश्चित करती है। इसी मूल भाव से एक स्त्री ने संस्कृति की नींव रखी होगी। धुरी के दो पहियों की तरह स्त्री-पुरुष को लोक में प्रतिष्ठित करने के लिए परंपरा और संस्कृति की जरूरत महसूस की गई और इसका सबसे बड़ा दायित्व संभाला स्त्री ने। प्रारंभ से ही स्त्री-पुरुष के कार्य बंट गए थे। पुरुषों ने अधिक मेहनत के काम शारीरिक बनावट मजबूत होने के कारण खुद संभाले और शारीरिक रचना में कोमलता होने के कारण स्त्री ने घर-गृहस्थी के छोटे-छोटे हजारों काम संभाले जबकि पुरुष कृषि उत्पाद, राजसत्ता, सेना संगठन, युद्ध, भवन निर्माण जैसे श्रम साध्य कार्यों को करने में सक्षम माना गया। महिलाएं छठ पूजा विधि-विधान से करती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, जो व्यक्ति पूरी श्रद्धा से छठ व्रत करता है, उसके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है तथा संतान की प्राप्ति का आशीर्वाद मिलता है। छठ पर्व पर विशेष तौर पर भगवान सूर्य की पूजा का महत्व है। तभी तो व्रती महिलाएं पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देती है एवं पूजा करती हैं। इस दिन सूर्य चालीसा का पाठ करते का भी काफी महत्व है। कहते हैं कि सूर्य चालीसा का पाठ करने सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

बच्चों के लिए क्राफ्ट मेकिंग

बच्चों को क्राफ्ट बनाना बहुत पसंद होता है। यह बच्चों की रचनात्मकता क्षमता को बढ़ाता है। साथ ही इससे पेंटिंग, पेपर क्राफ्ट और रीसाइकिल्ड क्राफ्ट से बच्चों की सोचने की क्षमता बढ़ती है और बच्चों की स्किल्स भी सुधरती है। आज हम कुछ ऐसे क्राफ्ट बता रहें हैं, जिसे बच्चें घर पर बहुत आसानी से बना सकते हैं।

प्लास्टिक की बोतल से पेन होल्डर

इसके लिए प्लास्टिक की खाली बोतल, कैंची, रंग, ग्लू, डेकोरेटिव टेप चाहिए होता है।

बनाने की विधि : बोतल को अपनी इच्छानुसार ऊंचाई पर काट लें। इसके बाहरी हिस्से को रंग से पेंट करें या रंगीन टेप से कवर करें। फिर इसे ग्लिटर, स्टिकर या अन्य सजावटी चीजों से सजाएं। अब आपका पेन होल्डर तैयार हैं।

पुरानी टी-शर्ट से टोट बैग

इसके लिए पुरानी टी-शर्ट, कैंची, सुई-धागा या ग्लू चाहिए होता हैं।

बनाने की विधि : सबसे पहले टी-शर्ट के बाजू और नेकलाइन को काट लें। फिर नीचे के हिस्से को सुई-धागे से सिल लें या ग्लू से चिपका दें। आप चाहें तो पेंट या एम्ब्रॉयडरी से इसे डेकोरेट कर सकते हैं। अब आपका स्टाइलिश टोट बैग तैयार हैं।

सीडी से वॉल क्लॉक

इसके लिए सीडी, क्लॉक मूवमेंट किट, पेंट, सजावटी सामान चाहिए होता है।

बनाने की विधि : सीडी को पेंट या ग्लिटर से सजाएं। फिर क्लॉक मूवमेंट किट को बीच में फिट करें। नंबर लिखें या स्टिकर लगाएं। अब इसे दीवार पर टांग दें और आपका यूनिक वॉल क्लॉक बनकर तैयार हैं।

कांच की बोतल से लैंप

इसे बनाने के लिए खाली कांच की बोतल, एलईडी लाइट्स, डेकोरेटिव पेंट चाहिए होता हैं।

बनाने की विधि : सबसे पहले कांच की बोतल को अच्छे से साफ कर लें। अब इसमें एलईडी लाइट्स डालें। बाहर की तरफ पेंटिंग या ग्लास पेंट से सुंदर डिजाइन बनाएं। इसे टेबल पर सजाएं और लाइट जलाएं।

चना दाल कोफ्ता

सामग्री

कोफ्ते के लिए

- 1 कप चना दाल
- 1/2 कप प्याज, बारीक कटा हुआ
- 1/2 कप धनिया पत्ती, कटी हुई
- 1/4 चम्मच जीरा
- 1/4 चम्मच हींग
- 1/2 चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट
- 1/2 चम्मच गरम मसाला
- नमक स्वादानुसार
- 2 बड़े चम्मच बेसन
- तेल तलने के लिए

ग्रेवी के लिए

- 2 बड़े चम्मच तेल
- 1 बड़ा प्याज, बारीक कटा हुआ
- 2 हरी मिर्च, कटी हुई
- 1 बड़ा टमाटर, प्यूरी किया हुआ
- 1 चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट
- 1 चम्मच गरम मसाला
- 1 चम्मच धनिया पाउडर
- 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर
- नमक स्वादानुसार
- 1 बड़ा चम्मच क्रीम (वैकल्पिक)
- धनिया पत्ती, सजाने के लिए

चना दाल कोफ्ता एक स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन है, जो चना दाल और मसालों के साथ बनाया जाता है। यह एक सरल नुस्खा है। चना दाल कोफ्ता भारत के कई हिस्सों में बनाया और पसंद किया जाता है, लेकिन इसकी लोकप्रियता खासतौर पर उत्तर भारत और मध्य भारत के शाकाहारी घरों में ज्यादा है।

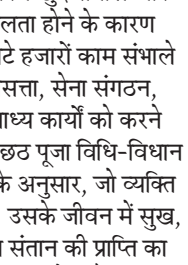

आभा
फूड ब्लॉगर

बनाने की विधि

सबसे पहले आप चना दाल को 4-5 घंटे के लिए भिगो दें। फिर इस चना दाल को पीस लें और इसमें प्याज, धनिया पत्ती, जीरा, हींग, अदरक-लहसुन का पेस्ट, गरम मसाला और नमक मिलाएं। बेसन में अच्छी तरह मिलाएं। छोटे-छोटे कोफ्ते बनाएं और तेल में तलें।

इसके बाद आप एक पैन में तेल गरम करें और प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें। टमाटर प्यूरी डालकर पकाएं। गरम मसाला, धनिया पाउडर, हल्दी पाउडर और नमक मिलाएं।

फिर कोफ्ते ग्रेवी में डालें और 5-7 मिनट तक पकाएं और गरमा-गरम परोसें और धनिया पत्ती से सजाएं।

टिप्स :- चना दाल को अच्छी तरह से पीसने से कोफ्ते का स्वाद और बनावट अच्छी होती है।

- आप अपनी पसंद के अनुसार मसालों की मात्रा समायोजित कर सकते हैं।
- कोफ्ते को तलने के लिए तेल का तापमान मध्यम होना चाहिए।

तेजस्वी यादव के '20 महीने' वाले बयान पर राजग ने पलटवार करते हुए कहा

बिहार लालटेन युग में लौटने को तैयार नहीं

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद ने तेजस्वी के बयान को बताया चुनावी जुमला

बिहार विधानसभा चुनाव

पटना, एजेंसी

विपक्षी इंडिया गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के उस बयान पर राजग के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें बिहार बदलने के लिए सिर्फ 20 महीने चाहिए। राजग नेताओं ने कहा कि बिहार अब विकास के रास्ते से भटकने वाला नहीं है और जनता किसी भी सूरत में 'लालटेन युग' में लौटने को तैयार नहीं है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री और भाजपा नेता नित्यानंद राय ने तेजस्वी यादव के बयान को सिर्फ चुनावी जुमला करार दिया। वे विकास की बात नहीं करेंगे, बल्कि वही पुरानी राजनीति करेंगे, जिसमें गरीबों की जमीन हड़पी जाती थी और अपहरण व डकैती का माहौल होता था। महिलाओं, किसानों, युवाओं और गरीबों के उत्थान का काम नीतीश कुमार ने किया है। उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने दावा किया कि चुनाव में राजग सर्वाधिक सीट जीतकर इतिहास रचेगा। 40 साल कांग्रेस और 15 साल लालू राज ने बिहार को पिछड़ा बनाकर रखा, लेकिन राजग बिहार को विकास की मुख्यधारा में लेकर आई है। जनता काम पर वोट करती है, वादों और अफवाहों पर नहीं।

बिहार सरकार के मंत्री व जद(यू) नेता अशोक चौधरी ने कहा कि राजद शासन में राज्य की विकास दर 3.5-4 से घटकर 2.5% रह गई थी, जबकि मुख्यमंत्री नीतीश के नेतृत्व में इसे बढ़ाकर 10.4% तक पहुंचाया गया। गुजरात पहले से विकसित है, बिहार विकासशील है। हम प्रयास कर रहे हैं। जद (यू) के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि बिहार में नीतीश के नेतृत्व में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में प्रगति हुई है। तेजस्वी कहते हैं कि उन्हें 20 महीने चाहिए, लेकिन वे बिहार में क्या बदलेंगे? क्या फिर से अपराध, अपहरण और बंदूक संस्कृति को कायम करेंगे? मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 50 लाख रोजगार देने का वादा पूरा किया और अब एक करोड़ रोजगार का संकल्प भी कैबिनेट से पारित हो चुका है।

• राजग नेताओं ने विपक्षी गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का किया घेराव

2005 में मुस्लिम सीएम बनाने को तैयार नहीं थी राजद

नई दिल्ली। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को दावा किया कि उनके पिता रामविलास पासवान 2005 में बिहार में मुस्लिम नेता को मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे, लेकिन राष्ट्रीय जनता दल (राजद) इसके लिए राजी नहीं हुई। चिराग ने अल्पसंख्यक समुदाय से कहा कि यदि वे बंधुआ वोट बैंक बने रहेंगे, तो उन्हें सम्मान और भागीदारी कैसे मिलेगी। उन्होंने एक्स पर कहा कि 2005 में मेरे पिता रामविलास पासवान ने मुस्लिम मुख्यमंत्री बनाने के लिए पार्टी तक कुर्बान कर दी थी, तब भी आपने उनका साथ नहीं दिया। राजद 2005 में भी मुस्लिम मुख्यमंत्री के लिए तैयार नहीं थी, 2025 में भी तैयार नहीं। अगर आप बंधुआ वोट बैंक बनकर रहेंगे, तो सम्मान और भागीदारी कैसे मिलेगी?

राज्य को सस्ता डेटा नहीं, रोजगार के लिए बाहर गया बेटा वापस चाहिए : किशोर

पूर्वी चंपारण। जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि बिहार को सस्ता डेटा (मोबाइल इंटरनेट) नहीं, रोजगार के लिए बाहर गया अपना बेटा वापस चाहिए। उन्होंने आरोप गाया कि केंद्र और बिहार में सत्ता पर काबिज दल युवाओं को रोजगार देने में नाकाम रहे हैं। पूर्वी चंपारण के ढाका की जनसभा में किशोर ने आरोप लगाया कि भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार केवल प्रचार में व्यस्त है, जबकि युवाओं को बेहतर अवसरों की तलाश में बाहर पलायन करना पड़ रहा है। किशोर ने कहा कि उनकी लड़ाई बिहार को विकसित और सक्षम राज्य बनाने की है, जहां युवाओं को प्रदेश में रोजगार मिल सके। उन्होंने मुस्लिम मतदाताओं से एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि हक के साथ खड़े होकर वोट दीजिए। उन्होंने कहा कि अमित शाह को बताना चाहिए कि सात हत्या के आरोपी बिहार के उपमुख्यमंत्री कैसे बने हुए हैं। उनका इशारा भाजपा नेता सम्राट चौधरी की तरफ था।

निवेश लाकर, बिहार को अग्रणी राज्य बनाएंगे: तेजस्वी

खगड़िया/भोजपुर। विपक्षी गठबंधन से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने कहा कि यदि गठबंधन की सरकार बनी, तो निवेश आकर्षित कर और फैक्ट्रियां स्थापित कर बिहार को देश का अग्रणी राज्य बनाएंगे। खगड़िया के परबत्ता और अलौली, तथा भोजपुर जिले के शाहपुर में तेजस्वी ने जनसभाएं कीं। उन्होंने कहा कि उनकी लड़ाई केवल सत्ता हासिल करने की नहीं, बल्कि राज्य के समग्र विकास की है। हमें बिहार को 'नंबर-वन' बनाना है, जिसके लिए निवेश लाना होगा, शिक्षा को बढ़ावा देना होगा और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाना होगा। उन्होंने अमित शाह पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा यह कहकर बहाने बनाती है कि बिहार में भूमि की कमी है, इसलिए उद्योग नहीं लग सकते। उनकी सरकार राज्य में उद्योग स्थापित करेगी और विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाएंगे।

तेजस्वी अब भी लालू प्रसाद की छाया से बाहर नहीं आए : तेज प्रताप

पटना। पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने कहा कि उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव अब तक पिता लालू प्रसाद की छाया से बाहर नहीं निकल पाए हैं। हसनपुर के विधायक तेज प्रताप ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से निष्कासित किए जाने के बाद जनशक्ति जनता दल का गठन कर लिया था। समर्थकों द्वारा तेजस्वी को जननायक कहे जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि जननायक की उपाधि राम मनोहर लोहिया और कर्पूरी ठाकुर जैसे महापुरुषों से जुड़ी है। तेज प्रताप ने कहा कि लालू प्रसाद भी इस उपाधि के योग्य हैं, लेकिन तेजस्वी की पहचान अभी भी अपने पिता पर टिकी है। जिस दिन वह अपनी अलग पहचान बना लेंगे, मैं स्वयं उन्हें जननायक कहने वाला पहला व्यक्ति बनूंगा। इस बार महुआ सीट से चुनाव लड़ रहे तेज प्रताप ने स्पष्ट किया कि चुनाव परिणाम चाहे जो हों, वह न तो पिता की पार्टी में लौटेंगे और न अन्य दल में शामिल होंगे।

मैसूरु में गैस गीजर से एलपीजी रिसाव होने से दो बहनों की मौत

मैसूरु/बेंगलुरु। कर्नाटक के मैसुरू में शनिवार सुबह एक गैस गीजर से एलपीजी रिसाव होने से गुलफाम (23) और उसकी बहन सिमरन ताज (20) की मौत हो गई।पुलिस ने बताया कि गीजर से गैस तो निकली लेकिन उसमें आग नहीं लगी।

पुलिस ने बताया कि जब लड़कियां काफी देर तक स्नानघर से बाहर नहीं आईं, तो उनके पिता अल्ताफ को संदेह हुआ और उन्होंने जबरदस्ती दरवाजा खोला तो दोनों बेहोश थीं। अल्ताफ दोनों बेटियों को अस्पताल ले गए, जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, एक अन्य घटना में बेंगलुरु के केआर पुरम में रसोई गैस सिलेंडर फटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए।

डिजिटल अरेस्ट

केंद्र-राज्य के समन्वित प्रयासों के साथ कड़ी कार्रवाई की जरूरत

• पीड़ितों से जुड़े स्वत: संज्ञान वाले मामले पर 27 को सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट डिजिटल अरेस्ट पीड़ितों के स्वतः संज्ञान वाले मामले की 27 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट की वाद सूची के अनुसार, सोमवार को न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ इस पर सुनवाई करेगी।

शीर्ष अदालत ने 17 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान कहा था कि न्यायिक दस्तावेज की जालसाजी, साइबर वसूली और निर्दोषों, विशेष रूप से वरिष्ठों की साइबर गिरफ्तारी से जुड़े आपराधिक उद्यम की सीमा का पता लगाने को केंद्र और राज्य पुलिस के बीच समन्वित प्रयासों के साथ कड़ी कार्रवाई की जरूरत है।

उच्चतम ने इस मामले में केंद्र, सीबीआई और अन्य से जवाब मांगा तथा कहा कि ऐसे अपराध न्यायिक प्रणाली में जनता के विश्वास की नींव पर प्रहार करते हैं। शीर्ष अदालत ने हरियाणा के अंबाला में वरिष्ठ नागरिक दंपति के डिजिटल अरेस्ट' के मामले का संज्ञान लिया था।

आवारा कुत्तों से संबंधित मामले पर 27 को शीर्ष सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट 27 अक्टूबर को आवारा कुत्तों से संबंधित स्वत : संज्ञान वाले मामले की सुनवाई करेगा । न्यायालय ने 22 अगस्त को आवारा कुत्तों के मामले का दायरा दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की सीमाओं से आगे बढ़ाते हुए निर्देश दिया था कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस मामले में पक्षकार बनाया जाए। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर 27 अक्टूबर को अपलोड की गई वाद सूची के अनुसार, मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एन वी अंजारिया की तीन सदस्यीय विशेष पीठ करेगी।

उत्तराखंड में प्रवेश के लिए बाहरी वाहनों को देना पड़ेगा ग्रीन टैक्स

देहरादून, एजेंसी

उत्तराखंड में बाहरी प्रदेशों से आने वाले वाहनों से दिसंबर से 'ग्रीन टैक्स' वसूला जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में प्रदूषण नियंत्रण, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। इस शुल्क की वसूली दिसंबर माह से शुरू की जाएगी।

प्रदेश के अपर परिवहन आयुक्त ने बताया कि राज्य के सीमा क्षेत्रों में लगाए गए 'ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन' कैमरे बाहरी राज्यों से प्रदेश में आने वाले वाहनों के पंजीकरण नंबर को स्वतः ही पहचान लेंगे। सीमा क्षेत्रों में पहले से 16 कैमरे लगे हुए हैं और अब इनकी संख्या बढ़ाकर कुल 37 कर दी गई है। परिवहन विभाग ने 'ग्रीन टैक्स' वसूली के लिए एक वेंडर कंपनी को नियुक्त किया है। कैमरों से प्राप्त डेटा सॉफ्टवेयर के माध्यम से वेंडर के पास जाएगा, जहां से उत्तराखंड की पंजीकृत गाड़ियों, दोपहिया वाहनों और सरकारी वाहनों को अलग कर बाकी वाहनों की जानकारी भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के डेटाबेस में भेजी जाएगी। वहां से वाहन मालिकों के वॉलेट नंबर खोजे जाएंगे और राशि स्वचालित उनके वॉलेट से कट जाएगी।

• प्रदूषण नियंत्रण, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए लिया निर्णय

इन पर ग्रीन टैक्स

छोटी गाड़ी	80
छोटी मालवाहक	250
बस	140
ट्रक भार अनुसार	120-700

करोड़पति व्यापारी के पास मिला सबरीमला का सोना : सतीशन

कोच्चि, एजेंसी

केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने शनिवार को दावा किया कि सबरीमला मंदिर से गायब हुआ सोना एक करोड़पति व्यापारी के पास से मिला है। उन्होंने कहा कि यह घटना कांग्रेस के उस आरोप को मजबूती देती है कि सोना एक धनी व्यक्ति को बेचा गया था।

सतीशन एसआईटी द्वारा आभूषण व्यापारी गोवर्धन की दुकान से मिले सोने के बिस्कुटों की बात कर रहे थे। बताया गया कि गोवर्धन ने श्रीकोविल (गर्भगृह) की चौखट पर सोने की परत चढ़ाने के लिए धन दिया था। इस कार्य को बेंगलुरु के व्यवसायी उन्नीकृष्णन पोट्टी ने प्रायोजित किया था जो एसआईटी की गिरफ्त में हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि हम सही थे जब हमने कहा था कि सोना करोड़पति को बेचा गया। विपक्ष ने सोने के गायब होने के मुद्दे पर जो कुछ भी कहा वह सही साबित हुआ है। उन्होंने वर्तमान त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) पर अनियमितताओं का आरोप लगाया और दावा किया कि बोर्ड ने तथ्यों को छुपाया है तथा द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों पर सोने की परत चढ़ाने का काम पोट्टी को सौंपा है।

बेल्लारी, बेंगलुरु में एसआईटी का छापा

पथनमथिट्टा (केरल)। सबरीमला मंदिर से सोना गायब होने के मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी के बेंगलुरु स्थित अपार्टमेंट और बेल्लारी में आभूषण की दुकान पर छापेमारी की। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पोट्टी को जांच के तहत शुक्रवार को बेंगलुरु ले जाया गया। सूत्रों ने बताया कि एसआईटी ने गोवर्धन की दुकान पर छापा मारा, जिसने मंदिर के चौखट पर सोने की परत चढ़ाने के काम का वित्तपोषण किया था।

ब्रीफ न्यूज

बांग्लादेशियों के राशन कार्ड सत्यापित करें

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को पुलिस को पहचान में आए बांग्लादेशी घुसपैठियों की ''काली सूची'' तैयार करने तथा इससूची को नए पाए गए घुसपैठियों के नामों के साथ नियमित रूप से अपडेट किए जाने के निर्देश दिए। फडणवीस ने अधिकारियों को राशन कार्ड प्राप्त करने के लिये काली सूची में शामिल लोगों द्वारा इस्तेमाल किए गए दस्तावेजों का सत्यापन करने का निर्देश दिया है। घुसपैठिए राशन कार्ड या अन्य माध्यमों से जन कल्याणकारी लाभों तक पहुंच न पाएं, नए पहचाने गये लोगों को तुरंत काली सूची में जोड़ा जाना चाहिए और संभागीय तथा जिला कलेक्टर कार्यालयों को सूचित किया जाना चाहिए।

लॉरेंस गिरोह: गैंगस्टर अमेरिका से प्रत्यर्पित

नई दिल्ली, एजेंसी। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े एक भगोड़े गैंगस्टर को सीबीआई की टीम शनिवार को अमेरिका से भारत लेकर आई। लखविंदर कुमार के खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस जारी किया गया था और दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाए जाने के बाद हरियाणा पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई के प्रवक्ता ने कहा कि लखविंदर हरियाणा में जबरन वसूली, धमकी, अवैध हथियार रखने और उनका इस्तेमाल करने तथा हत्या के प्रयास से संबंधित कई आपराधिक मामलों में वांछित था। सीबीआई ने हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर 26 अक्टूबर 2024 को इंटरपोल के माध्यम से लखविंदर के खिलाफ रेड नोटिस जारी कराया था। उसे अमेरिका से भारत निर्वासित किया गया और वह 25 अक्टूबर को दिल्ली पहुंचा, जहां हरियाणा पुलिस की एक टीम ने उसे हिरासत में ले लिया।

गुड़गांव-हैदराबाद में प्रस्तुति देंगे पिटबुल

नई दिल्ली। पिटबुल के नाम से मशहूर अमेरिकी रैपर-गायक अर्मांडो क्रिश्चियन परेज फिर से भारत आने वाले हैं। वह गुड़गांव और हैदराबाद में प्रस्तुति देंगे। पिटबुल के लोकप्रिय ट्रैक में टिम्बर, होटल रूम सर्विस, नो लो ट्रेंट्स शामिल हैं। इससे पहले उन्होंने 2011, 2017 और 2019 में भारत में प्रस्तुति दी है। उनका संगीत कार्यक्रम पिटबुल : आई एम बैक दौरे का हिस्सा होगा, जो 6 दिसंबर को गुड़गांव में होगा। 8 दिसंबर को हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में प्रस्तुति देंगे।

गुजरात में शराब पार्टी पर छापा, 13 अफ्रीकियों समेत 20 लोग गिरफ्तार

• अहमदाबाद के बाहरी इलाके में फार्महाउस में चल रही थी पार्टी

• गुजरात में शराब की बिक्री और सेवन पर लगाया गया है प्रतिबंध

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात पुलिस ने अहमदाबाद के बाहरी इलाके में एक फार्महाउस पर छापा मारा और एक पार्टी के दौरान शराब पीने के आरोप में 13 अफ्रीकी नागरिकों समेत 15 लोगों को गिरफ्तार किया तथा बाद में पांच और लोगों को भी पकड़ लिया। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि शिलाज क्षेत्र में स्थित फार्महाउस पर शुक्रवार देर रात छापेमारी की गई तथा कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लगभग 70 लोगों में 13 अफ्रीकियों समेत 15 लोग नशे में पाए गए जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अहमदाबाद (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ओमप्रकाश जाट ने बताया कि दो शराब तस्करों और फार्महाउस मालिक समेत पांच अन्य लोगों को शनिवार तड़के गिरफ्तार किया गया, जिससे इस पार्टी के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या 20 हो गई। जाट ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह शराब पार्टी गुजरात के विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे अफ्रीकी विद्यार्थियों के सम्मेलन के नाम पर आयोजित की गई थी जबकि राज्य में शराब की बिक्री और सेवन पर प्रतिबंध है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में शराब की उपलब्धता के बारे में गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिसकर्मियों ने पास खरीदे और सामान्य कपड़ों में अतिथि के रूप में कार्यक्रम स्थल पर गए।

पुलिस अधीक्षक जाट ने बताया कि छापेमारी के दौरान पुलिस ने भारत में बनी विदेशी शराब की 51 बोतलें और 15 हुक्का (विशेष रूप से बने तंबाकू मिश्रण को पीने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले पाइप) बरामद किए, जो गुजरात में प्रतिबंधित हैं। पुलिस अधीक्षक का कहना है कि ज्यादातर विदेशी विद्यार्थी केन्या के हैं जबकि कुछ कोमोरोस, मेडागास्कर और मोज़ाम्बिक के भी हैं।

मादक पदार्थ तस्करी में चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन मामले से जुड़े कोकीन तस्करी के सिलसिले में तंजानिया और जिम्बाब्वे के एक-एक नागरिक समेत सात लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को कहा कि पणजी के उसके क्षेत्रीय कार्यालय ने गोवा में विशेष धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) से संबंधित अदालत में 18 अक्टूबर को आरोपपत्र दाखिल किया । आरोपपत्र में तंजानिया के नागरिक वेदास्तो ऑडैक्स, जिम्बाब्वे के नागरिक तारिरो ब्राइटमोर मंगावाना और पांच भारतीयों - मासूम उइके, चिराग दुधात, रेशमा वाडेकर, मंगेश वाडेकर और निबू विंसेंट को नामजद किया गया है। ईडी की यह जांच मार्च 2025 में लाओस से भारत में 4 .3 किलोग्राम कोकीन की कथित तस्करी के खिलाफ गोवा पुलिस अपराध शाखा द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है।

अमृतसर में एक आंतकी गिरफ्तार दो आईईडी बरामद

अमृतसर। पंजाब में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी) अमृतसर ने एक आतंकवादी नेटवर्क के एक सदस्य मनप्रीत सिंह उर्फ टिड्डी को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से एक अत्याधुनिक .30 बोर की पिस्तौल और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शनिवार को बताया कि टिड्डी खुलासे के आधार पर, कोटला तरखाना गांव के इलाके से लगभग 2.5 किलोग्राम वजन के दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) भी बरामद किए गए, जिनमें उच्च श्रेणी का आरडीएक्स और विस्फोट के लिए टाइमर लगे थे। यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आरोपी आर्मेनिया, ब्रिटेन और जर्मनी में बैठे अपने आकाओं के निर्देशों पर काम कर रहा है, जिन्हें एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के पाकिस्तान स्थित मास्टरमाइंड से निर्देश मिल रहे हैं।

छठ पूजा की तैयारी

चार दिवसीय छठ पूजा उत्सव के पहले दिन शनिवारको पटना के एक खेत में व्यंजन बनाने के लिए गेहूं सुखाते हुए श्रद्धालु।

महाराष्ट्र में चिकित्सक आत्महत्या मामले में एक गिरफ्तार

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के सतारा जिले में 28 वर्षीय महिला चिकित्सक की कथित आत्महत्या से जुड़े मामले में पुलिस ने शनिवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने प्रशांत बानकर को हिरासत में लिया है, जिसका नाम चिकित्सक की हथेली पर लिखे सुसाइट नोट में लिखा हुआ था। बीड जिले की रहने वाली और एक सरकारी अस्पताल में तैनात चिकित्सक बृहस्पतिवार रात सतारा जिले के फलटण में स्थित एक होटल के कमरे में फांसी के फंदे से लटकी मिली थी।

सर्वे रिपोर्ट

जहरीली हवा के दुष्प्रभाव से खांसी, आखों में जलन और सिरदर्द जैसी परेशानियां

दिल्ली-एनसीआर में हर चार में से तीन परिवार बीमार

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में हर चार में से तीन परिवार अभी से जहरीली हवा के दुष्प्रभाव महसूस कर रहे हैं, जिनमें गले में खराश और खांसी से लेकर आंखों में जलन, सिरदर्द और नींद संबंधी परेशानियां शामिल हैं। 'लोकल सर्किल्स' की ओर से किए गए एक ऑनलाइन सर्वेक्षण से यह बात सामने आई है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि दिवाली के बाद दिल्ली-एनसीआर में पीएम 2.5 कणों का स्तर 488 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गया, जो पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक है, जबकि त्योहार से पहले के स्तर यानी 156.6 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से तीन गुना ज्यादा है। दिवाली की रात 20 अक्टूबर को और इसकी अगली सुबह प्रदूषण का स्तर अपने चरम पर था। 'लोकल सर्किल्स' के सर्वेक्षण में दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद और गाजियाबाद के 44 हजार से अधिक लोग शामिल हुए।

42 प्रतिशत परिवारों ने बताया कि एक या एक से अधिक सदस्य गले में खराश या खांसी से पीड़ित हैं, जबकि 25 प्रतिशत ने कहा कि परिवार के सदस्यों को आंखों में जलन, सिरदर्द या नींद नहीं आने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सर्वेक्षण में शामिल लगभग 17 प्रतिशत लोगों ने सांस लेने में कठिनाई या अस्थमा की समस्या बढ़ने की बात कही। 'लोकल सर्किल्स' के अनुसार, 44 प्रतिशत परिवार खराब वायु गुणवत्ता से निपटने के लिए बाहर निकलना कम कर रहे हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। सर्वेक्षण में शामिल लगभग एक-तिहाई लोगों ने कहा कि उन्होंने प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के लिए चिकित्सकों से परामर्श लिया है या इसकी योजना बना रहे हैं। बाढ़ और फसलों की कटाई में देरी के कारण पंजाब तथा हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में 77.5 प्रतिशत की कमी के बावजूद दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब बनी हुई है। यहां कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 के पार हो गया है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से निर्धारित सीमा से 24 गुना अधिक है। सीपीसीबी के आंकड़ों के मुताबिक, शनिवार सुबह दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 261 था, जो 'खराब' श्रेणी में आता है, जबकि एक दिन पहले यह 290 दर्ज किया गया था। आंकड़ों के अनुसार, आनंद विहार में एक्यूआई 415 था, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है और यह सभी निगरानी केंद्रों में सबसे अधिक है।

प्रदूषण के चलते राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में छाई धुंध। ● एजेंसी

श्वसन से जुड़े जटिलता के मामले बढ़े

नई दिल्ली। दिवाली के बाद के दिनों में एक बार फिर दिल्ली एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की वायु गुणवत्ता में भारी गिरावट आई है, तथा अस्पतालों में श्वसन और गर्भावस्था संबंधी जटिलताओं से जुड़े मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। क्षेत्र के डॉक्टरों ने इस वृद्धि के लिए बड़े पैमाने पर पटाखे फोड़े जाने के कारण होने वाले वायु और ध्वनि प्रदूषण के संयुक्त प्रभाव को जिम्मेदार ठहराया है। पल्मोनोलॉजिस्ट और स्त्री रोग विशेषज्ञों के अनुसार, 20 से 23 अक्टूबर के बीच बाह्य रोगी (ओपीडी) और आपातकालीन मामलों में तीव्र वृद्धि देखी गई, क्योंकि प्रदूषण का स्तर स्वीकार्य सीमा से कहीं अधिक तक बढ़ गया था। इस अवधि में दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक बहुत खराब श्रेणी में रहा। धुएं, जहरीली गैसों और सूक्ष्म कणों के अचानक संपर्क में आने से बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और श्वसन या हृदय संबंधी पुरानी बीमारियों से ग्रस्त लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सिल्वरस्ट्रीक सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. पुलकित अग्रवाल ने कहा कि दिवाली के बाद का स्मॉग खास तौर पर खतरनाक होता है क्योंकि इसके साथ प्रदूषकों का अचानक, घना जमाव हो जाता है।

पासपोर्ट में उपनाम नहीं होने पर विमान में चढ़ने से रोका

• उपभोक्ता आयोग ने एयरलाइंस पर लगाया 1.4 लाख जुर्माना

चेन्नई, एजेंसी

चेन्नई उत्तर जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने 'गल्फ एयर एयरलाइंस' को तमिलनाडु के एक पूर्व विधायक को मुआवजा देने का निर्देश दिया है। एयरलाइन पर यह जुर्माना इसलिए लगाया गया है, क्योंकि पासपोर्ट में विधायक (यात्री) का उपनाम नहीं होने के कारण उन्हें मास्को हवाई अड्डे पर यात्रा करने से मना कर दिया गया था।

एयरलाइन को प्रभावित यात्री (पूर्व विधायक एवं अधिवक्ता) निजामुद्दीन को यात्रा की तिथि से नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित लगभग 1.4 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया गया है। यहां पेरियामेट के निवासी को पासपोर्ट में उपनाम नहीं लिखे होने के कारण मास्को हवाई अड्डे पर गल्फ एयर के विमान में चढ़ने से रोक दिया गया था। नौ फरवरी 2023 को उन्हें गल्फ एयर की उड़ान से मास्को से बहरीन होते हुए दुबई जाना था, लेकिन उन्हें यात्रा की अनुमति नहीं दी गई क्योंकि उनके पासपोर्ट में उपनाम नहीं लिखा था और केवल उनका नाम निजामुद्दीन लिखा था। निजामुद्दीन ने दावा किया कि उन्हें पासपोर्ट में दर्ज उसी नाम से भारत से मास्को जाने वाली उड़ान में सवार होने की अनुमति दी गई थी।

ओडिशा ने बी-मान योजना को दी मंजूरी

भुवनेश्वर। पूर्वी भारत में ओडिशा को एक विमानन केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने शनिवार को 14,182 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय वाली 'बी-मान' योजना को मंजूरी दे दी। मुख्य सचिव मनोज आहूजा ने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की अध्यक्षता में हुई ओडिशा मंत्रिमंडल की बैठक में विमानन क्षेत्र के विकास के लिए एक व्यापक योजना को मंजूरी दे दी गई।

अमृत विचार

रविवार, 26 अक्टूबर 2025

जो कुझ साडे अंदर वस्से
जात असाडी सोई
जिसदे नाल मैं न्योंह
लगाया ओही जैसी होई

बाबा बुल्ले शाह जी कहते हैं, जो कुछ हमारे भीतर है, वही हमारी पहचान है। मैंने जिससे प्रेम किया, मैं उसी के जैसा हो गया हूं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विरोध की सेकुलर ग्रंथि

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ फिर से निशाने पर है। कर्नाटक सरकार ने पंचायती राज विभाग के कर्मचारी को संघ के कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के कारण निलंबित कर दिया है। कर्नाटक सरकार के वरिष्ठ मंत्री और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बेटे प्रियंक खड़गे ने भी कहा है कि केंद्रीय सत्ता में आने पर वे संघ को प्रतिबंधित कर देंगे। दरअसल केंद्र सरकार के कर्मचारियों पर लागू सेंट्रल सिविल सर्विसेज कंडक्ट 1964 के अंतर्गत कर्मचारियों के संघ के कार्यक्रमों में भाग लेने पर प्रतिबंध था। इस आदेश को 9 जुलाई 2024 को केंद्र द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन में संशोधित किया गया। निषिद्धता में बदलाव हुआ। संघ को अब प्रतिबंधित सूची से हटा दिया गया था। केंद्र और राज्य के कर्मचारियों के सेवा नियम अलग-अलग हैं। कर्नाटक के कर्मचारियों को संघ की गतिविधियों में हिस्सा लेने से रोका गया है। संघ की गतिविधियों को रोकने की यह कोशिश उचित नहीं है। ऐसा प्रयास संविधान विरोधी भी है। 9 जुलाई 2024 के बाद संघ के कार्यक्रम में भाग लेने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही नहीं होनी चाहिए।

> श्रीराम जन्मभूमि सहित सभी आस्था केंद्रों में जाना गैर-सेकुलर और सांप्रदायिकता है। इन्हीं सेकुलरवादियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित योग को भी सांप्रदायिक बताया था। आरएसएस की देशभक्ति संस्कृति प्रियता और काम करने की सामान्य पद्धति बहुत लोकप्रिय है। उसके कार्यकर्ता देश और विचार के लिए अपना करियर छोड़ देते हैं। मातृभूमि के लिए किसी भी सीमा तक जाने की भावना रखते हैं। कांग्रेस को संघ अच्छा नहीं लगता। श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री रहते हुए संघ का घोर विरोध किया था। उन्होंने 1975 के आपातकाल के साथ संघ पर प्रतिबंध भी लगाया था। संघ के हजारों कार्यकर्ताओं को लंबी अवधि तक जेल में डाल दिया था, जो जेल नहीं जा सके, उनका भी व्यापक उत्पीड़न हुआ था।

संघ की गतिविधियों को लेकर हिंदुत्व के विरोधी स्वाधीनता आंदोलन के समय से ही सक्रिय हैं। ऐसे तत्व सेकुलरवाद के नाम पर हिंदू संस्कृति और परंपरा पर हमलावर रहते हैं। तमिलनाडु की स्टालिन सरकार ने भी सेकुलरिज्म के नाम पर संघ के पथ संचरण कार्यक्रम पर रोक लगाई थी। स्टालिन सरकार ने संघ के कार्यक्रम को रोकने के लिए रास्ते में मस्जिद और चर्च होने के सामान्य अमान्य तर्क दिए और कार्यक्रम की अनुमति देने से इनकार किया, तब मद्रास उच्च न्यायालय ने उनके इस कृत्य पर कड़ी फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा था, "संघ को अनुमति देने से मना करने का निर्णय संविधान के विरुद्ध है और लोकतंत्र के भी असंगत है। सरकार का निर्णय मौलिक अधिकारों के भी विरुद्ध है।" उसके भी एक साल पहले स्टालिन सरकार ने ऐसा ही किया था। संघ ने गांधी जयंती और आजादी के 75 साल पूरे होने के अवसर पर कार्यक्रम आयोजन की अनुमति मांगी थी। राष्ट्रवाद के विरोधी मुख्यमंत्री स्टालिन ने इसकी भी अनुमति नहीं दी थी। संघ ने तब भी न्यायालय की शरण ली थी। खास बात यह है कि स्टालिन ने सनातन परंपरा को भी मलेरिया, डेंगू, कोरोना आदि बताया था। संघ 100 साल का हो चुका है। इस अवधि में संघ ने सारी दुनिया में विशेष प्रतिष्ठा हासिल की है। संघ का मूल आधार हिंदुत्व है। सर्वोच्च न्यायपीठ ने हिंदुत्व को भारत की जीवन पद्धति बताया था। हिंदुत्व किसी रीलिजन या उपासना पद्धति का नाम नहीं है। भारत में सुदीर्घ काल से चली आ रही संस्कृति और उस पर आधारित जीवन पद्धति का नाम है हिंदुत्व। संघ इसी विचारधारा को लेकर राष्ट्र निर्माण के कार्य में जुटा हुआ है। संघ ने पूरे देश में हिंदुत्व का वातावरण बनाने में सफलता पाई है। यह बात छद्म सेकुलरवादियों को खलती है। सेकुलर भारतीय विचार नहीं है। यह विचार यूरोप से आया था। सेकुलर शब्द का अर्थ इहलोकवादी, प्रत्यक्ष, भौतिक और सांसारिक होता है। इसका अर्थ है इस संसार में जो कुछ भी भौतिक दिखाई पड़ रहा है, वही सही है। इस विचार के अनुसार हिन्दू आस्था गैर सेकुलर हैं। ईश्वर प्रत्यक्ष नहीं होता। सेकुलरवाद की परिभाषा में ईश्वर भी सेकुलर नहीं है। संघ दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक संगठन है। संघ भी सेकुलरवाद के चश्मे में सांप्रदायिक है, लेकिन घोर सांप्रदायिक कट्टरपंथी मुस्लिम लीग, एआईएमआईएम सेकुलर हैं। ईसाईयत और इस्लामी विश्वास भी सेकुलर हैं। कायदे से दोनों विश्वासों में ईश्वर हैं और जहां ईश्वर है विश्वास है वे सेकुलरवादी नहीं हो सकते, लेकिन छद्म सेकुलरवाद में इस्लामी ईसाई विश्वास सेकुलर हैं। यहां सभी सांस्कृतिक प्रतीक सांप्रदायिक हैं। सरस्वती वंदना भी सांप्रदायिक है। इस्लामी परंपरा के रोजा आदि कार्यक्रमों में राजनेताओं का सम्मिलित होना सेकुलर है।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

श्रीराम जन्मभूमि सहित सभी आस्था केंद्रों में जाना गैर सेकुलर है और सांप्रदायिकता है। इन्हीं सेकुलरवादियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित योग को भी सांप्रदायिक बताया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की देशभक्ति संस्कृति प्रियता और काम करने की सामान्य पद्धति बहुत लोकप्रिय है। उसके कार्यकर्ता देश और विचार के लिए अपना करियर छोड़ देते हैं। मातृभूमि के लिए किसी भी सीमा तक जाने की भावना रखते हैं। कांग्रेस को संघ अच्छा नहीं लगता। प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री रहते हुए संघ का घोर विरोध किया था। उन्होंने 1975 के आपातकाल के साथ संघ पर प्रतिबंध भी लगाया था। संघ के हजारों कार्यकर्ताओं को लंबी अवधि तक जेल में डाल दिया था, जो जेल नहीं जा सके, उनका भी व्यापक उत्पीड़न हुआ था। कांग्रेस संघ विरोधी है। वह तुष्टिकरण की नीति पर चलती है। हिंदू विचार की निंदा से थोक वोट बैंक लेने की नीति पर चलती है।

कांग्रेस के नेता और लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता ने कई बार संघ की आलोचना की है। नेता प्रतिपक्ष होने के पहले उन्होंने संघ से लड़ने की घोषणा की थी। वैचारिक आधार पर संघर्ष करना अच्छी बात है। उन्होंने अपने एक बयान में कहा था कि वह गीता और उपनिषद पढ़कर संघ से निपटेंगे। मैंने उनके इस बयान का स्वागत किया था। गीता, उपनिषद भारतीय संस्कृति और दर्शन के अद्भुत ग्रंथ हैं। ये ग्रंथ संपूर्ण ब्रह्मांड को एक इकाई मानते हैं। सारी दुनिया को परिवार जानने की अनुभूति देते हैं। अफसोस कि राहुल जी ने अपना यह वादा पूरा नहीं किया।

संघ अपने 100 वर्ष पूरे करने के उपलक्ष्य में गहन जनसंपर्क अभियान चला रहा है। राष्ट्रीय संकट के प्रत्येक अवसर पर संघ ने सरकार का साथ दिया है। संघ की गतिविधियां भारतीय संविधान के संगत हैं। संविधान के अनुच्छेद 19 में संगठन बनाने और देश की सेवा करने का अधिकार है। संविधान में कहा गया है कि "सभी नागरिकों को वाक् स्वातंत्र्य और विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होगी। शांतिपूर्वक और निरायुध सम्मेलन का भी अधिकार होगा।" यह मौलिक अधिकार है। राज्य कर्मचारी भी भारत के संविधान के अनुसार किसी संगठन की गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए स्वतंत्र हैं। कर्मचारी भी भारत के नागरिक हैं। उनके संवैधानिक अधिकारों को छीना नहीं जा सकता। मुंबई हाईकोर्ट ने 1962 में कहा था कि किसी सरकारी कर्मचारी का संघ की गतिविधियों में भाग लेना विध्वंसक कार्य नहीं है। उसे इसी आधार पर सरकारी सेवा से नहीं हटाया जा सकता। संघ के निंदक संविधान नहीं मानते। वे कोर्ट के आदेशों का सम्मान नहीं करते। बंगलुरु उच्च न्यायालय ने संघ का सदस्य होने के आधार पर न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति से वंचित रखने को वैध कारण नहीं माना। पटना, चंडीगढ़, भोपाल आदि न्यायालय के तमाम निर्णयों में संघ का सदस्य होना आपत्तिजनक नहीं पाया गया। अच्छा हो कि सरकारें भारत की राष्ट्रवादी विचारधारा का आदर करें और संघ को राष्ट्र निर्माण का कार्य करने दें।

पीयूष पांडेः कहानीकार जिसने हर दिल से बात की

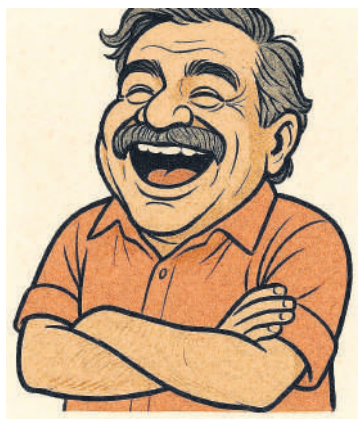

मेरे विज्ञापन क्षेत्र की शुरुआत 1991 में 'द टाइम्स ऑफ इंडिया' के साथ हुई और उस समय यह कल्पना भी नहीं की थी कि बॉम्बे (अब मुंबई) में एक ही मुलाकात मेरी पेशेवर यात्रा पर इतना प्रभाव डाल जाएगी। वह मुलाकात थी, पीयूष पांडे से- वह व्यक्ति, जिसने भारतीय विज्ञापन को नया आकार दिया और एक ऐसी रचनात्मक शक्ति बनकर उभरे, जिसने अरबों दिलों को जोड़ा।

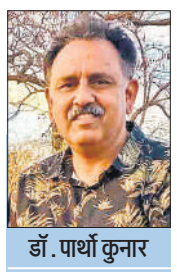

डॉ. पार्थो कुनार
ट्रांसफॉर्मेशन स्ट्रेटिस्ट

बरसों गुजरने के साथ, जब मैं बरेली में एक प्रमुख क्षेत्रीय अखबार की दुनिया में आया, तो मैंने उनकी प्रतिभा की गहराई को समझा। पांडेय की रचनाएं महानगरों से परे पहुंचीं और उनका कथानक धारचूला और मुन्सियारी जैसे दूर-दराज के इलाकों में भी उतना ही प्रभावी था, जितना कि मुंबई या दिल्ली में। उन्होंने ऐसा संचार बनाया जो भूगोल, भाषा और धार्मिक बाधाओं को पार कर गया। भारत जैसे विविध देश में यह एक दुर्लभ उपलब्धि है।

उनके कार्य भारतीय विज्ञापन की यात्रा का जीवंत इतिहास हैं। 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' (1988) ने पूरे देश को एक स्वर में बांधा। 'लूना मोपेड' का 'चल मेरी लूना' आम भारतीय के सपनों का प्रतीक बना। 'सनलाइट डिटर्जेंट' का पहला विज्ञापन उनकी सरल और सशक्त लेखन शैली का परिचायक था। कैडबरी डेयरी मिल्क का 'कुछ खास है हम सभी में' (1993) हर भारतीय के दिल में जगह बना गया। 'एशियन पेंट्स' का 'हर घर कुछ कहता है' (2002)। इस ऐड ने घर की दीवारों को बोलने वाला बना दिया और फेविकोल के चुटीले अभियानों ने ब्रांड को भारतीय संस्कृति का हिस्सा बना दिया।

ये अभियान केवल विज्ञापन नहीं थे- ये जीवन की कहानियां थीं, जो भारतीय भावना, हास्य और अपनत्व से जुड़ी थीं। उनके शब्दों और चित्रों ने साधारण उत्पादों को सांस्कृतिक प्रतीकों में बदल दिया। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वह कहानी को हमेशा सच्चा और सबके लिए समझने योग्य बनाए रखते थे। ऐसी धरती पर, जहां हर दस किलोमीटर पर भाषा बदल जाती है, उनके संदेश फिर भी हर दिल तक पहुंचते थे। उनकी रचनात्मकता सदाबहार थी। 1980 के दशक का उनका काम आज भी विज्ञापन और मार्केटिंग की नई पीढ़ियों को प्रेरित कर रहा है, ठीक वैसे ही जैसे किशोर कुमार का कोई अमर गीत जो कभी पुराना नहीं होता।

जो लोग उनके युग में रहे हैं, उनके लिए हर अभियान एक सीख है। उनका योगदान केवल विज्ञापन नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के उत्सव का प्रतीक है। बुद्धिमत्ता, गर्मजोशी और ऐसे शब्दों के माध्यम से जो सदैव याद रहेंगे। भारत ने केवल एक रचनात्मक प्रतिभा ही नहीं, बल्कि एक ऐसे गुरु को खोया है, जो पीढ़ियों के कहानीकारों के लिए प्रेरणा थे। पीयूष पांडे का योगदान अमर रहेगा- विचारों की शक्ति में विश्वास रखने वालों के लिए एक प्रकाशस्तंभ की तरह।

भारतीय विज्ञापन के इस लीजेंड को सादर नमन!

coo@amritvichar.com

हर कोई करता है 50 किलो भोजन बर्बाद

विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति (एसओएफआई) रिपोर्ट-2025 से उद्घाटित हुआ है कि वर्ष 2024 में 63.8 करोड़ से 72 करोड़ लोग, जो वैश्विक जनसंख्या का क्रमशः 7.8 और 8.8 प्रतिशत है, भूख का सामना करेंगे। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कई देशों में बढ़ी हुई मुद्रास्फीति ने क्रय शक्ति को कमजोर कर दिया है, जिसके कारण 2030 तक भूख और खाद्य असुरक्षा के उन्मूलन यानी एसडीजी लक्ष्य 2.1 बहुत दूर हो गया है। संयुक्त राष्ट्र की 2024 की ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 36 देशों में भूख का स्तर बेहद गंभीर है। इस रिपोर्ट के मुताबिक विश्व स्तर पर 2025 तक 673 मिलियन लोग भूख का अनुभव करेंगे, जो कुल जनसंख्या का 8.2 प्रतिशत है। आंकड़ों के मुताबिक यह 2023 एवं 2022 की तुलना में थोड़ा कम है, लेकिन चुनौती जस की तस बरकरार है।

संयुक्त राष्ट्र की 2024 की रिपोर्ट पर गौर करें, तो विश्व में हर साल लगभग 1.05 अरब टन खाना बर्बाद होता है, जो कि कुल खाद्य उत्पादन का 19 प्रतिशत है। इसका मतलब यह हुआ कि दुनियाभर में हर दिन लगभग एक अरब से ज्यादा थालियां बर्बाद हो जाती हैं। खाने की बर्बादी के मामले में पहला स्थान चीन का है, जहां हर साल 9.6 करोड़ टन खाना बर्बाद होता है। दूसरे स्थान पर भारत है, जहां हर साल 6.7 करोड़ टन खाना बर्बाद होता है। यह प्रति व्यक्ति के हिसाब से 50 किलो ठहरता है। खाने की यह बर्बादी इस अर्थ में ज्यादा चिंतनीय है कि एक ओर जहां दुनियाभर के करोड़ों लोग भुखमरी के शिकार हैं, वहीं करोड़ों टन खाना बर्बाद हो रहा है।

अरविंद जयतिलक
लेखक

गत वर्ष पहले एसोचैम और एमआरएसएस इंडिया की एक रिपोर्ट से उद्घाटित हुआ था कि भारत में हर वर्ष 440 अरब डॉलर के दूध, फल और सब्जियां बर्बाद होती हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक विश्व के एक बड़े उत्पादक देश होने के बावजूद भी भारत में कुल उत्पादन का करीब 40 से 50 फीसदी भाग, जिसका मूल्य लगभग 440 अरब डॉलर के बराबर है, बर्बाद हो जाता है। एक आंकड़े के मुताबिक देश में हर साल उतना भोजन बर्बाद होता है, जितना ब्रिटेन उपभोग करता है। आंकड़ों पर गौर करें तो देश में 2023-24 में कुल खाद्यान्न उत्पादन 3322.98 लाख मिट्रिक टन था, लेकिन इसके बावजूद भी यह अन्न लोगों की भूख नहीं मिटा पा रहा है। ऐसा नहीं है कि यह उत्पादित देश की आबादी के लिए कम है, लेकिन अन्न की बर्बादी के कारण करोड़ों लोगों को भूखे पेट रहना पड़ रहा है। भोजन की कमी से हुई बीमारियों से देश में सालाना हजारों बच्चों की जान जाती है। वैश्विक भूख सूचकांक-2024 के मुताबिक ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत दुनिया के 127 देशों में 105 वें स्थान पर रहा है। भारत को इस सूचकांक में गंभीर श्रेणी में रखा गया है। भारत का स्कोर 27.3 है, जो गत साल से थोड़ा बेहतर है। बर्बाद भोजन को पैदा करने में 25 प्रतिशत स्वच्छ जल का इस्तेमाल होता है और साथ ही कृषि के लिए जंगलों को भी नष्ट किया जाता है। इस भोजन को उगाने में 30 करोड़ बैरल तेल की भी खपत होती है।

AI: डिजिटल बैंकिंग का स्मार्ट युग

भारत में बैंकिंग क्षेत्र तेजी से डिजिटल रूप से विकसित हुआ है। आज बैंकिंग सेवाओं का बड़ा हिस्सा मोबाइल और इंटरनेट प्लेटफॉर्म पर आ चुका है। केवल UPI के माध्यम से जुलाई-अगस्त 2025 में लगभग 20 अरब लेन-देन हुए, जिनकी कुल राशि 25 लाख करोड़ के आसपास रही। इतने बड़े लेन-देन प्रवाह को संभालने में मानव निर्भर व्यवस्था असंभव होती। ऐसे में एआई और ML तकनीक ने बैंकों को ऑपरेशन में कुशलता, समय की बचत और लागत में भारी कमी करने में मदद की है।

एआई ने बैंकिंग क्षेत्र के सबसे जटिल हिस्से ग्राहक सेवा को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां ग्राहकों को कॉल सेंटर या शाखा में जाकर मदद लेनी पड़ती थी, वहीं अब चैटबॉट, वॉयस असिस्टेंट और डिजिटल हेल्पडेस्क 24x7 सुविधा प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए देश के बड़े बैंक जैसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, HDFC बैंक और ICICI बैंक ने ऐसे एआई असिस्टेंट्स लॉन्च किए हैं, जो लाखों ग्राहकों को एक साथ उत्तर दे सकते हैं। इससे बैंक के कॉल सेंटर की लागत में 40% से अधिक की बचत हुई है और ग्राहक संतुष्टि स्तर भी बढ़ा है।

> एआई ने बैंकिंग क्षेत्र के सबसे जटिल हिस्से- ग्राहक सेवा को पूरी तरह से बदल दिया है। पहले जहां ग्राहकों को कॉल सेंटर या शाखा में जाकर मदद लेनी पड़ती थी, वहीं अब चैटबॉट, वॉयस असिस्टेंट और डिजिटल हेल्प डेस्क 24x7 सुविधा प्रदान करते हैं।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का YONO प्लेटफॉर्म अब नौ करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं तक पहुंच चुका है। बैंक के लगभग 65% बचत खाते और 40% से अधिक व्यक्तिगत ऋण अब डिजिटल रूप से खोले जा रहे हैं। इसका अर्थ है कि शाखाओं में फाइल प्रोसेसिंग, दस्तावेज जांच और मैनुअल कार्यों पर लगने वाली लागत अब बहुत कम हो गई है। निजी क्षेत्र में HDFC Bank का "EVA" और ICICI Bank का "iPal" जैसे एआई बॉट ग्राहकों के प्रश्नों का उत्तर सेकंडों में देते हैं, जिससे हैंडलिंग टाइम व मानव संसाधन खर्च घटा है।

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

मशीन लर्निंग ने बैंकों की जोखिम प्रबंधन प्रणाली को भी अत्यधिक मजबूत बनाया है। UPI और डिजिटल पेमेंट्स में हर दिन करोड़ों ट्रांजैक्शन होते हैं, जिनमें धोखाधड़ी की संभावना बनी रहती है। अब बैंक ML algorithm के माध्यम से लाखों ट्रांजैक्शन पैटर्न का विश्लेषण कर संदिग्ध गतिविधियों को तुरंत पहचान लेते हैं। इससे बैंक करोड़ों रुपये के संभावित नुकसान से बच रहे हैं। एआई आधारित क्रेडिट अंडरराइटिंग ने ऋण स्वीकृति प्रक्रिया को भी बदल दिया है। पहले जहां लोन आवेदन का आकलन कई दिनों तक चलता था, वहीं अब एआई की मदद से कुछ ही मिनटों में उधारकर्ता की क्रेडिट योग्यता का आकलन किया जा सकता है। GST डेटा, मोबाइल व्यवहार, ट्रांजैक्शन हिस्ट्री जैसे वैकल्पिक डेटा पॉइंट्स के आधार पर अब बैंक लोन देने के निर्णय तेजी से लेते हैं। इससे प्रोसेसिंग समय में 70% तक कमी और लागत में भारी बचत हुई है।

बैंकिंग संचालन के दृष्टिकोण से देखा जाए तो एआई ने कॉस्ट-टू-इनकम अनुपात को भी घटाया है। वित्त वर्ष 2023 से 2025 के बीच अधिकांश सार्वजनिक और निजी बैंकों ने परिचालन दक्षता में 10-15% सुधार दर्ज किया है। इसके पीछे डिजिटल चैनलों का विस्तार और एआई आधारित प्रक्रियाओं का बड़ा योगदान है। शाखाओं की संख्या वही रही, लेकिन ट्रांजैक्शन डिजिटल माध्यमों से हुए, जिससे लागत घटी। ग्राहक सेवा की दृष्टि से भी परिवर्तन उल्लेखनीय है। अब ग्राहक व्हाट्सएप, चैटबॉट या मोबाइल ऐप से सीधे बैलेंस, स्टेटमेंट या पेमेंट कर सकते हैं। इससे कॉल सेंटर पर दबाव कम हुआ और बैंकों की प्रति-ग्राहक सेवा लागत लगभग आधी हो गई है। कई बैंकों में 60-80% तक के साधारण प्रश्न अब एआई बॉट द्वारा ही सुलझा लिए जाते हैं।

एआई का उपयोग केवल लागत बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राजस्व बढ़ाने में भी मददगार है। एआई आधारित 'नेक्स्ट बेस्ट ऑफर' सिस्टम ग्राहक की जरूरत के अनुसार उत्पाद सुझाते हैं। इससे क्रॉस-सेल और अप-सेल दरों में 10-15% की बढ़ोतरी हुई है। साथ ही एआई की मदद से लोन रिकवरी और कलेक्शन में भी सुधार आया है, क्योंकि मशीन यह तय करती है कि किस ग्राहक से कब और किस माध्यम से संपर्क करना अधिक प्रभावी रहेगा। हालांकि इन प्रगति के साथ कुछ चुनौतियां भी हैं। एआई पर अत्यधिक निर्भरता से डेटा सुरक्षा, साइबर जोखिम और algorithmic bias जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इस कारण भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में 'एथिकल एआई फ्रेमवर्क' जारी किया है, जिससे एआई के उपयोग में पारदर्शिता, जवाबदेही और उपभोक्ता संरक्षण सुनिश्चित हो सके।

भगवान-भरोसे बैठे रहना कायरता के सिवा कुछ भी नहीं

समाज में अलग-अलग सोच और प्रकृति के लोग होते हैं। अपनी-अपनी विचारधारा से वे कर्म करते हैं। बहुतेरे भाग्यवादी होते हैं, जबकि बहुत से लोग कर्म पर विश्वास करते हैं और भाग्य-भरोसे नहीं बैठे रहते तथा जीवन में ऐसे सफलता भी हासिल करते हैं, जबकि भाग्यवादी लोग ईश्वर पर सब कुछ कर बैठ जाते हैं। ऐसे लोग गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस में उल्लिखित 'होइहै वही जो राम रचि राखा, को करि तर्क बढ़ावहिं साखा' चौपाई का उद्धरण देते हुए उस दिन का इंतजार करते हैं, जब भगवान सब कुछ प्रदान कर देंगे, जबकि यह चौपाई कर्म या भाग्य के लिए नहीं है। वनवास के दौरान सीता जी के अपहरण के बाद जब सती ने राम की परीक्षा लेने की जिद की, तब भगवान शिव ने अनुमति देते समय संदर्भित चौपाई का प्रयोग किया और सती को भगवान राम की परीक्षा लेने की अनुमति दे दी।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

अब सवाल उठता है कि यहां अपने लक्ष्य के लिए भगवान भरोसे बैठने का कहां संदेश है? यदि कर्म में इस चौपाई का प्रयोग किया जाएगा, तो वही होगा जो सती के साथ हुआ और सती राम की परीक्षा में फेल हो गईं। अंततोगत्वा शिव जी की नाराजगी भांपकर पिता दक्ष के घर आईं और वहां अग्निकुंड में कूदकर अपना जीवन उन्हें नष्ट करना पड़ा। इसलिए किसी भी उद्धरण को हर जगह लागू करना उचित नहीं। गोस्वामी तुलसीदास ने ही सुंदरकांड में 'प्रबिसि नगर कीजे सब काजा, हृदय राखि कोसलपुर राजा' चौपाई का उल्लेख किया है। इस चौपाई में 'सब काजा' पर जरूर ध्यान देना चाहिए। यानी कुशलता की भावना रखने वाला राजा जो कोई काम करता है, वह लोकहित का काम होता है।

इस चौपाई के अनुसार यदि कहीं अन्याय और अत्याचार हो रहा है, तब भाग्य भरोसे बैठ नहीं जाना चाहिए, बल्कि अन्याय तथा अत्याचार का विरोध करना चाहिए। ऐसी स्थिति में गोस्वामी जी ने आगे 'गरल सुधा रिपु करे मिताई, गोपद सिंधु अनल सितलाई' चौपाई में स्पष्ट कर दिया कि अन्याय तथा अत्याचार का विरोध करने पर विष अमृत हो जाता है, दुश्मन भी मित्रता करने लगते हैं तथा संसार-सिंधु गाय के पांव से लांघने की शक्ति मिलती है और अत्याचार की आग शीतल हो जाती है, इसलिए भाग्य के सहारे नहीं बैठना चाहिए।

ग्रामीण क्षेत्रः शिक्षा सहज अधिकार नहीं, बल्कि रोज की जंग

हर समाज की असली ताकत उसके शैक्षणिक स्तर से झलकती है, वहां से जहां बच्चे स्कूल जाने के सपने देखना सीखते हैं, लेकिन भारत के कई ग्रामीण इलाकों में ये स्कूल अब भी सपनों के नहीं, संघर्षों के प्रतीक बने हुए हैं। यहां शिक्षा कोई सहज अधिकार नहीं, बल्कि रोज की जंग है। ये जंग गरीबी से, असमानता से और कभी-कभी खुद समाज की सोच से भी होती है, असली सवाल यह है कि जो कदम मानवीय संवेदना और समानता की भावना से शुरू होनी चाहिए, क्या सिर्फ प्रशासनिक व्यवस्था बदलने से वह बदलाव आएगा?

ग्रामीण इलाकों में सरकारी स्कूलों की हालत किसी से छिपी नहीं है। यहां अक्सर शिक्षकों की भारी कमी रहती है। कई बार वर्षों तक पद खाली रहते हैं, जिससे एक ही शिक्षक को कई विषय पढ़ाने पड़ते हैं। परिणामस्वरूप बच्चों को न तो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल पाती है और न ही शिक्षक अपने कार्य से संतुष्ट रहते हैं। ऐसे स्कूलों में ज्यादातर बच्चे आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं, वे परिवार जिनके माता-पिता रोजी-रोटी की तलाश में सुबह जल्दी निकल जाते हैं और देर शाम घर लौटते हैं। इन माता-पिता के सामने हर दिन यह द्वंद्व रहता है कि रोजी-रोटी कमाऊं या बच्चों की देखभाल करूं?

उर्मिला नायक
एक्टिविस्ट

ग्रामीण शिक्षा की इस बहस में लैंगिक दृष्टिकोण बेहद अहम है। जब माता-पिता काम पर निकल जाते हैं, तो अक्सर लड़कियां घर के कामकाज में लग जाती हैं और लड़के बाहर खेलते या घूमते हैं। धीरे-धीरे यह असमानता स्वाभाविक मानी जाने लगती है। शिक्षा यहां सिर्फ किताबों का ज्ञान नहीं, बल्कि स्वतंत्रता और आत्मनिर्णय का अवसर भी है, खासकर लड़कियों के लिए। अगर गांव में 12 वीं तक का स्कूल हो, तो लड़कियों को बाहर के गांव नहीं जाना पड़ेगा, जिससे उनका ड्रॉपआउट रेट काफी घट सकता है, लेकिन जब शिक्षा का ढांचा ही अधूरा है, तब समान अवसर की बात अधूरी रह जाती है। यह स्थिति न केवल लड़कियों की शिक्षा को प्रभावित करती है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने के अवसर से भी वंचित कर देती है।

शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि इंसानियत और समझ विकसित करने का माध्यम है। ग्रामीण समाज में जब हम शिक्षा की बात करते हैं, तो यह केवल 'स्कूल में पढ़ाई' की बात नहीं होती, बल्कि यह बच्चों की सुरक्षा, उनकी भावनात्मक स्थिरता और उनके सपनों से जुड़ी होती है। अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति समुदायों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती है। गांवों में शिक्षा को लेकर जागरूकता बहुत सीमित है, क्योंकि यहां 'कमाना' अक्सर 'पढ़ने' से ज्यादा जरूरी समझा जाता है।

यह मानसिकता किसी व्यक्ति की गलती नहीं, बल्कि एक लंबे सामाजिक-आर्थिक संघर्ष का परिणाम है। जब पेट भरने का सवाल हो, तब शिक्षा की प्राथमिकता पीछे छूट जाती है, इसलिए शिक्षा के अधिकार को केवल नीति या योजना का हिस्सा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समान अवसर के अधिकार के रूप में देखा जाना चाहिए। शिक्षा सुधार में महिलाओं की भागीदारी को केंद्र में रखना जरूरी है। जब महिलाएं आर्थिक रूप से सक्षम होती हैं, तब वे अपने बच्चों विशेष रूप से लड़कियों की शिक्षा पर अधिक ध्यान देती हैं, लेकिन ग्रामीण भारत में आज भी कई महिलाएं निर्णय प्रक्रिया से दूर रखी जाती हैं।

यदि सरकार महिलाओं को सशक्त करने वाली योजनाओं को शिक्षा नीति से जोड़ दे, जैसे महिलाओं के लिए स्थानीय स्कूल समितियों में प्रतिनिधित्व, स्कूल प्रबंधन में भागीदारी और बेटियों की शिक्षा पर प्रोत्साहन, तो इसका असर जमीनी स्तर पर दिखाई देगा। शिक्षा सुधार तभी सफल होगा, जब महिलाओं की आवाज न केवल सुनी जाए, बल्कि वे नीति निर्माण का हिस्सा भी बने। ग्रामीण शिक्षा की समस्या किसी एक विभाग या संस्था की नहीं है। यह पूरी समाज की जिम्मेदारी है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

आर्यन खान ने हाल ही में अपने निर्देशन की शुरुआत नेटफ्लिक्स वेब सीरीज 'द बा**इस ऑफ बॉलीवुड' से की है, जिसने दर्शकों और आलोचकों दोनों का ध्यान खींचा है। यह शो बॉलीवुड के ग्लैमरस और अराजक अंदरूनी कामकाज की एक व्यंग्यात्मक झलक पेश करता है और इसे अपनी चुटीले हास्य, चतुराई भरे संवादों और बॉलीवुड के प्रति श्रद्धा के लिए सराहा गया है।

आर्यन खान का निर्देशन में पहला कदम
'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड'

निर्देशकीय दृष्टि और कथा शैली

इस सात-एपिसोड की सीरीज में आर्यन खान ने एक महत्वाकांक्षी बाहरी व्यक्ति आसमान सिंह की कहानी पेश की है, जो बॉलीवुड की चकाचौंध से भरी दुनिया में अपनी पहचान बनाने की कोशिश करता है। कहानी सत्ता, पैसे और इंडस्ट्री के 'माफिया' के बीच घूमती है, जिसमें कई बॉलीवुड संदर्भ और स्टार-जड़ीदार कैमियो शामिल हैं, जिनमें सलमान खान, शाहरुख खान, आमिर खान और रणबीर कपूर जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं। आर्यन की कहानी कहने की शैली को स्टाइलिश और तेज-तर्रार बताया गया है, जो आज के दर्शकों को पसंद आती है।

शाहरुख खान के प्रति गर्वानुभूति

इस सीरीज में आर्यन ने अपने पिता शाहरुख खान के करियर के प्रति गर्व प्रकट किया है। कई मौकों पर, शो में शाहरुख के करियर के संदर्भ और यादगार पल दिखाए गए हैं, जिसने उनके प्रशंसकों को भावुक और पुरानी यादों में खो जाने का एहसास कराया। एक दृश्य में आसमान को बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिलता है और वह शाहरुख की फिल्म 'ओम शांति ओम' के प्रतिष्ठित संवाद, 'अगर किसी चीज को दिल से चाहो...' को दोहराता है, जिसने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी थी। शाहरुख का खुद शो में एक कैमियो करना उनके प्रशंसकों के लिए एक भावनात्मक क्षण था, जो दिल्ली से मुंबई तक के उनके सफर को दर्शाता है।

निर्देशन और लेखन

एक अभिनेता के रूप में डेब्यू करने के बजाय, आर्यन ने निर्देशन को चुना, क्योंकि उन्हें इसमें रचनात्मक नियंत्रण मिला। उन्होंने अपनी इस पहली सीरीज को सह-लिखा और सह-निर्देशित किया, जिससे उनकी कहानी कहने की क्षमता सामने आई। आर्यन ने बताया कि बचपन से ही उनके पिता ने उन्हें फिल्म निर्माण के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया, जो उनके लिए जादू जैसा था। उन्होंने लॉकडाउन के दौरान अपने पिता और बहन सुहाना के साथ मिलकर एक शॉर्ट फिल्म भी बनाई थी।

विवाद और प्रतिक्रिया

सीरीज के कुछ दृश्यों पर विवाद भी हुआ है। एनसीबी अधिकारी समीर वानखेड़े ने मानहानि का मुकदमा दायर करते हुए आरोप लगाया है कि एक किरदार में उनका मजाक उड़ाया गया है। हालांकि आर्यन ने अपने शो का बचाव करते हुए कहा कि वह 'आत्म-व्यंग्यात्मक' होना चाहते थे, न कि 'अनादरपूर्ण'। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कुछ चुटकुले सभी के लिए नहीं हो सकते हैं, लेकिन युवाओं को यह पसंद आ सकता है।

सफल उद्यमी

निर्देशन के अलावा, आर्यन खान एक सफल उद्यमी भी हैं। 2022 में उन्होंने 'स्लैब वेंचर्स' नामक कंपनी की सह-स्थापना की, जिसके तहत उन्होंने 'डी' यावोल' नामक एक लक्जरी कलेक्टिव ब्रांड लॉन्च किया। हाल ही में उन्होंने और उनके पिता ने निखिल कॉमथ और रेडिको खेतान के साथ मिलकर एक प्रीमियम शराब ब्रांड, 'डी'यावोल स्पिरिट्स' भी लॉन्च किया।

'द बा**ड्स ऑफ बॉलीवुड' आर्यन खान के लिए एक मजबूत और प्रभावशाली शुरुआत है, जिसने साबित कर दिया है कि वह कैमरे के पीछे भी उतने ही प्रतिभाशाली हैं, जितने कि कैमरे के सामने। यह शो न केवल मनोरंजन करता है, बल्कि बॉलीवुड की चकाचौंध के पीछे की कुछ सच्चाइयों को भी उजागर करता है। अपनी पहली ही फिल्म में आर्यन ने एक निडर और रचनात्मक निर्देशक के रूप में अपनी पहचान बनाई है और उनका भविष्य काफी उज्ज्वल नजर आता है।

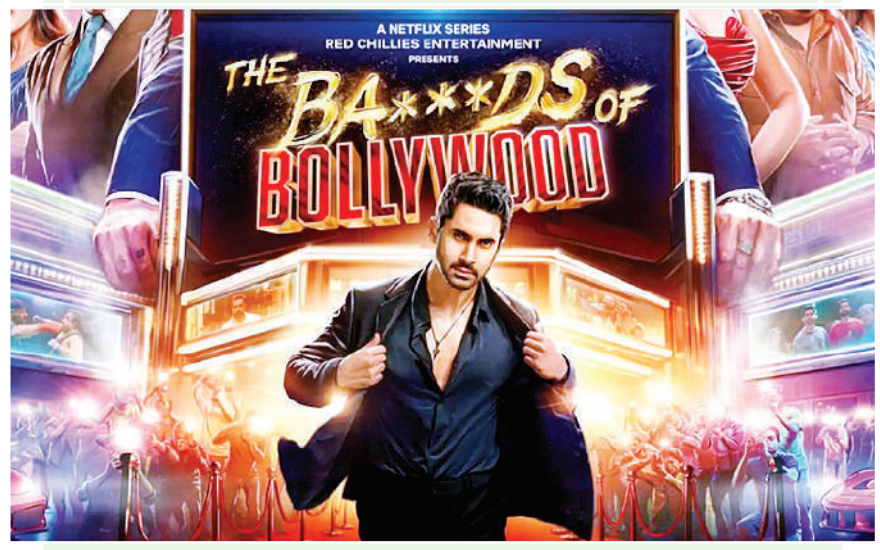

'द गॉडफादर' बनने की दिलचस्प कहानी

लेखक मारियो पूजो ने एक उपन्यास लिखा 'द गॉड फादर'। यह उपन्यास आज भी बहुत चर्चित है। इस उपन्यास पर फिल्म बनाना बहुत मुश्किल काम था, लेकिन पैरामाउंट पिक्चर ने यह जोखिम उठाया। इस उपन्यास की कहानी 1945 से 1955 के बीच न्यूयार्क के एक माफिया डॉन परिवार पर बेस्ड है। वीटो कोरलियॉन (मार्लन ब्रांडो) इस परिवार के मुखिया हैं। उन्हें ही डर से लोग 'गॉड फादर' के नाम से पुकारते हैं। इस फिल्म को अमेरिकन फिल्म इंस्टीट्यूट ने 'वन ऑफ द बेस्ट अमेरिकन फिल्म्स एवर मेड' कहा है। इस फिल्म का निर्देशन फ्रांसिस फोर्ड कोपोला ने किया है। इस फिल्म को बनाने की कहानी बड़ी ही दिलचस्प है।

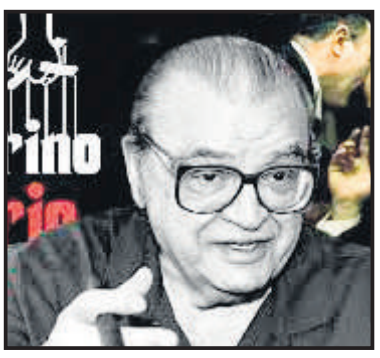

'द गॉडफादर' फिल्म का निर्माण एक असाधारण और चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया थी, जो 1972 में रिलीज हुई थी। यह हॉलीवुड इतिहास की सबसे प्रशंसित और प्रभावशाली फिल्मों में से एक है। इसकी यात्रा कई बाधाओं, स्टूडियो के दखल और कलाकारों के चयन की समस्याओं से भरी हुई थी। फिल्म की कहानी मारियो पूजो के 1969 में प्रकाशित उपन्यास 'द गॉडफादर' पर आधारित है। पूजो ने यह किताब पैसा कमाने के उद्देश्य से लिखी थी, क्योंकि उनकी पिछली किताबें बहुत लोकप्रिय नहीं हुई थीं। यह उपन्यास तेजी से बेस्टसेलर बन गया। पैरामाउंट पिक्चर्स ने 1967 में ही इस उपन्यास के अधिकार खरीद लिए थे, जब यह एक अधूरा मसौदा था।

निर्देशक का चयन

पैरामाउंट के कार्यकारी रॉबर्ट इवांस चाहते थे कि एक इटालियन अमेरिकी ही फिल्म का निर्देशन करें, ताकि यह प्रामाणिक लगे। उनकी पसंद फ्रांसिस फोर्ड कोपोला थे, जो उस समय एक युवा और संघर्षरत निर्देशक थे। कोपोला ने शुरुआत में उपन्यास को पसंद नहीं किया था। उन्हें लगा कि इसमें केवल सनसनीखेज तत्वों पर ध्यान दिया गया है, लेकिन बाद में उन्होंने इसे एक पारिवारिक गाथा के रूप में देखा और इसमें छिपी हुई शास्त्रीय त्रासदी को पहचाना।

स्टूडियो की अड़चनें

कोपोला को पूरी शूटिंग के दौरान पैरामाउंट स्टूडियो के लगातार विरोध का सामना करना पड़ा। स्टूडियो उनके निर्णयों से नाराज था और कई बार उन्हें फिल्म से निकालने की धमकी दी। स्टूडियो फिल्म को आधुनिक समय (1970 के दशक) में सेट करना चाहता था, ताकि लागत कम हो, लेकिन कोपोला 1940 के दशक के समय पर अड़े रहे, जिससे फिल्म की भव्यता और लागत दोनों बढ़ गईं।

कलाकारों का चयन

कोपोला के कलाकारों के चयन पर भी स्टूडियो को सख्त आपत्ति थी। मार्लन ब्रैंडो का नाम सुनते ही स्टूडियो के अधिकारी भड़क गए, क्योंकि उनका करियर ठीक नहीं चल रहा था और वे अक्सर सेट पर समस्याएं पैदा करते थे। कोपोला ने उन्हें कास्ट करने के लिए जिद्द की, यहां तक कि एक स्क्रीन टेस्ट करवाने के लिए भी तैयार हो गए। अल पचीनो उस समय एक नए कलाकार थे, जबकि स्टूडियो एक स्थापित नाम चाहता था। कोपोला को उनकी काबिलियत पर पूरा भरोसा था और उन्होंने उन्हें कास्ट करने के लिए स्टूडियो से लड़ाई की।

माफिया का दबाव

जोसेफ कोलंबो के नेतृत्व वाले इटालियन-अमेरिकन सिविल राइट्स लीग ने फिल्म का विरोध किया, क्योंकि उन्हें लगा कि यह इटालियन-अमेरिकियों के बारे में रूढ़िवादिता को बढ़ावा देगी। उन्होंने पटकथा से 'माफिया' और 'कोसा नोस्ट्रा' जैसे शब्द हटाने की मांग की। फिल्म की लंबाई एक और बड़ी समस्या थी। कोपोला ने 90 घंटे से ज्यादा का फुटेज शूट किया था, जिसे स्टूडियो की मांग के अनुसार छोटा करना एक थका देने वाला काम था। फिल्म के संपादन के लिए कई एडिटरों को काम पर रखा गया।

सदी की महानतम फिल्म

सभी चुनौतियों के बावजूद, कोपोला ने फिल्म को शानदार ढंग से पूरा किया। 'द गॉडफादर' ने समीक्षकों की प्रशंसा और बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की। इसने कई ऑस्कर जीते और इसे हमेशा के लिए सिनेमा की एक महानतम कृति माना जाता है। द गॉडफादर की कहानी न केवल कोरलियोन परिवार के बारे में है, बल्कि एक निर्देशक के अपने दृष्टिकोण पर टिके रहने और हॉलीवुड के दबाव का सामना करने के बारे में भी है।

मॉडल आफ द वीक

नामः प्रभाती पांडेय
टाउनः लखनऊ
एजुकेशनः लारेटो कालेज में 11 वीं छात्रा
अचीवमेंटः मिस यूपी-2023
ड्रीमः मिस यूनिवर्स

ज़िंदगी का सफर

शर्मीली शर्मिला

जिन्होंने भी कश्मीर की कली देखी है, उन्हें मालूम होगा कि फिल्म अभिनेत्री शर्मिला टैगोर में अभिनय की कितनी रेंज हैं। उसमें वह एक चुलबुली सी कश्मीरी लड़की के किरदार में नजर आई थीं। शम्मी कपूर के साथ उनकी यह जोड़ी बहुत सफल रही। शर्मिला टैगोर का जन्म आठ दिसंबर 1944 को हैदराबाद में हुआ था। उन्होंने हिंदी और बंगाली सिनेमा में छह दशकों तक काम किया। वह बंगाली टैगोर परिवार से संबंधित हैं। यह भी कहा जाता है कि उनकी रिश्तेदारी नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर से भी रही है। कहते हैं कि वह रवींद्र नाथ टैगोर की परपोती हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शर्मिला टैगोर खुद रवींद्रनाथ टैगोर से रिश्तेदारी के बारे में बता चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि उन्हें इसके बारे में ज्यादा कुछ पता नहीं है, लेकिन ये बेहतरीन सरनेम है और इस पर उनको गर्व है कि वो उस घर में पैदा हुई हैं। शर्मिला ने बताया था कि उनकी पैदाइश से तकरीबन तीन बरस पहले ही रवींद्रनाथ टैगोर का निधन हो चुका था। उन्होंने अपनी मम्मी से उनके बारे में ढेर सारी कहानियां जरूर सुनी थीं।

शर्मिला का जन्म एक बंगाली हिंदू परिवार में हुआ था। उनके पिता, गीतिंद्रनाथ टैगोर, ब्रिटिश इंडिया कॉर्पोरेशन के महाप्रबंधक थे और उनकी मां का नाम इरा टैगोर था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा कोलकाता के सेंट जॉन डायोसेसन गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल से पूरी की। 13 साल की उम्र में, उन्होंने अपनी पढ़ाई छोड़ दी, क्योंकि उनका ध्यान पूरी तरह से अभिनय पर केंद्रित हो गया था। शर्मिला ने 1959 में सत्यजीत रे की बंगाली फिल्म 'अपुर संसार' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की।

उन्होंने 1964 में फिल्म 'कश्मीर की कली' से बॉलीवुड डेब्यू किया। 1967 में आई फिल्म 'एन इवनिंग इन पेरिस' में बिकिनी पहनने वाली वह पहली भारतीय अभिनेत्री थीं। उन्होंने उस समय की रूढ़ियों को तोड़ा था।

1969 में आई फिल्म 'आराधना' से उन्हें अपार सफलता मिली। यह फिल्म उस दौर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक थी। राजेश खन्ना के साथ उनकी जोड़ी काफी सफल रही और उन्होंने कई हिट फिल्में दीं, जिनमें 'आराधना', 'अमर प्रेम', 'सफर' और 'दाग' शामिल हैं। 1975 में उन्होंने गुलजार की फिल्म मौसम में भी काम किया, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। हाल ही में उन्होंने 2023 में फिल्म गुलमोहर के साथ ओटीटी पर वापसी की।

शर्मिला टैगोर ने 1969 में मंसूर अली खान पटौदी से शादी की, जो उस समय भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और पटौदी के नवाब थे। उनके तीन बच्चे हैं। अभिनेता सैफ अली खान, अभिनेत्री सोहा अली खान और आभूषण डिजाइनर सबा अली खान। शर्मिला को 2013 में पद्म भूषण पुरस्कार मिला। आराधना (1970) के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर मिल चुका है। वह 2005 में यूनिसेफ इंडिया के सद्भावना दूत के रूप में भी नामित हुईं।

ई-कचरे के निदान से नागर विमानन मंत्रालय को 82 लाख की आय

नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्रालय ने कबाड़, ई-कचरा और अनावश्यक फाइलों के निपटान से 31,353 वर्ग फुट कार्यालय स्थान खाली कर दिया है। मंत्रालय के अनुसार, इस प्रक्रिया से 81,66,756 रुपये की आय हुई है। विशेष अभियान 5.0 (एससीडीपीएम 5.0) दो अक्टूबर से शुरू हुआ, और इसके तहत मंत्रालय ने कुल 4,988 भौतिक फाइलों निपटारा किया है। यह अभियान 31 अक्टूबर तक जारी रहेगा।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 26 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

एनटीपीसी ने पतरातू इकाई का किया परीक्षण

नई दिल्ली। एनटीपीसी लिमिटेड ने शनिवार को कहा कि पतरातू परियोजना में 800 मेगावाट इकाई का परीक्षण संचालन पूरा होने के साथ उसकी स्थापित क्षमता बढ़कर 84,849 मेगावाट हो गई है। एनटीपीसी ने शेयर बाजार को बताया कि उसकी सहायक कंपनी पतरातू बिजली उत्पादन निगम लिमिटेड ने यूनिट-1 (800 मेगावाट) का परीक्षण संचालन सफलतापूर्वक कर लिया है। कंपनी ने कहा कि पतरातू बिजली उत्पादन निगम लिमिटेड के पतरातू सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट, चरण-1 (3x800 मेगावाट) की इकाई-1 (800 मेगावाट) ने सफलतापूर्वक परीक्षण संचालन पूरा किया और 16 अक्टूबर से एनटीपीसी समूह की स्थापित क्षमता में शामिल हो गई है।

एनसीसी को कोल इंडिया से मिला ऑर्डर

नई दिल्ली। एनसीसी लिमिटेड को कोल इंडिया की शाखा सेंट्रल कोलफील्ड्स से झारखंड की खदान परियोजना से कोयला और ओवरबर्डन (अतिरिक्त मिट्टी) निकालने और ढुलाई का 6,828.94 करोड़ का ठेका मिला है। कंपनी ने शनिवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) से इस ठेके के लिए 24 अक्टूबर की तारीख वाला स्वीकृति पत्र मिला है। एनसीसी ने कहा कि कोयले और ओवरबर्डन (अतिरिक्त मिट्टी और चट्टानी सामग्री) का उत्खनन और परिवहन झारखंड के चंद्रगुप्त क्षेत्र में सीसीएल की आम्रपाली ओपन-कास्ट परियोजना से किया जाएगा।

10,900 इलेक्ट्रिक बसों की निविदा होगी जारी

नई दिल्ली। एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) की अनुषंगी कंपनी कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) 6 नवंबर को सबसे बड़ी 10,900 इलेक्ट्रिक बसों की निविदा खोलने जा रही है। इस निविदा को भारत की स्वच्छ शहरी परिवहन दिशा में सबसे बड़ा कदम माना जा रहा है। सीईएसएल के अनुसार, इस निविदा के लिए घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। यह निविदा हैदराबाद, सूरत, अहमदाबाद, दिल्ली और बेंगलुरु सहित कई शहरों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए होगी। निविदा अनुसार, हैदराबाद को 2,000 बसें, सूरत और अहमदाबाद को मिलाकर 1,600 बसें, दिल्ली में 2,800 बसें और बेंगलुरु में 4,500 बसें उपलब्ध कराई जाएंगी। सीईएसएल के प्रवक्ता ने कहा कि यह निविदा भारत की स्वच्छ गतिशीलता यात्रा का महत्वपूर्ण क्षण है। 10,900 इलेक्ट्रिक बसों के परिचालन से शहरों का परिवहन स्वच्छ, शांत और अधिक कुशल होगा।

हुडको ने जेएनपीए से किया समझौता

नई दिल्ली। हुडको ने 5,000 करोड़ रुपये की बंदरगाह अवसंरचना परियोजनाओं में सहयोग के लिए जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण (जेएनपीए) के साथ प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। आवास एवं शहरी विकास निगम (हुडको) ने शेयर बाजार को बताया कि उसने जेएनपीए के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। हुडको ने कहा कि इस गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन का उद्देश्य 5,000 करोड़ की राशि के लिए जेएन बंदरगाह पर मौजूदा और आगामी बुनियादी ढांचे के विकास और परियोजनाओं के वित्तपोषण तथा पुनर्वित्तपोषण में सहयोग की संभावना तलाशने के लिए सहयोग करना है। समझौते पर हुडको के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) संजय कुलश्रेष्ठ और जेएनपीए के चेयरमैन शरद वाघ ने हस्ताक्षर किए।

सीमा शुल्क संबंधी 31 अधिसूचनाएं एक अधिसूचना में होंगी समाहित

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कारोबार की सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से एक नए सुधारवादी कदम के तहत सीमा शुल्क और विभिन्न उपकरों में छूट से संबंधित 31 अलग-अलग अधिसूचनाओं को एक जगह मिला कर एक समेकित अधिसूचना के रूप में अधिसूचित किया है।

इनमें पोलियोमाइलाइटिस वैक्सीन तथा मोनोकंपोनेंट इंसुलीन के निर्माण में उपयोग की जाने वाली थोक दवाओं पर मूल सीमा शुल्क शून्य करने के प्रावधान वाली अधिसूचनाएं और एयर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड (मेसर्सएआईईएसएल) द्वारा एयर इंडिया के उन विमानों के लिए आपूर्ति को शुल्क में छूट प्रदान करने वाले संशोधनों से संबंधित अधिसूचनाएं भी हैं जिनका रख-रखाव तथा परिचालन भारतीय वायुसेना द्वारा किया जाता है।

- व्यापार सुगमता की दिशा में सीबीआईसी ने उठाया कदम
- एक नवंबर, 2025 से प्रभावी होगी नई अधिसूचना

वर्तमान में वायु सीमा तीन विशिष्ट बी-737 और दो विशिष्ट बी-777 विमानों का रख-रखाव एवं परिचालन करती है।

सीबीआईसी से शनिवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि पूर्व में जारी ये अधिसूचनाएं 24 अक्टूबर 2025 को जारी अधिसूचना संख्या 45/2025 में विलीन कर दी गई हैं। नई अधिसूचना पहली नवंबर 2025 से प्रभावी होगी। अधिसूचना एकीकरण का यह निर्णय सरलीकरण, पारदर्शिता और व्यापार सुगमता की दिशा में एक कदम है। इसके साथ जारी स्पष्टीकरण में कहा गया है कि अधिसूचनाओं के इस एकीकरण से विभिन्न वर्षों में अधिसूचित छूटों की वैधता में कोई परिवर्तन या इससे संबंधित पहले की अधिसूचनाओं के तहत दी गयी किसी भी छूट या रियायत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। एफएक्यू में कहा गया है, "यह कारोबार के अनुकूल उठाया गया एक कदम है। 24 अक्टूबर, 2025 की अधिसूचना 45/2025-सीमा शुल्क, पूर्ववर्ती अधिसूचना 50/2017-सीमा शुल्क और 30 अन्य पूर्ववर्ती सीमा शुल्क अधिसूचनाओं को मिलाकर जारी की गई है। इसलिए, 31 अलग-अलग अधिसूचनाओं का उल्लेख करने के बजाय, इन 31 अधिसूचनाओं में निहित छूट/रियायती दरें अब इस एकल अधिसूचना में उपलब्ध हैं।

हुंडई वेन्यू 2025 : दमदार डिजाइन, ज्यादा स्पेस

4 नवंबर को लॉंचिंग, ग्राहक ₹25,000 में कर सकेंगे बुक

हुंडई मोटर इंडिया ने अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी हुंडई वेन्यू के नए अवतार वेन्यू 2025, की बुकिंग शुरू कर दी है। ग्राहक इसे 25,000 रुपये देकर बुक कर सकते हैं। नई वेन्यू का लॉन्च 4 नवंबर को होगा। कंपनी ने इसमें बड़ा बॉडी साइज, नए डिजाइन वाला एक्सटीरियर, लग्जरी इंटीरियर और कई आधुनिक फीचर्स शामिल किए हैं। 2019 में पहली बार पेश की गई हुंडई वेन्यू अब तक 7 लाख से अधिक यूनिट्स बिक चुकी है। नया मॉडल अपने सेगमेंट में टाटा नेक्सॉन, मारुति सुजुकी ब्रेजा, किआ सोनेट और महिंद्रा एक्सयूवी300 को कड़ी टक्कर देगा।

पहले से कही ज्यादा स्पेस

नई वेन्यू मौजूदा मॉडल की तुलना में अधिक लंबी-चौड़ी है, जिससे रोड प्रेजेंस और केबिन स्पेस बढ़ गए हैं। इसकी लंबाई 3,995 मिमी, चौड़ाई 1,800 मिमी और ऊंचाई 1,665 मिमी है, जबकि व्हीलबेस 2,520 मिमी है- जो पुराने मॉडल से 20 मिमी ज्यादा है। यह एसयूवी 48 मिमी लंबी और 30 मिमी चौड़ी है, जिससे यात्रियों को अधिक जगह और बेहतर आराम मिलेगा।

आकर्षक एक्सटीरियर डिजाइन

नई वेन्यू का लुक पहले से ज्यादा प्रीमियम और स्पोर्टी है। इसमें ट्विन हॉर्न एलईडी डीआरएल, क्वाड-बीम एलईडी हेडलैंप, डार्क क्रोम रेडिएटर ग्रिल और नया इन-ग्लास "वेन्यू" एम्बलम दिया गया है। इसके अलावा ब्रिज-टाइप रूफ रेल्स, मस्कुलर व्हील आर्च और 16-इंच डायमंड-कट अलॉय व्हील इसके आकर्षण को बढ़ाते हैं।

डुअल-टोन कलर ऑप्शन

नई हुंडई वेन्यू 6 मोनोटोन और डुअल-टोन कलर ऑप्शन में उपलब्ध होगी। नए कलर्स में हेजल ब्लू और मिस्टिक सफायर के साथ-साथ एबिस ब्लैक रूफ कॉम्बिनेशन के साथ डुअल-टोन हेजल ब्लू शामिल हैं। अन्य कलर्स में एटलस व्हाइट, टाइटन ग्रे, ड्रैगन रेड और एबिस ब्लैक शामिल हैं।

पावरफुल इंजन ऑप्शंस : परफॉर्मेंस में नई वेन्यू तीन इंजन विकल्पों में है.... 1.2-लीटर काप्पा एमपीआई पेट्रोल इंजन 83 पीएस पावर और 113.8 एनएम टॉर्क देता है। 1.0-लीटर काप्पा टर्बो जीडीआई पेट्रोल 120 पीएस/172 एनएम का दम रखता है, जबकि 1.5-लीटर यू2 सीआरडीआई डीजल 116 पीएस/250 एनएम प्रदर्शन करता है। ट्रांसमिशन में मैनुअल, एएमटी, आईएमटी, टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक और डीसीटी गियरबॉक्स के विकल्प वेरिएंट के आधार पर मिलेंगे। यह इंजन लाइनअप फ्यूल एफिशिएंसी और पावर का बैलेंस प्रदान करेगा।

इंटीरियर और फीचर्स: अंदर नया एच-आर्किटेक्चर डैशबोर्ड और डार्क नेवी-डव ग्रे डुअल-टोन थीम है। एसयूवी में दो 12.3-इंच के कर्व्ड पैनोरमिक डिस्प्ले हैं। अन्य प्रीमियम फीचर्स में डुअल-टोन लेदरेट सीटें, मून व्हाइट एम्बिएंट लाइटिंग, टेराजो टेक्सचर्ड क्रैश पैड, रियर एसी वेंट्स, रियर विंडो सनशेड, टू-स्टेप रिक्लाइनिंग रियर सीटें और इलेक्ट्रिक फोर-वे एडजस्टेबल ड्राइवर सीट शामिल हैं। बढ़ा हुआ व्हीलबेस पीछे बैठने वालों के लिए बेहतर लेगरूम प्रदान करता है।

अमेरिकी मुद्रास्फीति में नरमी से बाजार में तेजी

डॉउ जोन्स पहली बार 47,000 अंक के पार, भारतीय शेयर बाजार पर भी दिखेगा असर

- अर्थशास्त्रियों की मासिक 0.4 और वार्षिक 3.1 प्रतिशत की अपेक्षाओं से थोड़ा कम रहा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका में सितंबर के मुद्रास्फीति के आंकड़े उम्मीद से थोड़े कम रहने के बाद शुक्रवार को शेयर बाजार में तेजी रही। वहीं, भारतीय शेयर बाजार इसके विपरित रहा। विदेशी निवेशकों की निकासी व मुनाफावसूली से सेंसेक्स व निफ्टी में छह सत्र के बाद गिरावट आई। भारतीय बाजार पर सोमवार को इसका असर दिखाई देगा।

डॉउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 472.51 अंक या 1.01% बढ़कर 47,207.12 पर पहुंच गया, जो पहली बार 47,000 के पार बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 53.25 अंक या 0.79% बढ़कर 6,791.69 पर पहुंच गया। नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स 263.07 अंक या 1.15% बढ़कर 23,204.87 पर पहुंच गया। तीनों प्रमुख औसत सूचकांक रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुए। एसएंडपी 500 के 11 प्रमुख क्षेत्रों में से छह में तेजी रही, जिसमें प्रौद्योगिकी और संचार सेवाओं में क्रमशः 1.58 और 1.27% की वृद्धि हुई। ऊर्जा और सामग्री क्षेत्र क्रमशः 1.01 और 0.61% की गिरावट रहीं। श्रम सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार, अमेरिकी संघीय सरकार के बंद होने से विलंबित हुई सितंबर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) रिपोर्ट में इस महीने 0.3% की वृद्धि हुई, जिससे वार्षिक मुद्रास्फीति दर 3%पर रही। डॉउ जोन्स सर्वेक्षण के आधार पर दोनों आंकड़े अर्थशास्त्रियों की मासिक 0.4 और वार्षिक 3.1% की अपेक्षाओं से थोड़ा कम रहे। खाद्य और ऊर्जा को छोड़कर कोर सीपीआई गत माह 0.2 और गत 12 माह में 3% बढ़ा, जो 0.3 और 3.1% के पूर्वानुमानों से भी कम है। वहीं भारतीय बाजार में जारी तेजी पर शुक्रवार को रोक लगी और सेंसेक्स 335 अंक और निफ्टी में 96 अंक गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को बाजार खुलने पर अमेरिकी आंकड़ों का असर दिखाई देगा।

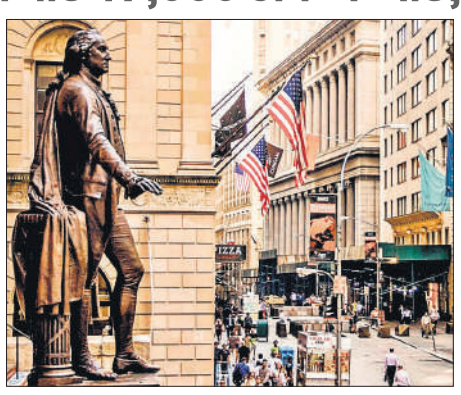

व्यापारियों ने फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती पर खेला दांव

सीपीआई के आंकड़े जारी होने के बाद व्यापारियों ने इस साल अपनी शेष दोनों बैठकों में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती किए जाने पर अपना दांव खेला। सीएमई फेडवॉच टूल के अनुसार दिसंबर में कटौती के अनुमानित से पहले लगभग 91 प्रतिशत से बढ़कर 98.5 प्रतिशत हो गई। अगले सप्ताह ब्याज दरों में कटौती की संभावना 95 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है।

एआई में और महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा इंटेल

कॉरपोरेट समाचारों में चिप निर्माता इंटेल के शेयरों में 0.31 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि कंपनी ने तीसरी तिमाही का राजस्व वॉल स्ट्रीट के अनुमानों से अधिक बताया। इंटेल के निवेशक प्रमुख जॉन पित्जर ने कहा कि हमारा मानना है कि हम एआई में और अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की स्थिति में हैं।

फेड की बैठक में और नरमी की उम्मीद

गोल्डमैन सैक्स एसेट मैनेजमेंट में बहु-क्षेत्रीय निश्चित आय निवेश प्रमुख लिंडसे रोसनर ने कहा कि आज की नरम सीपीआई रिपोर्ट में फेड को 'डराने' वाली कोई बात नहीं थी और हमें अगले सप्ताह होने वाली फेड बैठक में और नरमी की उम्मीद है। मौजूदा आंकड़ों की कमी के कारण फेड के पास डॉट प्लॉट में बताए गए रास्ते से हटने का कोई कारण नहीं है, इसलिए दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की संभावना बनी हुई है।

रिलायंस के एआई उद्यम में 30% हिस्सेदारी फेसबुक ने खरीदी

नई दिल्ली, एजेंसी

अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के एआई उद्यम में मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक की फेसबुक ओवरसीज 30% हिस्सेदारी लेगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने शेयर बाजार को बताया कि उसकी रिलायंस एंटरप्राइज इंटेलिजेंस लिमिटेड में 70% हिस्सेदारी होगी।

आरआईएल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिलायंस इंटेलिजेंस और फेसबुक संयुक्त रूप से इस उद्यम में शुरुआती 855 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि रिलायंस इंटेलिजेंस लिमिटेड ने 24 अक्टूबर, 2025 को रिलायंस एंटरप्राइज इंटेलिजेंस लिमिटेड का गठन किया। इसके मुताबिक, रिलायंस इंटेलिजेंस की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में भारत में निगमित आरईआईएल, मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी फेसबुक ओवरसीज इंक (फेसबुक) के साथ एक संयुक्त उद्यम कंपनी होगी। आरईआईएल एंटरप्राइज एआई सेवाओं का विकास, विपणन और वितरण करेगा।

- रिलायंस एंटरप्राइज इंटेलिजेंस लिमिटेड की हिस्सेदारी 70%

कंपनी ने कहा कि संयुक्त उद्यम समझौते के अनुसार, आरईआईएल में रिलायंस इंटेलिजेंस की 70 प्रतिशत और फेसबुक की शेष 30 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। रिलायंस इंटेलिजेंस और फेसबुक ने संयुक्त रूप से 855 करोड़ रुपये के शुरुआती निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।

विस्तृत जांच-पड़ताल के बाद अडाणी की कंपनियों में किया निवेश : एलआईसी

- निगम ने कहा- केंद्रीय मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग या किसी अन्य निकाय की कोई भूमिका नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने शनिवार को कहा कि उसने अडाणी समूह की कंपनियों में निवेश स्वतंत्र रूप से और विस्तृत जांच-पड़ताल के बाद किया। कंपनी ने कहा कि ऐसा निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नीतियों के अनुसार किया गया था।

एलआईसी ने एक्स पर बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग या किसी अन्य निकाय की ऐसे (निवेश) निर्णयों में कोई भूमिका नहीं होती है। एलआईसी ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने कुछ वर्षों में बुनियादी बातों और विस्तृत जांच के आधार पर विभिन्न कंपनियों में निवेश के फैसले लिए हैं। भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में इसका निवेश मूल्य 2014 से 10 गुना बढ़कर 1.56 लाख करोड़ से 15.6 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो मजबूत फंड प्रबंधन को दर्शाता है। एलआईसी ने कहा कि कुछ वर्षों में निवेश के फैसले कंपनियों बुनियादी आंकड़ों और जांच के आधार पर लिए हैं। एलआईसी ने कहा कि निवेश संबंधी निर्णय एलआईसी द्वारा विस्तृत जांच-पड़ताल के बाद उसके निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नीतियों के अनुसार स्वतंत्र रूप से लिए गए। एलआईसी ने जांच के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित किया और निवेश हितधारकों के हित में, नियामक दिशानिर्देशों के अनुपालन में लिए गए हैं।

अडाणी समूह में निवेश की पीएसी से कराए जांच

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि एलआईसी द्वारा अडाणी समूह में बड़े पैमाने पर किए निवेश की संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) को जांच करनी चाहिए। मुख्य विपक्षी दल ने वाशिंगटन पोस्ट की खबर का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पूरा मामला पीएसी के जांच अधिकार क्षेत्र में आता है। कांग्रेस के आरोपों पर फिलहाल अडाणी समूह या सरकार से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

कोटक महिंद्रा का मुनाफा 3% घटकर 3,253 करोड़

नई दिल्ली। कोटक महिंद्रा बैंक ने शनिवार को बताया कि 30 सितंबर, 2025 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका एकल लाभ तीन प्रतिशत घटकर 3,253 करोड़ रुपये रह गया। निजी क्षेत्र के इस बैंक ने एक साल पहले इसी तिमाही में 3,344 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। कोटक महिंद्रा बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 16,239 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की इसी अवधि में 15,900 करोड़ रुपये थी। बैंक ने तिमाही के दौरान 13,649 करोड़ की ब्याज आय अर्जित की। गत वर्ष यह आंकड़ा 13,216 करोड़ था। शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 7,020 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,311 करोड़ रुपये हो गई।

दुर्लभ खनिजों पर आरएंडडी : बेंगलुरु व हैदराबाद के संस्थानों को मिला उत्कृष्टता केंद्र का दर्जा

नई दिल्ली, एजेंसी

खान मंत्रालय ने भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु और सेंटर फॉर मैटेरियल्स फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी (सी-मेट), हैदराबाद को राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमएम) के अंतर्गत उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के रूप में मान्यता दी है। इन दो संस्थानों के अतिरिक्त सात और संस्थानों को पहले ही इस क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सीआईई का दर्जा दिया जा चुका है।

खान मंत्रालय की शनिवार को जारी विज्ञप्ति यह निर्णय परियोजना अनुमोदन एवं सलाहकार समिति (पीएएसी) द्वारा 24 अक्टूबर को खान मंत्रालय के सचिव पीयूष गोयल और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. अभय करंदीकर की सह-अध्यक्षता में हुई बैठक में दी गई मंजूरी के बाद लिया गया। दुर्लभ खनिज उन्नत प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा, अंतरिक्ष आदि जैसे रणनीतिक क्षेत्रों के अलावा, स्वच्छ ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहन जैसे उभरते क्षेत्रों के यंत्र उपकरणों के विनिर्माण में महत्वपूर्ण कच्चे माल का काम करते हैं।

- सात और संस्थानों को पहले ही मिल चुका है सीआईई का दर्जा

प्रत्येक केंद्र एक समूह की तरह करेगा कार्य

मान्यता प्राप्त उत्कृष्टता केंद्र महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में देश की विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षमता को सुदृढ़ और उन्नत करने के लिए नवीन और परिवर्तनकारी अनुसंधान करेंगे। ऐसा प्रत्येक केंद्र पहिए की धुरी और तीलियों के रूप में एक समूह की तरह काम करेगा ताकि समूह के प्रत्येक घटक की मुख्य क्षमताओं को एक छतरी के नीचे लाया जा सके। धुरी की भूमिका में प्रत्येक उत्कृष्टता केंद्र के साथ औद्योगिक क्षेत्र के दो भागीदार और कम से कम दो अनुसंधान एवं विकास संस्थान या शैक्षणिक संस्थान शामिल किये जाएंगे।

विदेश यात्रा करने वाले लोगों के लिए निर्बाध आव्रजन प्रक्रिया लागू कर सकती है सरकार

- योजना नागर विमानन मंत्रालय के पास विचाराधीन
- भारतीय हवाई अड्डों को अंतर्राष्ट्रीय विमानन केंद्र बनाने का प्रयास

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों से विदेश यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए निर्बाध आव्रजन प्रक्रिया लागू करने पर सरकार विचार कर रही है, जिससे यात्री चुनिंदा मूल हवाई अड्डों पर ही अपना आव्रजन पूरा कर सकेंगे।

नागर विमानन मंत्रालय द्वारा विचाराधीन यह योजना प्रमुख भारतीय हवाई अड्डों को अंतर्राष्ट्रीय विमानन केंद्र बनाने के प्रयासों का हिस्सा है और इससे यात्रियों का स्थानांतरण अधिक सहज होगा। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने कहा कि भारत को अंतर्राष्ट्रीय विमानन केंद्र बनाने के प्रयासों के पहले चरण में मंत्रालय ने दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों को चुना है। यदि कोई व्यक्ति सूरत से दिल्ली के रास्ते लंदन के लिए उड़ान भर रहा है, तो क्या वह सूरत में आव्रजन प्रक्रिया पूरी कर सकता है और फिर टर्मिनल से बाहर निकले बिना दिल्ली से उड़ान ले सकता है। उन्होंने कहा कि ये कुछ ऐसे कदम हैं जिन पर काम जारी है, जहां यात्री भले किसी अन्य स्थान से आ रहा हो और देश के बाहर यात्रा करना चाहता हो, वह केंद्र गंतव्य तक आ सकता है और बिना किसी अन्य आव्रजन प्रक्रिया के वहां से यात्रा कर सकता है।

आधुनिक सुविधाओं से लैस हुआ आईजीआई का टर्मिनल-2

- नागर विमानन मंत्री नायडू ने का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने शनिवार को दिल्ली हवाई अड्डे के पुनर्निर्मित टर्मिनल-2 (टी2) का उद्घाटन किया। यह टर्मिनल रविवार से यात्रियों के लिए शुरू होगा। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा चार दशक पहले निर्मित यह टर्मिनल इस वर्ष अप्रैल 2025 में नवीनीकरण कार्यों के लिए बंद हुआ था। अब इसे आधुनिक सुविधाओं के साथ तैयार किया गया है और इसकी वार्षिक क्षमता लगभग 1.5 करोड़ यात्रियों को संभालने की है। उद्घाटन समारोह में मंत्री नायडू ने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया के सबसे बड़े नागरिक विमानन तंत्र में से एक बन सकता है। हवाई अड्डे को अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए पूरी स्थानांतरण प्रणाली को अधिक कुशल और सुचारू बनाया जाना चाहिए। नायडू ने बताया कि यदि हवाई अड्डे की जगह का सही और प्रभावी उपयोग किया जाए, तो दिल्ली हवाई अड्डा सालाना 13 करोड़ यात्रियों को संभालने की क्षमता रखता है।

बाजार समीक्षा | लंबी छुट्टियों के बाद स्थानीय तेल-तिलहन बाजार में कामकाज रहा कमजोर

लागत से नीचे बिकवाली और कमजोर दाम से बाजार प्रभावित

- सरसों के तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल में आई गिरावट, सोयाबीन तिलहन में रहा सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

लंबी छुट्टियों के बाद स्थानीय तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को एक ओर जहां कमजोर कामकाज के बीच सरसों तेल-तिलहन और आयातकों द्वारा लागत से नीचे दाम पर बिकवाली करने से सोयाबीन तेल के दाम में गिरावट आई। वहीं नए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से काफी कमजोर हाजिर दाम रहने से किसानों की ओर से कम बिकवाली के कारण सोयाबीन तिलहन में सुधार देखने को मिला। सामान्य कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम पूर्वस्तर पर बने रहे।

बाजार सूत्रों ने कहा कि सोयाबीन की नयी फसल का एमएसपी 5,328 रुपये क्विंटल है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने किसानों से एमएसपी से नीचे दाम पर सोयाबीन की बिकवाली नहीं करने को कहा है और 30 अक्टूबर से सरकारी खरीद शुरू करने के लिए उन्हें अपना पंजीकरण कराने को कहा है। लेकिन हाजिर बाजार की ओर देखें तो सोयाबीन का हाजिर दाम 4,000-4,200 रुपये क्विंटल के दायरे में है। ऐसे में कमजोर हाजिर दाम पर किसानों की ओर से बिकवाली घटाने के कारण सोयाबीन तिलहन में तो सुधार है। दूसरी ओर, आयातक बैंकों में अपना ऋण साख-पत्र (एलसी) चलाते रहने के लिए लागत से कम दाम पर सोयाबीन डीगम तेल की बिक्री कर रहे हैं जिससे सोयाबीन तेल कीमतों में गिरावट आई। उन्होंने कहा कि ऐसे में महाराष्ट्र के सोयाबीन प्लांट वालों के सामने चुनौती यह है कि वह कैसे सोयाबीन की पेराई करें और सोयाबीन से निकलने वाले लगभग 82 प्रतिशत डी-आयल्ड केक (डीओसी) को कहां खपायें? सोयाबीन डीओसी की निर्यात मांग काफी कमजोर रहने के साथ इसकी घरेलू मांग भी सामान्य है। ऐसे में जब तक सोयाबीन डीओसी का मुक्कमल बाजार नहीं होगा तो महाराष्ट्र के प्लांट वाले किस उम्मीद में पेराई करेंगे?

मलेशिया के बाजार में दिखी गिरावट

सूत्रों ने कहा कि बाकी खाद्य तेलों के मुकाबले सरसों का दाम ऊंचा होने की वजह से इसकी मांग प्रभावित रहने से सरसों तेल-तिलहन कीमतों में भी गिरावट आई। वैसे देखें तो स्टॉकिस्टों, किसानों और सरकार के पास सरसों का स्टॉक पड़ा है। उन्होंने कहा कि संभावित सट्टेबाजी की वजह से जो मलेशिया में तेजी चल रही थी, उसकी हवा निकलनी शुरू हो गई है और पिछले लगभग एक सप्ताह से मलेशिया में गिरावट देखने को मिल रही है। इस स्थिति के बीच पाम-पामोलीन के भाव में स्थिरता दिखी। सामान्य कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन, सीपीओ एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम पूर्वस्तर पर बने रहे।

चुनौतियों से निपटने के लिए ऑपरेशनल प्रशिक्षण जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रशिक्षण कमान में कमांडरों से बोले वायु सेना प्रमुख एपी सिंह
- वायुसेना एकेडमी को किया प्राइड ऑफ ट्रेनिंग कमांड से सम्मानित

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने वायु सेना को किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने में सक्षम बनाने के लिए कमांडरों से ऑपरेशन आधारित प्रशिक्षण पर बल दिया है। वायु सेना ने शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि वायु सेना की प्रशिक्षण कमान के कमांडरों का दो दिन का सम्मेलन शुक्रवार को बेंगलुरू स्थित प्रशिक्षण कमान में संपन्न हुआ।

वायु सेना प्रमुख ने सम्मेलन की अध्यक्षता की और प्रशिक्षण कमानों के कामकाज की समीक्षा की। एयर चीफ मार्शल सिंह ने कमांडरों से वायु सेना की भविष्य की जरूरतों को देखते हुए और उन्हें किसी भी तरह की स्थिति से निपटने में सक्षम बनाने के लिए ऑपरेशन आधारित प्रशिक्षण के महत्व पर बल दिया। उन्होंने वायु सेनाकर्मियों को गहन प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षण संस्थानों की सराहना की। उन्होंने इस अवसर पर वायु सेना एकेडमी को प्राइड ऑफ़ ट्रेनिंग कमांड से सम्मानित किया। सम्मेलन में बदलते समय के अनुरूप प्रशिक्षण में बदलाव और ढांचागत सुविधाओं के आधुनिकीकरण पर मुख्य रूप से चर्चा की गई।

अमेरिकी सेना की कार्रवाई में नाव डूबी, छह की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शुक्रवार सुबह बताया कि कैरिबियाई सागर में रात भर चली अमेरिकी सेना की कार्रवाई में ड्रग तस्करी में शामिल एक नाव डूब गई जिससे उसमें सवार सभी छह लोगों की मौत हो गई।

सितंबर के बाद इस दसवीं अमेरिकी कार्रवाई में मरने वालों की संख्या 40 से अधिक हो गई है। हालांकि यह किसी संदिग्ध मादक पदार्थ जहाज पर रात में किया गया पहला हमला था। हेगसेथ ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि इस नाव में मादक पदार्थ थे और वह नाव ऐसे मार्ग से गुजर रही थी जिसे तस्कर इस्तेमाल करते हैं। यह क्षेत्र ट्रेन डी अरागुआ के कब्जे में है जो वेनेजुएला-मूल का कार्टेल है।

एसी स्लीपर बसों में आग... एक बढ़ती चिंता

हाल के वर्षों में, एसी स्लीपर बसों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे यात्रियों की जान जोखिम में पड़ रही है। इन घटनाओं में कई लोगों की मौत हो गई है और कई घायल हुए हैं। आंध्र प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं।

20 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश के कुरनूल में निजी एसी स्लीपर बस हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई। इसी महीने राजस्थान के जैसलमेर में 22 की जान चली गई। साल 2025 के मई माह में लखनऊ में निजी स्लीपर बस में शार्ट सर्किट के कारण लगी आग में पांच लोगों की मौत हो गई

थी। इसके अलावा 2022 और 2023 में गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक में निजी एसी स्लीपर बसों की दुर्घटनाओं में सैकड़ों लोगों की जान चली गई। ऐसे में स्लीपर बसों की यात्रा चिंता का सबब बन गई हैं। सावधानी से ही इनसे पार पाया जा सकता है।

आग लगने के कारण

- शॉर्ट सर्किट : एसी स्लीपर बसों में शॉर्ट सर्किट एक आम कारण है, जो आग लगने का कारण बन सकता है। जैसलमेर बस अग्निकांड में भी शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की पुष्टि हुई है। ईंधन रिसाव : ईंधन टैंक से रिसाव भी आग लगने का एक कारणहोसकता है।
- ज्वलनशील सामग्री : बस में ज्वलनशील सामग्री की उपस्थिति आग को बढ़ावा दे सकती है। ड्राइवर की लापरवाही : ड्राइवर की लापरवाही या थकान भी आग लगने का कारण बन सकती है।

समस्या का समाधान

- नियमित रखरखाव : बसों का नियमित रखरखाव करना और शॉर्ट सर्किट जैसी समस्याओं का समाधान करना।
- सुरक्षा उपकरण : बसों में आग बुझाने के उपकरण और आपातकालीन निकास द्वार की व्यवस्था करना। ड्राइवर प्रशिक्षण : ड्राइवरों को आग लगने की स्थिति में कैसे निपटना है, इसके लिए प्रशिक्षण देना। बस में ज्वलनशील सामग्री की जांच करना और उसे बस में न ले जाने देना।

लापरवाही रोकने के लिए उठाए गए कदम

- **नई गाइडलाइंस :** दिल्ली सरकार ने बस ड्राइवरों के लिए नई गाइडलाइंस जारी की हैं, जिसमें डबल शिफ्ट पर रोक और ड्राइविंग सिम्युलेटर ट्रेनिंग शामिल हैं।
- **बायोमेट्रिक फेस रिकॉग्निशन सिस्टम :** हर एक डिपो में बायोमेट्रिक फेस रिकॉग्निशन सिस्टम होगा, जो ड्राइवर की पहचान करेगा और तय करेगा कि वह डबल ड्यूटी न करे।
- **मेडिकल चेकअप :** बस ड्राइवरों का मेडिकल चेकअप सरकारी अस्पतालों में होगा, और उन्हें रिफ्रेशर कोर्स जॉइन करना अनिवार्य होगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

उत्तरी कैरोलिना में गोलीबारी में 2 की मौत

मैक्सटन। दक्षिण-पूर्वी उत्तरी कैरोलिना में एक सप्ताहांत पार्टी में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। एक शेरिफ ने शनिवार को यह जानकारी दी। रॉबसन काउंटी शेरिफ बर्निस विल्किंस के कार्यालय ने कहा कि 13 व्यक्तियों को गोली मारी गई। उन्होंने शनिवार को बताया कि हत्या जांचकर्ता और अन्य लोग मैक्सटन के बाहर एक ग्रामीण क्षेत्र में स्थित इस पार्टी स्थल पर पहुंचे। यह स्थान दक्षिण कैरोलिना सीमा के पास रैले से लगभग 150 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में है। कहा कि समुदाय के लिए वर्तमान में कोई खतरा नहीं है, क्योंकि यह एक अलग घटना प्रतीत होती है। विल्किंस के कार्यालय ने बताया कि सुरक्षा अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही 150 से अधिक लोग वहां से भाग गए थे।

उत्पीड़न के आरोप में भारतीय नर्स को जेल

सिंगापुर। सिंगापुर के एक अस्पताल में नर्स के तौर पर काम करने वाले भारतीय नागरिक को एक व्यक्ति के उत्पीड़न का आरोप स्वीकार करने के बाद एक वर्ष और दो महीने की जेल और दो कोड़े मारे जाने की सजा सुनाई गई है। एलिप शिवा नागू (34) ने जून में रेफल्स अस्पताल में एक पुरुष आगंतुक का उत्पीड़न किया था। नागू ने दावा किया था कि वह पीड़ित व्यक्ति को कीटाणु मुक्त करना चाहता था। इस अपराध के तुरंत बाद नागू को अस्पताल से निलंबित कर दिया गया था। पीड़ित की उम्र समेत सभी विवरण अदालती दस्तावेजों से हटा दिए गए। उप लोक अभियोजक यूजीन फुआ ने बताया कि पीड़ित 18 जून को अपने दादा से मिलने नॉर्थ ब्रिज रोड स्थित अस्पताल गया था, जो वहां भर्ती थे।

भारत-ब्रिटेन संबंधों पर किताब का विमोचन

लंदन। पिछले सात दशकों में भारत के प्रमुख सहयोगियों में से एक ब्रिटेन के साथ बदलते संबंधों की पृष्ठभूमि में विश्व मंच पर भारत की प्रगति को दर्शाने वाली एक किताब का यहां विशेष कार्यक्रम में विमोचन किया गया। वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक टिप्पणीकार अशोक टंडन द्वारा लिखित पुस्तक 'द रिवर्स स्विंग : कोलोनियलिज्म टू कोऑपरेशन' में अगस्त 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद से लेकर वर्तमान समय तक भारत-ब्रिटेन संबंधों का वर्णन किया गया है, जिसमें हाल ही में संपन्न मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से व्यापार और आर्थिक सहयोग को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलने की संभावना है। ब्रिटेन में भारतीय पत्रकार संघ की ओर से आयोजन किया गया।

पाकिस्तान की लोकतंत्र की अवधारणा बाहरी, कब्जे वाले क्षेत्र में बंद करे दमन

मानवाधिकार के उल्लंघनों पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की दो टूक

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

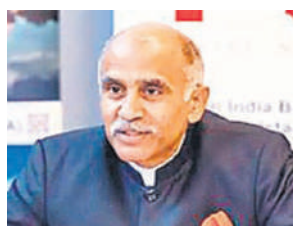

- भारतीय प्रतिनिधि ने कहा-मौलिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हैं जम्मू-कश्मीर के लोग
- जम्मू-कश्मीर भारत का एक अभिन्न व अविभाज्य अंग था है और हमेशा रहेगा : हरीश

भारत ने पाकिस्तान के लिए लोकतंत्र को एक बाहरी अवधारणा बताते हुए उससे अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों (पीओके) में गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों को रोकने का आह्वान किया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शुक्रवार को यूनाइटेड नेशंस ऑर्गेनाइजेशनः लुकिंग इंटू फ्यूचर विषय पर आयोजित खुली बहस में पाकिस्तानी दूत के उल्लेखों का जवाब देते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि व राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक ढांचे के अनुसार अपने मौलिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हैं।

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय प्रतिनिधि ने कहा कि हम निश्चित रूप से जानते हैं कि ये (लोकतांत्रिक) अवधारणाएं पाकिस्तान के लिए बाहरी हैं। दूत ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक अभिन्न व अविभाज्य अंग था है और हमेशा रहेगा। हरीश ने कहा कि हम पाकिस्तान से अवैध रूप से कब्जाए गए क्षेत्रों में मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन को रोकने का आह्वान करते हैं, जहां की जनता पाकिस्तान के सैन्य कब्जे, दमन, क्रूरता व संसाधनों के अवैध दोहन के खिलाफ खुला विद्रोह कर रही है। उन्होंने हाल ही में पीओके में हुई हिंसक अशांति का उल्लेख किया, जिसमें कम से कम एक दर्जन नागरिक मारे गए और सैकड़ों घायल हुए।

हरीश ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को वास्तविक, व्यापक सुधार करने होंगे और 80 साल पुरानी सुरक्षा परिषद की संरचना अब समकालीन भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती। उन्होंने कहा, 1945 की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने वाली एक पुरानी परिषद संरचना 2025 की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार नहीं है। भारतीय राजदूत ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से संयुक्त राष्ट्र के योगदान को भी रेखांकित किया, साथ ही इसकी प्रासंगिकता, वैधता, विश्वसनीयता और प्रभावशीलता पर उठ रहे सवालों को स्वीकार किया।

विदेश मंत्री डा.एस जयशंकर ने भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पुनर्गठन की वकालत की है। शुक्रवार को उन्होंने नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र संघ की 80वीं वर्षगांठ पर कहा था कि इसकी मौजूदा निर्णय प्रक्रिया वैश्विक प्राथमिकताओं के अनुरूप नहीं है और इसके कुछ सदस्यों के आतंकवादी संगठनों का खुलेआम बचाव करने से संस्था की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा था कि संयुक्त राष्ट्र में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसकी निर्णय प्रक्रिया न तो इसके सदस्यों को प्रतिबिंबित करती है और न ही वैश्विक प्राथमिकताओं को संबोधित करती है। इसकी बहसें तेज़ी से ध्रुवीकृत होती जा रही हैं और इसका कामकाज स्पष्ट रूप से अवरुद्ध है। किसी भी सार्थक सुधार को सुधार की प्रक्रिया के माध्यम से ही बाधित किया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र के सामने उत्पन्न वित्तीय संकट का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक अतिरिक्त चिंता के रूप में सामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय बाधाएं एक अतिरिक्त चिंता के रूप में उभरी हैं। संयुक्त राष्ट्र को उसके पुनर्निर्माण की कोशिश करते हुए भी कैसे बनाए रखा जाए यह स्पष्ट रूप से हम सभी के सामने एक बड़ी चुनौती है।

सुरक्षा परिषद में विस्तार की जरूरत

भारतीय दूत ने सुरक्षा परिषद की स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों में विस्तार का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक निर्णय लेने में ग्लोबल साउथ की आवाज को तवज्जो दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सुधारों को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करना हमारे नागरिकों, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के लिए बहुत बड़ा नुकसान है।

ग्लोबल साउथ बड़ी आबादी का प्रतिनिधि

हरीश ने कहा, ग्लोबल साउथ बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है और इसकी अपनी अनूठी चुनौतियां हैं, विशेष रूप से विकास, जलवायु व वित्तपोषण के क्षेत्रों में। उन्होंने कहा कि वैश्विक निर्णय लेने की प्रक्रिया अधिक लोकतांत्रिक व समावेशी होनी चाहिए।

फूलों के साथ सेल्फी...

श्रीनगर के नेहरू मेमोरियल बॉटनिकल गार्डन में जम्मू-कश्मीर के पहले विशेष गुलदाउदी उद्यान बाग-ए-गुल-ए-दाऊद में फूल के साथ सेल्फी लेता एक बुजुर्ग। ● एजेंसी

नेपाल में जीप के खाई में गिरने से 8 लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल के कर्णाली प्रांत में 18 यात्रियों को लेकर जा रही एक जीप करीब 700 फीट गहरी खाई में गिर गया जिससे उसमें सवार आठ लोगों की मौत हो गई जबकि 10 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह दुर्घटना शुक्रवार रात को रुकुम पश्चिम जिले के बाफिकोट स्थित झरमारे इलाके में हुई। यह वाहन मुसिकोट के खलंगा से आठबिसकोट नगरपालिका के स्यालिखाड़ी क्षेत्र की ओर जा रहा था। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि घटना अधिक गति से गाड़ी चलाने के कारण हुई है।

राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का विचार त्यागा नहीं है : हैरिस

वाशिंगटन, एजेंसी। कमला हैरिस ने अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दौड़ में फिर से शामिल होने की संभावना से इनकार नहीं किया है। शनिवार को एक साक्षात्कार में हैरिस ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में एक महिला अमेरिका की राष्ट्रपति बनेगी, जो संभवतः वह हो सकती हैं।

उन्होंने कहा, मैंने अब तक हार नहीं मानी है। पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने 2028 में राष्ट्रपति चुनाव में किस्मत आजमाने के बारे में अब तक कोई निर्णय नहीं लिया है। लेकिन उन्होंने इस बात को खारिज कर दिया कि उन्हें बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। हैरिस ने कहा कि मैंने अपना पूरा करियर सेवाभाव से जिया है और यह मेरी रगों में बसा है। सेवा करने के कई तरीके हैं। मैंने कभी जनमत सर्वेक्षणों पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने हाल में अपनी पुस्तक '107 डेज' के विमोचन के बाद कई साक्षात्कार दिए हैं। यह पुस्तक 2024 के डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन के दौड़ से बाहर होने के बाद उनकी जगह लेने के हैरिस के अनुभव पर केंद्रित है।

- कहा-आने वाले वर्षों में महिला होगी अमेरिका की राष्ट्रपति

खगोल वैज्ञानिक नारलीकर को मिलेगा विज्ञान रत्न पुरस्कार

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारत सरकार ने विज्ञान श्री पुरस्कारों की भी घोषणा की

प्रसिद्ध खगोल भौतिक विज्ञानी जयंत नारलीकर को शनिवार को 'विज्ञान रत्न पुरस्कार' के लिए चुना गया। यह देश का शीर्ष विज्ञान पुरस्कार है। नारलीकर का 86 वर्ष की आयु में 20 मई को निधन हो गया था। नारलीकर ने बिग बैंग सिद्धांत को चुनौती दी, जिसके अनुसार ब्रह्मांड एक ही क्षण में बना था।

उन्होंने ब्रिटिश खगोलशास्त्री फ्रेड हॉयल के साथ मिलकर यह प्रतिपादित किया कि ब्रह्मांड हमेशा से अस्तित्व में रहा है और अनंत काल तक नए पदार्थों का निरंतर निर्माण होता रहा है। सरकार ने 2025 के लिए आठ 'विज्ञान श्री' पुरस्कारों की भी घोषणा की। इनमें ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह (कृषि विज्ञान), यूसुफ मोहम्मद शेख (परमाणु ऊर्जा), के. थंगराज (जैविक विज्ञान), प्रदीप थलप्पिल (रसायन विज्ञान), अनिरुद्ध भालचंद्र पंडित (इंजीनियरिंग विज्ञान), एस. वेंकट मोहन (पर्यावरण विज्ञान), माहन एमजे (गणित और कंप्यूटर विज्ञान) और जयन एन (अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी) शामिल हैं।

फ्रांस 2026 में यूक्रेन की सुरक्षा को तैनात कर सकता है सेना

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस के सेना प्रमुख जनरल पियरे शिल ने कहा है कि सुरक्षा गारंटी सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हुआ तो फ्रांस 2026 में यूक्रेन में अपने सैनिकों की तैनाती कर सकता है। फ्रांसीसी न्यूज़ चैनल बीएफएमटीवी ने शिल के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में कहा गया, यदि यूक्रेन का समर्थन करना आवश्यक हुआ तो हम सुरक्षा गारंटी के तहत अपनी सेना तैनात कर सकते हैं। वर्ष 2026 गठबंधन सेनाओं द्वारा चिह्नित होगा।

गौरतलब है कि 22 अक्टूबर को फ्रांसीसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के प्रमुख जनरल फैबियन मैंडन ने कहा कि देश की सेना को कथित रूसी खतरे के बीच तीन से चार वर्षों में संभावित टकराव के लिए तैयार रहना चाहिए। फ्रांस स्थित रूसी दूतावास ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि जनरल के शब्दों से पता चलता है कि असली युद्ध भड़काने वाला कौन है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पहले अमेरिकी पत्रकार टकर कार्लसन के साथ साक्षात्कार में कहा कि रूस का उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के देशों पर हमला करने का कोई इरादा नहीं है। दूसरी ओर यूक्रेन में बीती रात रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 17 अन्य लोग घायल हो गए। कीव के नगर सैन्य प्रशासन के प्रमुख तिमुर तकाचेंको ने बताया कि राजधानी कीव में शनिवार तड़के बैलिस्टिक मिसाइल हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दस अन्य घायल हो गए। इमरजेंसी सेवा के अनुसार तीन घायल अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं।

कीव में रूसी हमले के बाद एक गोदाम में लगी आग बुझाने में जुटा एक दमकलकर्मी।

रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने 121 यूक्रेनी ड्रोन मारे

मॉस्को। रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने शुक्रवार रात में 121 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि पिछली रात, ड्यूटी पर तैनात वायु रक्षा प्रणालियों ने 121 यूक्रेनी मनावरहित विमानों को आसमान में रोका और उन्हें हवा में ही नष्ट कर दिया। मंत्रालय के अनुसार, ड्रोन कई क्षेत्रों में मार गिराए गए। इस बीच, विदेशी देशों के साथ आर्थिक सहयोग के लिए रूसी राष्ट्रपति के विशेष दूत और रूसी प्रत्यक्ष निवेश कोष (आरडीआईएफ) के प्रमुख किरिल दिमित्रिव ने कहा कि रूसी और अमेरिकी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच शिखर सम्मेलन होगा, लेकिन अभी नहीं वह बाद में होगा। दिमित्रिव ने सीएनएन से कहा कि राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बैठक होगी, लेकिन संभवत : बाद में। बैठक रद्द होने के बजाय स्थगित होना बेहतर होता।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 26 अक्टूबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 27 अक्टूबर 06 .04 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

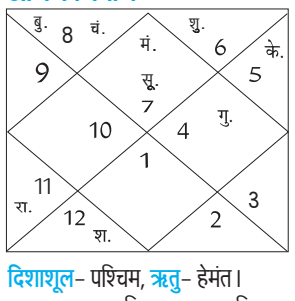

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- ज्येष्ठा 10 .46 तक तत्पश्चात मूल।

मेष — आज गुप्त प्रेम संबंधों के खुलने का भय हो सकता है। प्रेम संबंधों का तनाव दूर होगा। जीवनसाथी आपका अत्यधिक ध्यान रखेगा। आप अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निभाएंगे। पारिवारिक मामलों को लेकर थोड़े परेशान हो सकते हैं।

वृष — आज इसके कारण आपका मन भी अशांत हो सकता है। बहसबाजी करने के बजाय शांत होकर रहें। पारिवारिक कलह का सामना करना पड़ सकता है। अपने खर्चों को नियंत्रित रखने का प्रयास करें। जीवनसाथी के साथ व्यवहार खराब न करें।

मिथुन — आज व्यवसाय को लेकर नए विकल्प आपको मिलेंगे। महंगी वस्तुओं की खरीदारी पर धन खर्च करेंगे। व्यवसाय में टैक्स आदि को लेकर परेशानियां दूर होंगी। संतान की शिक्षा पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है।

कर्क — आज सरकार की अच्छी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। अपने हितों के लिए आप कुछ स्वार्थी हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए अतिरिक्त श्रम करना पड़ेगा। गूढ़ विषयों के अध्ययन में आपकी रुचि जागृत होगी।

सिंह — आज नकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों से संपर्क कम करना हितकर होगा। घर के खर्चे बढ़ने के कारण आपके ऊपर दबाव रहेगा। प्रेमी जन के साथ विवाह को लेकर चर्चा कर सकते हैं। बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या — आज कानूनी मामलों में नुकसान हो सकता है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रयोग सावधानी पूर्वक करें। वैवाहिक जीवन को आप पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे, जिसके कारण मन कुछ असंतुष्ट रहेगा। जोड़ों में दर्द और अकड़न जैसी समस्या हो सकती है।

तुला — आज का दिन अत्यंत शुभ रहने वाला है। कारोबारी यात्रा के योग बन रहे हैं। बेरोजगार लोगों को रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। साहित्य से जुड़े विषयों के अध्ययन में रुचि लेंगे। प्रेमी जन के साथ रोमांटिक डेट पर जाने का विचार बना सकते हैं।

वृश्चिक — आज जीवनसाथी से सलाह लेना उत्तम रहेगा। फाइनेंस संबंधी कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रेम संबंधों को लेकर दबाव में आ सकते हैं। लोग आपकी बातों का गलत मतलब निकाल सकते हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा।

धनु — आज शोध कार्यों में अपेक्षित सफलता मिलने से मन प्रफुल्लित रहेगा। आपका व्यवहार लोगों के लिए प्रेरणादायक रहेगा। नया व्यापार शुरू करना चाह रहे हैं, तो उसके लिए पूरी योजना बना लें। रुके हुए कार्यों में तीव्रता आएगी।

मकर — आज अनेक बाधाओं के साथ आपके काम आगे बढ़ेंगे। किसी मित्र को धन उधार देना पड़ सकता है। सहयोगी आपसे ईर्ष्या रख सकते हैं। आपके ऊपर बेवजह के आरोप लग सकते हैं। नशे और व्यभिचार से दूरी बनाकर रखें।

कुंभ — आज समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। किसी वैवाहिक समारोह में सम्मिलित हो सकते हैं। इंटरनेट के माध्यम से कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां मिल सकती हैं। संपत्ति में निवेश कर सकते हैं। मित्रों के सहयोग से रुका हुआ काम गतिशील हो जाएगा।

मीन — आज करियर को लेकर चिंता हो सकती है। धन-संपत्ति के मामलों में सफलता मिलेगी। लोग आपकी प्रतिभा और क्षमताओं का सम्मान करेंगे। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। जल्दबाजी में काम पूरा करने से गलतियां हो सकती हैं।

सुडोकू-141

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1		2					
			1				4	
	3	7						
1			7					3
		5	6					
2					8			9
4			9	8				
	6				7			
7		9					8	

सुडोकू - 140 का हल

2	4	6	7	3	8	5	1	9
3	8	7	5	9	1	2	6	4
1	5	9	4	2	6	8	7	3
4	3	1	6	5	2	7	9	8
9	6	2	3	8	7	1	4	5
5	7	8	9	1	4	6	3	2
7	9	4	8	6	5	3	2	1
8	2	3	1	7	9	4	5	6
6	1	5	2	4	3	9	8	7

हर्षित राणा बल्ले से 20 से 25 रन का योगदान कर सकते हैं, तो वह आठवें नंबर पर गेंदबाजी ऑलराउंडर हो सकते हैं जिसकी भारत को तलाश है। हमें भरोसा है कि वह ऐसा कर सकता है। बहुत कम तेज गेंदबाज हैं जो लंबे हैं और जो 140 से ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं।
-शुभमन गिल

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार 26 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

श्रेयस अय्यर कैच लेते समय हुए घायल

नई दिल्ली : भारत के नए वनडे उप कप्तान श्रेयस अय्यर को कम से कम तीन हफ्ते या उससे ज्यादा समय तक खेल से बाहर रहना पड़ सकता है क्योंकि शनिवार को सिडनी में तीसरे वनडे के दौरान हर्षित राणा की गेंद पर एलेक्स कैरी का कैच लेते समय उनकी बाईं पसली में झटका लग गया था। अभी तक यह निश्चित नहीं हो सकता है कि वह 30 नवंबर को रांची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के पहले वनडे के लिए समय पर फिट होंगे या नहीं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया श्रेयस को मैच के दौरान ही स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया था। शुरुआती जांच के अनुसार इस झटके से उन्हें कम से कम तीन हफ्ते तक खेल से बाहर रहना होगा।

पहले दिन भारत ने जीते 14 पदक

रांची : दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 (सैफ) के पहले दिन भारतीय एथलीटों ने पांच स्वर्ण, छह रजत और तीन कांस्य सहित कुल 14 पदक जीते। बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में शुक्रवार से शुरु हुई दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप (सैफ) 2025 के पहले दिन पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में उत्तर प्रदेश पुलिस के कांस्टेबल और अखिल भारतीय पुलिस चैंपियनशिप 2024 के विजेता प्रिंस कुमार ने 14:22.17 का समय निकालकर स्वर्ण पदक हासिल किया। श्रीलंका के वक्षण विकनराज ने (14:23.21) और नेपाल के मुकेश बहादुर पाल ने (14:25.54) समय के साथ क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में, भारत ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम किया।

रोहित शर्मा को शतक लगाने की बधाई देते विराट कोहली। एजेंसी

रोहित व कोहली ने क्लीन स्वीप से बचाया

सीरीज के तीसरे व आखिरी एकदिवसीय मुकाबले में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराया

सिडनी, एजेंसी

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने अपने चिरपरिचित अंदाज में बल्लेबाजी करके आकर्षक पारियां खेल अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया। इससे भारत ने तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शनिवार को यहां ऑस्ट्रेलिया को 69 गेंद शेष रहते हुए नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। भारत के सामने 237 रन का अपेक्षाकृत आसान लक्ष्य था, लेकिन रोहित और कोहली ने इसे बौना साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

रोहित ने 125 गेंद पर नाबाद 121 रन बनाए जिसमें 13 चौके और तीन छक्के शामिल हैं। कोहली ने 81 गेंद पर नाबाद 74 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके लगाए। इन दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 168 रन की अटूट साझेदारी की मदद से भारत ने 38.3 ओवर में एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर दिया। इस तरह से उसने ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप करने की मंशा पर भी पानी फेर दिया जो पहले दो मैच जीत कर तीन मैच की सीरीज पहले ही अपने नाम कर चुका था।

इससे पहले तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 39 रन देकर चार विकेट लेकर अपनी क्षमता का परिचय दिया जिससे आस्ट्रेलिया की टीम 46.4 ओवर में 236 रन पर सिमट गई। उसकी तरफ से मैट रेनशॉ ने सर्वाधिक 56 रन बनाए।

एकदिवसीय शृंखला जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी। एजेंसी

237 रनों के आसान लक्ष्य को भारतीय बल्लेबाज रोहित और कोहली ने बौना साबित कर 69 गेंदें शेष रहते मैच जीत लिया

ऑस्ट्रेलिया

236/10 (46.4 ओवर)

- मिचेल मार्श बो अक्षर 41
- ट्रेविस हेड का कृष्णा बो सिराज 29
- मैथ्यू का कोहली बो वाशिंगटन 30
- मैट रेनशॉ पगबाधा बो वाशिंगटन 56
- एलेक्स कैरी का श्रेयस बो राणा 24
- कूपर कोनोली का कोहली बो राणा 23
- मिचेल ओवेन का रोहित बो राणा 01
- मिचेल स्टार्क बो कुलदीप 02
- नाथन एलिस का रोहित बो कृष्णा 16
- एडम जम्पा नाबाद 01
- जोश हेजलवुड बो राणा 00

गेंदबाजी : मोहम्मद सिराज 5-1-24-1, हर्षित राणा 8.4-0-39-4, प्रसिद्ध कृष्णा 7-0-52-1, कुलदीप यादव 10-0-50-1, अक्षर पटेल 6-0-18-1, वाशिंगटन सुंदर 10-0-44-2

भारत

237/1 (38.3 ओवर)

- रोहित शर्मा नाबाद 121
- शुभमन गिल का कैरी बो हेजलवुड 24
- विराट कोहली नाबाद 74

गेंदबाजी : मिचेल स्टार्क 5-0-31-0, जोश हेजलवुड 6-1-23-1, नाथन एलिस 7.3-0-60-0, कूपर कोनोली 5-0-36-0, एडम जम्पा 10-0-50-0, मिचेल ओवन 1-0-2-0, मैथ्यू शॉर्ट 4-0-29-0

ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच होगा सेमीफाइनल

इंदौर, एजेंसी

लेग स्पिनर अलाना किंग की करिश्माई गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को एकतरफा अंदाज में सात विकेट से हराकर शनिवार को यहां लीग चरण का समापन तालिका में शीर्ष स्थान पक्का करते हुए किया।

ऑस्ट्रेलिया के सामने अब 30 अक्टूबर को नवी मुंबई में खेले जाने वाले सेमीफाइनल में भारत की चुनौती होगी क्योंकि भारत रविवार को अपने अंतिम लीग मैच में बांग्लादेश के खिलाफ जीत दर्ज कर भी तालिका में चौथे स्थान से ऊपर नहीं बढ़ सकता है।

किंग (सात ओवर में 18 रन देकर सात विकेट) ने अपनी फिरकी का जादू बिखेरते हुए करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। दक्षिण अफ्रीका की टीम 24 ओवर में महज 97 रन पर आउट हो गयी।

ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने इसके बाद 199 गेंद शेष रहते आसानी से लक्ष्य को हासिल कर लिया। किंग ने अपनी फिरकी की जादू से एक बार फिर साबित किया कि वह मौजूदा दौर में कलाई की सबसे कुशल स्पिनरों में से एक हैं।

दक्षिण अफ्रीका को हराने के बाद विजयी मुद्रा में पैवेलियन लौटतीं ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी। एजेंसी

- दक्षिण अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट से हराया

बांग्लादेश के खिलाफ अपनी कमियों को दूर करने की कोशिश करेगी भारतीय टीम

नवी मुंबई : कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बाद महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुका भारत इस महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले रविवार को यहां बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले अपने अंतिम लीग मैच में अपनी कमियों को दूर करने की कोशिश करेगा। भारतीय टीम पर एक समय सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन उसने पिछले मैच में न्यूजीलैंड की चुनौती को विफल करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी और वर्षा से प्रभावित मुकाबले में 53 रन से जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में स्थान पक्का कर लिया। यह मुकाबला हालांकि उनकी पूरी तरह से परीक्षा नहीं ले पाया। भारत ने बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठाया और स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल के शतकों की मदद से 49 ओवरों में तीन विकेट पर 340 रन बनाए। जेमिमा रोड्रिग्स ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 76 रन की पारी खेलकर टीम को जरूरी गति प्रदान की। बारिश के कारण न्यूजीलैंड के सामने 44 ओवर में 325 लक्ष्य रखा गया रन बनाने का लेकिन उसकी टीम आठ विकेट पर 271 रन ही बना सकी। रविवार को भी बारिश की भविष्यवाणी की गई है। बांग्लादेश का इस विश्व कप में अभियान कुछ दिन पहले डीवाई पाटिल में श्रीलंका के खिलाफ अंतिम ओवर में नौ रन बनाने में विफल रहने के साथ ही समाप्त हो गया था। बांग्लादेश ने एक मैच जीता है लेकिन अगर वह भारत से हार जाता है तो वह अंक तालिका में अंतिम स्थान पर रहेगा।

- समय : दोपहर 3 बजे से

रोहित ने ऑस्ट्रेलिया में फिर खेलने को लेकर अनिश्चितता जताई

सिडनी, एजेंसी

भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चुनौतीपूर्ण वनडे श्रृंखला समाप्त होने के बाद शनिवार को कहा कि शायद वह और विराट कोहली भविष्य में क्रिकेट को पसंद करने वाले इस देश में नहीं खेल पाएंगे। टेस्ट और टी-20 अंतर्राष्ट्रीय से संन्यास लेने के बाद अब रोहित और कोहली केवल एक अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप (वनडे) में खेल रहे हैं और हाल के दिनों में उनके करियर को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

रोहित को 'प्लेयर ऑफ द मैच' और प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। उन्होंने मैच के बाद प्रसारकों से कहा यहां आना और खेलना हमेशा अच्छा लगता है। 2008 की यादें ताजा हो गईं। मुझे नहीं पता कि हम ऑस्ट्रेलिया वापस आएंगे या नहीं, लेकिन हम अपने क्रिकेट का आनंद लेते हैं, चाहे हम कितनी भी उपलब्धियां हासिल कर लें। रोहित ने शानदार नाबाद 121 रन बनाए जबकि कोहली ने भारत की जीत में नाबाद 74 रनों का योगदान दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए कहा हमने पर्थ में नए सिरे से शुरुआत की। मैं चीजों को इसी तरह देखता हूं। रोहित ने अपने करियर के इस चरण में अनुभव और मार्गदर्शन के महत्व पर भी जोर दिया।

- रोहित को 'प्लेयर ऑफ द मैच' व प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया

उन्होंने कहा आप ऑस्ट्रेलिया में कठिन पिचों और बेहतरीन गेंदबाजों का सामना करते हैं। यहां खेलना कभी आसान नहीं होता। हम श्रृंखला नहीं जीत सके लेकिन इसमें कई सकारात्मक बातें हैं। यह एक युवा टीम है और बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। उन्होंने कहा जब मैं टीम में आया था, तो सीनियर खिलाड़ियों ने हमारी बहुत मदद की थी। अब हमारा काम भी यही है। हमें उनका मार्गदर्शन करना होगा।

विराट और रोहित को इस तरह खेलते देखना अच्छा लगा : गिल

सिडनी : शुभमन गिल ने शनिवार को कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली की शानदार पारियों ने उन्हें भारत के वनडे कप्तान के तौर पर पहली जीत दिलाने में मदद की। गिल ने तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ विकेट से मिली जीत को लगभग परफेक्ट मुकाबला बताया। रोहित शर्मा (नाबाद 121) ने अपना 33वां वनडे शतक जड़ा जबकि विराट कोहली (नाबाद 74) ने उनका पूरा सहयोग किया जिससे भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 236 रन लक्ष्य को लगभग 11 ओवर बाकी रहते हासिल कर लिया। भले ही भारत तीन मैच की सीरीज 1-2 से हार गया, गिल ने मैच के बाद कहा मैच लगभग परफेक्ट रहा। लक्ष्य का पीछा करते हुए देखना अच्छा लगा। रोहित और कोहली कई साल से ऐसा कर रहे हैं। यह एक खास मैदान पर एक खास जीत थी। गिल ने चार विकेट झटकने वाले तेज गेंदबाज हर्षित राणा और बीच के ओवरों में ऑस्ट्रेलियाई टीम को शांत रखने के लिए स्पिनरों की तारीफ की।

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णीत	अंक	रन रेट
ऑस्ट्रेलिया	7	6	0	1	13	2.102
द.अफ्रीका	7	5	2	0	10	-0.379
इंग्लैंड	6	4	1	1	9	1.024
भारत	6	3	3	0	6	0.628
श्रीलंका	7	1	3	3	5	-1.035
न्यूजीलैंड	6	1	3	2	4	-0.490
पाकिस्तान	7	0	4	3	3	-2.651
बांग्लादेश	6	1	5	0	2	-0.578

न्यूजीलैंड के खिलाफ लय हासिल करने उतरेंगी इंग्लैंड की बल्लेबाज

विशाखापत्तनम, एजेंसी : इंग्लैंड की टीम पहले ही महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुकी है, लेकिन उसके बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है। इसलिए वह न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले अपने अंतिम लीग मैच में इस विभाग की कमजोरी को दूर करने की कोशिश करेंगे।

इंग्लैंड ने कुल मिलाकर टूर्नामेंट में अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन कुछ अवसरों पर उसकी बल्लेबाजी ध्वस्त हो गई थी जो सेमीफाइनल से पहले टीम के लिए चिंता का विषय है। न्यूजीलैंड की टीम गुरुवार को भारत के हाथों मिली 53 रन की हार से सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई और अब वह बिना किसी दबाव के खेलने के लिए उतरेगी और जीत के साथ अपने अभियान का समापन करना चाहेगी। न्यूजीलैंड की टीम वास्तव में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है।

रणजी ट्रॉफी | शिवम शर्मा ने तीन विकेट लिए, ओडिशा के गोविंदा पोद्दार ने 64 रनों की पारी खेली

उत्तर प्रदेश ने ओडिशा को 243 रनों पर समेटा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रणजी ट्रॉफी के दूसरे मुकाबले में यूपी ने पहले ही दिन ओडिशा पर शिकंजा कस दिया। ग्रीनपार्क स्टेडियम में खेले गए पहले मुकाबले में आंध्र प्रदेश से ड्रा खेलने वाली यूपी के गेंदबाजों ने दूसरे मुकाबले में ओडिशा के बल्लेबाजों पर दबाव बनाया।

बल्लेबाजों की मददगार पिच पर ओडिशा ने पहले बैटिंग का निर्णय लिया, लेकिन गलत साबित हुआ। स्पिनरों ने सात और तेज गेंदबाजों ने तीन विकेट लेकर 77.1 ओवर में ओडिशा की पारी को 243 रनों पर समेट दिया। पहले दिन का खेल खत्म होने पर यूपी बिना किसी नुकसान के सात ओवर में 17 रन बना चुकी है। सलामी जोड़ी अभिषेक गोस्वामी छह और माधव कौशिक नौ रन पर खेल रहे हैं।

विकेट लेने के बाद शिवम शर्मा को बधाई साथी खिलाड़ी। अमृत विचार

टॉस जीतकर ओडिशा के कप्तान शुभ्रांशु सेनापति ने बैटिंग का निर्णय लिया। जिसे यूपी के तेज गेंदबाज शिवम मावी ने पहले ओवर में ही गलत साबित कर दिया। शिवम ने सलामी बल्लेबाज स्वास्तिक को चार रन पर आर्यन के हाथों कैच कराकर पैवेलियन भेजा। शिवम का दूसरा शिकार विकेटकीपर बल्लेबाज आशीर्वाद चार रन पर ही बने। शिवम की गेंद पर वह भी आर्यन के हाथों लपके गए। ओडिशा को बड़ा झटका कप्तान शुभ्रांशु के रूप में तीन रन पर लगा। कप्तान कुनाल त्यागी की अंदर आती गेंद समझने में चूके और बोल्ड हुए। शुरुआत के तीन विकेट जल्द गिरने से ओडिशा की स्थिति खराब हो गई।

मध्यक्रम बल्लेबाजों ने संभाला

सलामी जोड़ी और कप्तान के पैवेलियन लौटने के बाद मध्यक्रम बल्लेबाज संदीप और गोविंदा ने चौथे विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की। संदीप और गोविंदा की साझेदारी को लेफ्ट आर्म स्पिनर शिवम शर्मा ने तोड़ा और संदीप को करन शर्मा के हाथों 53 रन पर कैच कराया। इसके बाद शिवम ने राजेश धूपर को शून्य और गोविंदा पोद्दार को 64 रन पर रनआउट कराया। शिवम के बाद ओडिशा के बल्लेबाजों को स्पिनर विप्रराज और प्रशांतवीर ने जमकर परेशान किया। विप्रराज ने को सुनील दो और बादल को शून्य पर रनआउट किया। रिंकू सिंह की जगह टीम में शामिल प्रशांतवीर ने भी गेंदबाजी से कमाल किया। राजेश मोहंती को 48 और सुमित शर्मा को एक रन पर पवेलियन भेजा।

पोलो कप में भारत ने अर्जेंटीना को हराया

जयपुर पोलो ग्राउंड में भारत और अर्जेंटीना की टीमें प्रतिस्पर्धा करती हुईं। एजेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रतिष्ठित कोग्निवेरा इंटरनेशनल पोलो कप 2025 में कौशल, गति और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जब टीम इंडिया ने प्रतिष्ठित जयपुर पोलो ग्राउंड, नई दिल्ली में आयोजित एक रोमांचक मुकाबले में अर्जेंटीना को 10-9 से हरा दिया। इस कार्यक्रम में एक हजार से ज्यादा विशिष्ट अतिथियों ने शिरकत की, जिनमें केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी शामिल थे उत्साही दर्शकों द्वारा प्रोत्साहित, जयपुर के सवाई पद्मनाभ सिंह के नेतृत्व में टीम इंडिया ने दुर्जेय अर्जेंटीना की टीम के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया।